शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित
राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 11 | अंक : 228 | गुवाहाटी | शुक्रवार, 21 मार्च, 2025 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ में 22 नक्सली ढेर, एक जवान शहीद पेज 2
असम कैबिनेट ने नई यूरिया परियोजना को मंजूरी के लिए प्रधानमंत्री को दिया धन्यवाद पेज 3
मोतियाबिंद से ग्रस्त कांग्रेस को विकास दिखाई नहीं देता : मोहन लाल बड़ौली पेज 5
बीसीसीआई ने भारतीय क्रिकेट टीम को 58 करोड़ रुपए नकद पुरस्कार देने का... पेज 7

कक्षा 11 और 9 की पेपर लीक, परीक्षा रद्द

गुवाहाटी/बरपेटा। असम राज्य बोर्ड की कक्षा 11वीं का गणित का पेपर और बरपेटा जिले का कक्षा 9वीं का अंग्रेजी का पेपर लीक हो गया, जिसके बाद अधिकारियों को गुरुवार को संबंधित परीक्षाएं रद्द करनी पड़ीं और पुलिस में शिकायत दर्ज करानी पड़ी। शिक्षा मंत्री रनोज पेगू ने एक्स पर एक पोस्ट में असम राज्य विद्यालय शिक्षा बोर्ड (एएसएसईबी) की एक अधिसूचना साझा की, जिसमें बिना कोई स्पष्टीकरण दिए गणित की परीक्षा स्थगित कर दी गई। उन्होंने कहा कि 21 मार्च, 2025 (दोपहर का सत्र) के लिए निर्धारित उच्चतर माध्यमिक प्रथम वर्ष की गणित की परीक्षा अपरिहार्य कारणों से स्थगित कर दी गई है। मंत्री ने कहा कि नई तिथि और आगे के अपडेट जल्द ही अधिसूचित किए जाएंगे। संपर्क करने पर एएसएसईबी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि गणित का पेपर लीक हो गया है और इसीलिए परीक्षा रद्द कर दी गई है। उन्होंने कहा कि हम मामले की जांच कर रहे हैं और जल्द ही कानूनी कार्रवाई करेंगे। उच्चतर माध्यमिक प्रथम वर्ष या कक्षा 11 की परीक्षा 6 मार्च को शुरू हुई और 29 मार्च को समाप्त होगी। अधिकारियों ने बताया कि इससे पहले दिन में, असम के बरपेटा जिले में गुरुवार को होने वाली कक्षा 9 की अंग्रेजी की वार्षिक परीक्षा सोशल मीडिया पर प्रश्नपत्र लीक होने के बाद रद्द कर दी गई। बरपेटा स्कूल निरीक्षक रतुल कुमार दास ने जिले के सभी स्कूल प्रमुखों को एक आदेश जारी कर परीक्षा रद्द करने की सूचना दी। उन्होंने आदेश में कहा कि मैं आपको सूचित करना चाहता हूं कि 20/03/2025 को होने वाली कक्षा 9वीं की वार्षिक परीक्षा का अंग्रेजी का पेपर अपरिहार्य परिस्थितियों के कारण स्थगित किया जाता है। दास ने विवरण साझा किए बिना कहा कि परीक्षा की अगली तारीख जल्द ही सूचित की जाएगी। इस बीच, जिला स्तरीय आंतरिक परीक्षा समिति (डीएलआईईसी) के एक अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर पीटीआई को बताया कि उन्हें बुधवार शाम को पेपर लीक होने के बारे में पता चला। उन्होंने कहा कि हमें संदेह है कि पेपर सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। हम सभी दावों की पुष्टि कर रहे हैं। फिर भी, हम कोई जोखिम नहीं उठा सकते। इसलिए, हमने परीक्षा रद्द कर दी है। बाद में, एक अधिकारी ने कहा कि डीएलआईईसी ने पेपर लीक के बारे में बरपेटा सदर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। बरपेटा में कक्षा 9 की परीक्षाएं 10 मार्च को शुरू हुईं और 22 मार्च को समाप्त होनी थीं।

असम में पिछले पांच वर्षों में 200 वर्ग किमी. वृक्षारोपण किया गया : सीएम

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने गुरुवार को कहा कि राज्य सरकार ने पिछले पांच वर्षों में बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण की पहल की है और 200 वर्ग किलोमीटर से अधिक क्षेत्र में वृक्षारोपण किया गया है, जो गुवाहाटी शहर के क्षेत्रफल से भी बड़ा है। मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि असम पर्यावरण संरक्षण में सफलता की कहानी लिख रहा है। पिछले पांच वर्षों में, हमने 200 वर्ग किलोमीटर से अधिक क्षेत्र में वृक्षारोपण किया है – जो गुवाहाटी शहर जितना बड़ा है। मुख्यमंत्री ने पिछले चार वर्षों से भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराने को प्राथमिकता दी है। मुख्यमंत्री शर्मा के अनुसार, 100 वर्ग किलोमीटर का वन क्षेत्र – जो चंडीगढ़ जितना बड़ा क्षेत्र है – अतिक्रमण से मुक्त कराया गया। हिमंत विश्व शर्मा के राज्य के मुख्यमंत्री बनने के बाद से राज्य प्रशासन ने कई अतिक्रमण विरोधी अभियान चलाए हैं। विपक्ष ने यह भी आरोप लगाया है कि मुख्यमंत्री शर्मा ने अतिक्रमण का राजनीतिकरण किया है और अतिक्रमण विरोधी अभियानों में अल्पसंख्यकों को निशाना बनाया गया है। इससे पहले, पिछले वर्ष सितंबर में कामरूप जिले के सोनापुर क्षेत्र में नियमित अतिक्रमण विरोधी अभियान हिंसा में बदल गया था। स्थानीय पुलिस और निवासियों के बीच उस समय हिंसक झड़प हो गई जब पुलिस ने 100 बीघा भूमि पर अवैध रूप से बसी कॉलोनियों को हटाने का प्रयास किया, जहां लगभग 150 लोग रहते थे। इसके परिणामस्वरूप दो निवासियों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। मृतकों की पहचान जुबाहिद अली और हैदर अली के रूप में की गई है। कथित तौर पर पुलिस की गोली लगने से घायल हुए दोनों व्यक्तियों को सोनापुर जिला अस्पताल में मृत घोषित कर दिया गया। मौतों के अलावा, हिंसा में कई लोग घायल भी हुए, जिनमें से एक शाहजहां अली को पैर में गोली लगी थी। झड़प के दौरान एक महिला कांस्टेबल और राजस्व सर्किल अधिकारी नितुल खातोनियार सहित कम से कम 22 पुलिसकर्मी घायल हो गए। उन्हें तत्काल उपचार के लिए गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल ले जाया गया। अतिक्रमणकारियों ने अतिक्रमण विरोधी अभियान के चौथे दिन गुरुवार को पुलिस और अधिकारियों -शेष पृष्ठ दो पर

विरोध के बाद भाजपा ने राज्य में *बिहार दिवस* मनाने की योजना रद्द की

गुवाहाटी। प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम (अल्फा-इंडीपेंडेंट) समेत कई संगठनों द्वारा तिनसुकिया में बिहार दिवस समारोह का विरोध किए जाने के बाद असम में सत्तारूढ़ भाजपा ने 22 मार्च को होने वाला कार्यक्रम रद्द कर दिया असम के शिवसागर में प्रस्तावित कार्यक्रम के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया गया। असम प्रदेश भाजपा अध्यक्ष दिलीप सैकिया ने कहा कि पिछले कई वर्षों से एनडीए के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार, भारतीय जनता पार्टी और उसके सहयोगी दल एक भारत श्रेष्ठ भारत स्नेह मिलन उत्सव के तहत विभिन्न राज्यों के स्थापना दिवस मना रहे हैं। इस पहल का उद्देश्य पूरे भारत में एकता, सद्भाव, सद्भावना और विविधता की भावना को बढ़ावा देना है। दिल्ली, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, मिजोरम और नगालैंड समेत कई राज्य पहले ही *असम दिवस* मना चुके हैं। इसी तरह, असम ने मणिपुर, मेघालय, त्रिपुरा, गुजरात, महाराष्ट्र और सिक्किम जैसे राज्यों के स्थापना दिवस मनाए हैं। सैकिया ने कहा कि विभिन्न संगठनों के अनुरोध पर तिनसुकिया में होने वाला बिहार राज्य -शेष पृष्ठ दो पर

मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने जनता से की मुलाकात

गुवाहाटी (हि.स.)। राजधानी दिसपुर के लोकसेवा भवन में असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने गुरुवार को राज्य के विभिन्न जिलों से आए लोगों के साथ मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने आम जनता की समस्याएं, शिकायतें और सुझाव सुने। मुख्यमंत्री ने जनता की बातों को गंभीरता से लेते हुए उनकी समस्याओं के समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाने का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री से मिलने पहुंचे लोगों ने शिक्षा, स्वास्थ्य, -शेष पृष्ठ दो पर

Doorgraphy Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

अब से गुवाहाटी में रात दो बजे तक खुली रहेंगी शराब की दुकानें : कैबिनेट का फैसला

डिब्रूगढ़ (हि.स.)। असम सरकार के मंत्रिमंडल की बैठक डिब्रूगढ़ में संपन्न हुई, जिसमें कई अहम फैसले लिए गए। बैठक के बाद मुख्यमंत्री ने संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया और महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। कैबिनेट में शराब की दुकानों को लेकर बड़ा निर्णय लिया गया। अब गुवाहाटी में रात 2 बजे तक और अन्य स्थानों पर रात 12 बजे तक शराब की दुकानें खुली रहेंगी। नामरूप में यूरिया-अमोनिया परियोजना के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद दिया गया। इसमें भारत सरकार की 60 फीसदी और असम सरकार की 40 फीसदी हिस्सेदारी होगी। भारत सरकार की चार एजेंसियां इसमें भाग लेंगी। कैबिनेट में मोरान समुदाय के लिए विशेष निर्णय लिया गया। अरुणाचल प्रदेश में बसे मोरान समुदाय के लोगों को वहां स्थायी नागरिकता नहीं मिल रही है। इस मुद्दे के समाधान तक असम सरकार उन्हें पीआरसी (परमानेंट रेजिडेंट सर्टिफिकेट) नहीं देगी। स्वास्थ्य व शिक्षा क्षेत्र में सुधार -शेष पृष्ठ दो पर

असम-नगालैंड सीमा विवाद : जोरहाट के आरक्षित वन में आगजनी

स्थानीय लोगों ने नगा पड़ोसियों पर लगाया आरोप

जोरहाट। जोरहाट जिले के मरियानी के पास असम-नगालैंड सीमा क्षेत्र में गुरुवार को उस समय सीमा पर तनाव की एक और घटना देखने को मिली जब उपद्रवियों ने तिरु हिल्स रिजर्व वन क्षेत्र में वन भूमि में आग लगा दी। लखीमिजन पहाड़ियों पर हरियाली के बड़े हिस्से में कथित तौर पर आग लगा दी गई, जिससे अंतर्राज्यीय सीमा पर तनाव बढ़ गया। रिपोर्ट मिलने पर वन अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे और जांच शुरू की। यह घटना मोरीगियाल ब्लॉक वन अधिकारी के कार्यालय के अधिकार क्षेत्र में आती है, जिसकी देखरेख मरियानी क्षेत्रीय वन अधिकारी करते हैं। पास के एक गांव के निवासी ने कहा कि कई सालों से नगा असम की जमीन पर अतिक्रमण कर रहे हैं। इस बार उन्होंने पहले लखीमिजन पहाड़ी के जंगलों को काटा और फिर उसमें आग लगा दी। स्थानीय नगा प्रशासन भी उपद्रवियों के साथ मिला हुआ लगता है। हम जोरहाट जिला प्रशासन से आग्रह करते हैं कि वह इस तरह की आक्रामक हरकतों के खिलाफ सख्त कदम उठाए। स्थानीय लोगों ने वन रक्षकों की कथित सुस्ती और सतर्कता की कमी पर भी असंतोष व्यक्त किया। एक अन्य ने कहा कि वन रक्षकों द्वारा उचित गश्त नहीं की जाती है। सतर्कता की इस कमी ने बदमाशों को जंगल जलाने का साहस दिया है। इस रिपोर्ट को लिखे जाने तक वन अधिकारियों ने इस पर -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

गलती तो हर मनुष्य कर सकता है, किंतु उस पर दृढ़ केवल मुर्ख ही होते हैं।

-सिसरो

न्यूज गैलरी

अल्फा ने रोंगाली बिहू में हिंदी गाने न बजाने की चेतावनी दी

गुवाहाटी। प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम (इंडिपेंडेंट) ने बिहू कार्यक्रमों के आयोजकों और प्रमुख गायकों को रोंगाली बिहू त्योहार के पहले सात दिनों के दौरान हिंदी गाना गाने से बचने की चेतावनी दी है। समूह ने जोर देकर कहा -शेष पृष्ठ दो पर

भाजपा ने अपने लोस सदस्यों के लिए जारी किया व्हिप

नई दिल्ली (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी ने शुक्रवार (21 मार्च) के लिए अपने लोकसभा सदस्यों को तीन लाइन का व्हिप जारी किया है। पार्टी ने अपने सदस्यों से बजट पारित होने के लिए सदन में उपस्थित रहने को कहा है लोकसभा कल गिलोटिन का प्रयोग करेगी। गिलोटिन लागू करने का स्पीकर को विशेषाधिकार होता है। संसदीय परंपरा में गिलोटिन भी हर समय लागू नहीं किया जाता है, बल्कि महत्वपूर्ण -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर पुलिस ने सात उग्रवादियों को किया गिरफ्तार

इंफाल। मणिपुर पुलिस ने पिछले 24 घंटों में कई सफल अभियानों को अंजाम दिया। इस दौरान सात उग्रवादियों को गिरफ्तार किया और महत्वपूर्ण हथियारों और गोला-बारूद का जखीरा बरामद किया गया। पुलिस के मुताबिक बिष्णुपुर जिले में पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया, जिसमें केसीपी (सिटी मैतेई) का सक्रिय सदस्य खुंबुकचम इबोमचा सिंह भी शामिल है। 47 वर्षीय इबोमचाको युमनाम प्रेमकुमार सिंह और युमनाम आनंदकुमार सिंह के साथ गिरफ्तार किया गया, जो चुराचांदपुर के थिंगकंगफाई गांव के मूल निवासी हैं। -शेष पृष्ठ दो पर

जब से हमारी सरकार आई, तभी से प्रदेश में है कानून का राज : नीतीश

पटना (हि.स.)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार गुरुवार को आयोजित 16वें वित्त आयोग की बैठक में शामिल हुए। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि 24 नवंबर, 2005 से जब से हम लोग सरकार में आये, तभी से राज्य में कानून का राज है। हम लोग राज्य के विकास के लिए लगातार काम कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2006-7 में लड़के लड़कियों के लिए पोशाक योजना शुरू की गई। वर्ष 2008 में नौवीं क्लास की लड़कियों के लिए साईकिल योजना चलाई गई। फिर वर्ष 2010 से लड़कों के लिए भी साईकिल योजना शुरू की गई। बड़ी संख्या में सरकारी शिक्षकों की बहाली -शेष पृष्ठ दो पर

नागपुर हिंसा : फहीम खान समेत छह के खिलाफ देशद्रोह का केस दर्ज

नागपुर। नागपुर पुलिस ने 17 मार्च की हिंसा के मास्टरमाइंड फहीम खान और पांच अन्य के खिलाफ देशद्रोह का मामला दर्ज किया है। खान को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है और अदालत ने उसे 20 मार्च तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया था। नागपुर साइबर क्राइम के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) लोहित मतानी के अनुसार फहीम खान समेत छह लोगों के खिलाफ देशद्रोह का मामला दर्ज किया गया है। कुछ लोगों ने पुलिस के खिलाफ हिंसा का समर्थन किया और उसकी प्रशंसा की। यह संख्या और बढ़ सकती है। -शेष पृष्ठ दो पर

भारत को विकसित बनाने का पहला पढ़ाव गांवों को विकसित बनाना है : नरेंद्र मोदी

भावनगर (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को भावनगर जिले के बावलियाली गांव में संत श्री नगालखा बापा-ठाकर धाम के पुन: प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव में वीडियो संदेश से श्रद्धालुओं को संबोधित किया। प्रधानमंत्री मोदी ने भरवाड समाज की गौसेवा और प्रकृति प्रेम की सराहना की। प्रधानमंत्री ने समाज के लोगों से विकसित भारत बनाने में योगदान देने की अपील की। मोदी ने कहा कि भारत को विकसित बनाने का पहला पढ़ाव गांव को विकसित बनाना है। आज प्रकृति और पशुधन सेवा हमारा सहज धर्म है। मोदी ने कहा कि 25 वर्ष में विकसित भारत बनाना है। इसके लिए समाज की मदद जरूरी है। प्रधानमंत्री ने केंद्र सरकार की योजना का जिक्र करते हुए कहा कि फुट एंड माउथ डिजिज में पशुओं को लगातार वैक्सीन लेना रहता है। यह करुणा का काम है, इसे जरूर कराएं। दूसरी योजना का जिक्र कर मोदी ने कहा कि किसानों के बाद अब पशुपालकों को भी क्रेडिट कार्ड दिया जाएगा। इससे पशुपालकों को कम ब्याज पर बैंक से रुपए मिलेंगे। गाय के देशी नस्ल को बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय गोकुल मिशन का संचालन किया जा रहा है। उन्होंने -शेष पृष्ठ दो पर

पिछले एक माह में चुनाव प्रक्रिया को मजबूत बनाने को हुए साहसी प्रयास : चुनाव आयोग

नई दिल्ली (हि.स.)। देश के 26वें मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) के रूप में कार्यभार संभाले हुए ज्ञानेश कुमार को आज एक माह पूरा हो गया। इस संबंध में आयोग ने उनके नेतृत्व में एक माह में चुनाव प्रक्रिया को मजबूत करने के लिए हुए प्रयासों का ब्यौरा दिया है। आयोग का कहना है कि एक महीने के भीतर कुमार ने चुनाव आयुक्तों डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी के साथ मिलकर चुनाव प्रणाली को बीएलओ स्तर तक एक मजबूत दिशा में काम किया है। इसका उद्देश्य सभी मतदाताओं की भागीदारी सुनिश्चित करना और मतदान केंद्रों पर उनके अनुभव को सुखद बनाना है। आयोग ने एक विज्ञप्ति जारी कर गुरुवार को कहा कि प्रमुख हितधारक होने के नाते राजनीतिक दलों को भी जमीनी स्तर पर शामिल किया जा रहा है। आयोग का कहना है कि यह इस बात की पुष्टि हो कि लगभग 100 करोड़ मतदाता हमेशा लोकतंत्र के स्तंभ के रूप में खड़े हैं। यूआईडीएआई और ईसीआई के विशेषज्ञों के बीच तकनीकी परामर्श जल्द ही शुरू होने वाला है। -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ में 22 नक्सली ढेर, एक जवान शहीद

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर और कांकेर जिले में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच बृहस्पतिवार सुबह हुई मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने 18 नक्सलियों को मार गिराया। इस घटना में एक जवान की जान भी चली गई। पुलिस अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले के गंगालूर थाना क्षेत्र के अंतर्गत बीजापुर और दंतेवाड़ा जिले के सीमावर्ती क्षेत्र में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने 22 नक्सलियों को मार गिराया है। उन्होंने बताया कि बीजापुर और दंतेवाड़ा जिले के सीमावर्ती क्षेत्र में गंगालूर थाने से नक्सल विरोधी अभियान पर सुरक्षाबलों के संयुक्त दल को रवाना किया गया था।

अगले साल 31 मार्च से पहले देश नक्सलमुक्त होने वाला है : शाह

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार नक्सलियों के विरुद्ध रुथलेस अप्रोच के साथ आगे बढ़ रही है। उन्होंने दावा किया कि अगले साल 31 मार्च से पहले देश नक्सलमुक्त होने वाला है। छत्तीसगढ़ में गुरुवार को दो अलग-अलग अभियानों में 22 नक्सलियों के मारे जाने के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा किए गए एक पोस्ट में अमित शाह ने कहा कि नक्सलमुक्त भारत अभियान की दिशा में आज हमारे जवानों ने एक और बड़ी सफलता हासिल की है। छत्तीसगढ़ के बीजापुर और कांकेर में सुरक्षा बलों के 2 अलग-अलग ऑपरेशन में 22 नक्सली मारे गए। मोदी सरकार नक्सलियों के विरुद्ध रुथलेस अप्रोच से आगे बढ़ रही है और समर्पण से लेकर समावेशन की तमाम सुविधाओं के बावजूद जो नक्सली आत्मसमर्पण नहीं कर रहे, उनके खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपना रही है। अगले साल 31 मार्च से पहले देश नक्सलमुक्त होने वाला है। गृह मंत्रालय की तरफ से जारी बयान में कहा गया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में नक्सलवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति के चलते वर्ष 2025 में अब तक 90 नक्सली मारे जा चुके हैं, 104 नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया है और 164 ने आत्मसमर्पण किया है। वर्ष 2024 में 290 नक्सलियों को न्यूट्रलाइज किया गया था, 1090 को गिरफ्तार किया गया और 881 ने आत्मसमर्पण किया था। अभी तक कुल 15 शीर्ष नक्सली नेताओं को न्यूट्रलाइज किया जा चुका है।

आकाशीय बिजली गिरने से दो युवक झुलसे

मीरजापुर (हिंस)। हलिया थाना क्षेत्र के मवयी कला गांव में गुरुवार सुबह करीब नौ बजे अचानक हुई बूंदाबांदी के बीच आकाशीय बिजली गिरने से दो युवक झुलस गए। परिजन उन्हें तुरंत ट्रामा सेंटर ले गए, जहां उनका इलाज जारी है। गांव निवासी हिमांशु (20) और सच्चिदानंद (24) अपनी मां सीमा के साथ खेत में मसूर की कटाई कर रहे थे। इसी दौरान अचानक मौसम बदला, बादल गरजने लगे और हल्की बारिश शुरू हो गई। स्थिति को देखते हुए तीनों घर की ओर लौटने लगे, लेकिन रास्ते में ही तेज गरज के साथ बिजली गिर गई। इसकी चपेट में आने से दोनों युवक गंभीर रूप से झुलस गए और अचेत हो गए। सौभाग्य से सीमा उनसे करीब 200 मीटर पीछे थी, जिससे वह सुरक्षित बच गई। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन तुरंत झुलसे युवकों को ट्रामा सेंटर ले गए, जहां डॉक्टरों की निगरानी में उनका इलाज चल रहा है। स्थानीय प्रशासन ने लोगों से बारिश और बिजली गिरने के दौरान सतर्क रहने की अपील की है।

बीकानेर में कार पर पलटा ट्रक परिवार के छह सदस्यों की मौत

बीकानेर (हिंस)। राजस्थान के देशनोक में बुधवार देररात एक तेज रफ्तार ट्रक पास चल रही कार पर पलट गया। कार में सवार छह लोगों की मौत हो गई। मृतकों में चार भाई शामिल हैं। सभी लोग शादी समारोह से लौट रहे थे। हादसे के बाद करीब आधा घंटे तक पीड़ित ट्रक के नीचे ही दबे रहे।पुलिस के अनुसार करणी मंदिर के पास रेलवे क्रासिंग पर बने पुल पर यह हादसा हुआ। नोखा से बीकानेर की ओर आ रहा ट्रक असंतुलित होकर नोखा की ओर जा रही कार पर पलट गया। कार पूरी तरह से सड़क पर पिचक गई। इस कार में छह लोग थे। हादसे के आधे घंटे बाद तक सभी लोग ट्रक के नीचे दबे रहे। जेसीबी की मदद से ट्रक को उठाकर सभी को बाहर निकाला गया। इनमें से चार घायलों को देशनोक सीएचसी में और दो को बीकानेर के पीबीएम हॉस्पिटल में ले जाया गया था। जहां डॉक्टर्स ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। कार सवार देशनोक में एक समारोह में शामिल होने आए थे। हादसे में नोखा के रहने वाले अशोक (45) पुत्र जगन्नाथ नाई, मूलचंद्र (45), पप्पूराम (55) पुत्र गंगाराम नाई व श्याम सुंदर (60) व द्वारका प्रसाद (45) पुत्र चेतनराम, करणीराम (50) पुत्र मोहनराम शामिल है। सभी मृतक एक ही परिवार के हैं। मूलचंद व पप्पूराम सगे भाई थे। वहीं, श्याम सुंदर व द्वारका प्रसाद भी सगे भाई थे। एक्सीडेंट के कारण ओवरब्रिज पर देररात तक जाम लगा रहा।

विधान सभा अध्यक्ष से मिले पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत

जयपुर (हिंस)। राजस्थान विधान सभा में गुरुवार को विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी से पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मुलाकात की। इस मौके पर उप मुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा, संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, सरकारी मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग, प्रतिपक्ष के मुख्य सचेतक रफीक खान, विधायक राजेन्द्र पारीक सहित अन्य विधायक मौजूद रहें।

पंजाब पुलिस ने शंभू और खनौरी बॉर्डर खाली कराया

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब पुलिस ने करीब 12 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद राज्य के शंभू और खनौरी बॉर्डर को खाली करवा लिया। रातभर जेबीसी की मदद से बॉर्डर पर पंजाब की तरफ किए गए किसानों के पक्के निर्माणों को गिरा दिया। आज सुबह पटियाला रेंज के आईजी मनदीप सिंह सिद्धू और पटियाला के एसएसपी नानक सिंह ने दोनों बॉर्डर का दौरा करके स्थिति का जायजा लिया। केंद्र सरकार के साथ चंडीगढ़ में हुई सातवीं वार्ता के बाद किसान मजदूर मोर्चा के संयोजक सरवण सिंह पंधेर और संयुक्त किसान मोर्चा (गैर राजनीतिक) के जगजीत सिंह डल्लेवाल समेत लगभग 200 किसान नेताओं को अलग-अलग स्थानों से हिरासत में लेने के बाद पुलिस ने बॉर्डर खाली कराने का अभियान शुरू किया था। जगजीत सिंह डल्लेवाल को बुधवार रात जालंधर के एक अस्पताल ले जाया गया। आज सुबह उन्हें रेस्ट हाउस में शिफ्ट किया गया। इस बीच आज सुबह हरियाणा सरकार ने भी अपने क्षेत्र में बनी बैरीकेडिंग को हटाने का काम शुरू कर दिया है। चार किलोमीटर पहले ही पुलिस ने नाके लगाकर लोगों की एंट्री पर रोक लगा दी है।

बजट सत्र : सदन में मोबाइल फोन के उपयोग से भड़के मुख्यमंत्री

पटना (हिंस)। बिहार विधानसभा में गुरुवार को सदस्यों के मोबाइल उपयोग करने पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गहरी आपत्ति जताई। सदन में प्रश्नकाल के दौरान कुमार कृष्ण मोहन उर्फ सुदय यादव द्वारा सदन में मोबाइल लेकर सवाल किया जा रहा था। इसी बीच सीएम नीतीश ने मोबाइल लेकर सदन में आने पर गहरी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि पहले से यह प्रतिबंधित है। उन्होंने स्पीकर नंद किशोर यादव से अनुरोध किया कि जो भी मोबाइल लेकर के आएगा उसे सदन से बाहर निकाल दिया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले हम खूब देखते थे। 2019 में हम जाने गड़बड़ होने वाला है तो हम छोड़ दिए। मोबाइल लेकर के सदन में आना पहले से प्रतिबंधित किया हुआ है, इसके बाद भी कई लोग इसे लेकर बोल रहे हैं। उन्होंने मोबाइल देखकर सदन में बोलने वालों को कहा कि ई कउची मोबइलबा लेकर खड़े हो, बात अपनी तरफ से बोलो। उन्होंने कहा कि यही हाल रहा तो 10 साल में धरती खत्म हो जायेगी। इसके पहले सदन की कार्यवाही शुरू होने के पहले विपक्षी सदस्यों ने कई मुद्दों को लेकर प्रदर्शन किया। राजद के विधायकों ने पोर्टिको में प्रदर्शन किया। वे पीडीएस दुकानदारों का मानदेय बढ़ाकर 25, 000 करने की मांग को लेकर प्रदर्शन किए।

पृष्ठ एक का शेष

असम में पिछले पांच वर्षों ...

पर कथित तौर पर पत्थरबाजी की, कई पुलिस वाहनों को क्षतिग्रस्त कर दिया और तोड़फोड़ की। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि उन पर लाठियों और अन्य खतरनाक वस्तुओं से भी हमला किया गया। उनके अनुसार, अर्धसैनिक बल और पुलिस कर्मियों ने स्थिति पर नियंत्रण पाने के लिए गोलीबारी की। सूत्रों के अनुसार, अतिक्रमण विरोधी अभियान के पहले तीन दिनों के दौरान सुरक्षा व्यवस्था न के बराबर थी। असम पुलिस ने एक बयान में कहा कि 248 बीघा (155 एकड़) सरकारी भूमि और जनजातीय क्षेत्र में अनाधिकृत व्यक्तियों द्वारा बनाई गई 237 अवैध इमारतों को हटा दिया गया है। सितंबर 2021 में असम के गोरुखुटी गांव में अतिक्रमण विरोधी अभियान के दौरान कथित अतिक्रमणकारियों और पुलिस के बीच झड़प में दो लोगों की मौत हो गई और 15 पुलिसकर्मी घायल हो गए।

मणिपुर पुलिस ने सात...

अधिकारियों ने एक एम-20 पिस्तौल, विभिन्न कैलिबर के गोला-बारूद, और संचार उपकरण जैसे तीन बाओफेंग वायरलेस सेट बरामद किए। पुलिस के मुताबिक एक अन्य ऑपरेशन में बिष्णुपुर जिले की पुलिस ने सलाम बृजन सिंह को गिरफ्तार किया, जो सोशलिस्ट रिवोल्यूशनरी पार्टी (एसओआरआपीए), कांगलेइपाक का सक्रिय सदस्य है। सिंह, जो पहले केसीपी (ताइबांगनबा) से जुड़ा हुआ था, को कुंबी पुलिस स्टेशन के अंतर्गत सन्दांगखोंग क्षेत्र में गिरफ्तार किया गया। अधिकारियों ने बताया कि वह सरकारी अधिकारियों से उगाही और धमकाने में शामिल था। उससे एसओआरआपीए के आठ मांग पत्र और बिष्णुपुर जिले के 38 स्कूलों के नामों की एक सूची भी बरामद की गई। पुलिस ने बताया कि सबसे सबसे महत्वपूर्ण बरामदगी तैंग्नोपॉल जिले के बॉर्डर पिलर 76 के पास एक ऑपरेशन से हुई, जहां सुरक्षा बलों ने दो उग्रवादियों लैश्राम तोंबा सिंह जो पीआरईपीएके (पीआरओ) से है और युमनाम रोशन मैतेई जो केवाईकेएल से जुड़ा, को गिरफ्तार किया। इस ऑपरेशन में एक लाइट मशीन गन, एक एक-56 राइफल, 300 से अधिक गोलियां, संचार उपकरण और सैन्य गियर सहित एक बड़ा हथियारों का जखीरा बरामद किया गया।

मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत ...

रोजगार, भूमि विवाद, सामाजिक कल्याण योजनाओं और बुनियादी ढांचे से जुड़ी समस्याओं को उठाया। उन्होंने सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं में आ रही दिक्कतों की भी जानकारी दी। डॉ. शर्मा ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे इन मामलों की प्राथमिकता के आधार पर जांच करें और शीघ्र समाधान निकालें। मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से बताया गया कि जनता की समस्याओं का समाधान करने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है और इस तरह के संवाद कार्यक्रम आगे भी जारी रहेंगे।

विरोध के बाद भाजपा ...

स्थापना दिवस कार्यक्रम रद्द कर दिया गया है। हालांकि, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इस तरह के राज्य स्थापना दिवस समारोह राष्ट्रीय एकता और सद्भाव को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि जिस तरह असम में 2 दिसंबर को हर साल मनाया जाने वाला असम दिवस अन्य राज्यों द्वारा गर्मजोशी से मनाया जाता है, उसी तरह असम में बिहार के स्थापना दिवस का जश्न भी समान सम्मान और स्वीकृति का हकदार है। उन्होंने लोगों से इस अवसर को राजनीतिक दृष्टिकोण के बजाय सांस्कृतिक दृष्टिकोण से देखने का आग्रह किया। सैकिया ने बिहार की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत पर भी प्रकाश डाला, जिसमें बोधगया के 500 साल पुराने आध्यात्मिक महत्व और प्रतिष्ठित नालंदा विश्वविद्यालय का उल्लेख किया गया, जिसने कभी 70 विषयों में 10,000 से अधिक छात्रों को शिक्षित किया था। उन्होंने जोर देकर कहा कि बिहार, असम और अन्य भारतीय राज्यों के बीच ये ऐतिहासिक संबंध अतीत में भी मौजूद रहे हैं, वर्तमान में भी जारी हैं और भविष्य में भी बने रहेंगे। परेश बरुआ के नेतृत्व वाले अल्फा (स्वतंत्र) ने एक बयान में आरोप लगाया कि भाजपा विधायक सुरेन फुकन और संजय किशन सहित कुछ व्यक्तियों के संरक्षण में तिनसुकिया में बिहार दिवस मनाने की तैयारी चल रही थी। अल्फा ने कहा कि यह स्वदेशी लोगों की संस्कृति, विरासत और गौरव पर हमला है। संगठन ने आगे कहा कि अल्फा (इंडीपेन्डेंट) स्वदेशी भूमि पर बिहार दिवस मनाने का विरोध करता है। हम स्थानीय और बाहरी सभी संबंधित पक्षों से इस कार्यक्रम को तत्काल रद्द करने की मांग करते हैं। यदि इस निर्देश की अनदेखी की गई और कार्यक्रम जारी रहा, तो परिणाम भयंकर होंगे। किसी भी दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति के लिए जिम्मेदारी पूरी तरह से आयोजकों और उनके समर्थकों की होगी। विपक्षी पार्टी रायजोर दल ने भी इस कदम का विरोध किया और इसे भाजपा की वोट बैंक की राजनीति से जोड़ा। रायजोर दल के प्रमुख और विधायक अखिल गोगोई ने कहा कि हम असम में बिहार दिवस मनाने के भाजपा और उसकी सरकार के फैसले का विरोध करते हैं। यहां बिहार दिवस मनाने का कोई औचित्य नहीं है। हमने कभी बिहार को असम दिवस मनाते नहीं देखा। हालांकि, असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने इस आयोजन का विरोध करने वालों की आलोचना की। शर्मा ने कहा कि कई लोगों ने पूछा है कि क्या असम दिवस असम के बाहर भी मनाया जाता है। मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि आज कई राज्यों में इसे मनाया जाता है। उत्तर प्रदेश, बिहार, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और गुजरात अपने राज्यपालों की मौजूदगी में असम दिवस मनाते हैं। अगर बिहार असम दिवस मनाता है और हम बिहार दिवस मनाते हैं, तो इससे आपसी समझ और मजबूत होगी। इसलिए, इस मुद्दे का राजनीतिकरण करने का कोई मतलब नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि इस तरह की मानसिकता ने लंबे समय से उद्योगों को असम में निवेश करने से हतोत्साहित किया है। उन्होंने सवाल किया कि अगर यह संदेश जाता है कि असम बिहारियों, मारवाड़ियों, गुजरातियों और तमिलों के खिलाफ है, तो असम के युवाओं को राज्य के बाहर नौकरी के अवसर कैसे मिलेंगे ?

अब से गुवाहाटी में ...

को लेकर भी कैबिनेट में बड़े निर्णय लिए गए। मेडिकल और इंजीनियरिंग कॉलेजों में कई सुविधाएं बढ़ाई जाएंगी। अरुणाचल में बसे मोरान समुदाय को असम में आरक्षण का लाभ भी मिलेगा। एनएचएम कर्मचारियों व नर्सों के लिए विशेष फैसला कैबिनेट में लिया गया। सरकारी नियुक्तियों में आयु सीमा खत्म होगी, जिससे एनएचएम के कर्मचारी भी स्वास्थ्य विभाग की परीक्षाओं में बैठ सकेंगे। कैबिनेट में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि ग्वालपाड़ा सिविल अस्पताल का नामकरण शहीद निधनूर राम राजवंशी के नाम पर रखा जाएगा। इसके साथ 31 मार्च से राज्य के सभी वेलनेस सेंटर्स में नियमित स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाने का निर्णय लिया गया है।

असम-नगालैंड सीमा ...

टिप्पणी करने से परहेज किया और कहा कि जांच पूरी होने के बाद प्रेस को सूचित किया जाएगा। हाल के महीनों में इस क्षेत्र में सीमा पर तनाव बढ़ गया है। 4 फरवरी को, कथित नगा बदमाशों द्वारा मरियानी के मगराई इलाके में गोलीबारी किए जाने के बाद स्थिति और बिगड़ गई, जिससे स्थानीय लोगों में भय फैल गया और पुलिस को हस्तक्षेप कर जांच करनी पड़ी। कुछ दिन पहले ही, 31 जनवरी को, गभोरू हिल्स पर भी इसी तरह की गोलीबारी की घटना हुई थी। सूचना मिलने पर, वन अधिकारियों ने रात भर तलाशी ली, लेकिन कोई सबूत नहीं मिला, जिसके बाद अगली सुबह फिर से तलाशी ली गई। 12 मार्च को चल रहे बजट सत्र के दौरान दशकों पुराने असम-नगालैंड सीमा विवाद पर चर्चा हुई। कांग्रेस विधायक के सवाल का जवाब देते हुए सीमा सुरक्षा एवं विकास मंत्री अतुल बोरा ने सदन को बताया कि असम का चार राज्यों के साथ 17,312.8 वर्ग मीटर भूमि पर सीमा विवाद है। उन्होंने कहा कि इसमें से सबसे बड़ा दावा नगालैंड का है - 12,882.66 वर्ग मीटर।

जब से हमारी सरकार...

की गई है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं में भी काफी सुधार किया गया। पहले प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में इलाज के लिए प्रति माह 39 मरीज की आते थे, यानि प्रतिदिन 1 या 2 मरीज ही आते थे। वर्ष 2006 से अस्पतालों में मुफ्त दवा एवं इलाज की पूरी व्यवस्था की गई है। अब प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में हर महीने 11 हजार से अधिक मरीज आते हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में बड़ी संख्या में सड़कों, पुल-पुलियों तथा एलिवेटेड रोड का निर्माण कराया गया है। साथ ही हर घर बिजली सुनिश्चित की गई है। स्थानीय निकायों के सशक्तीकरण के लिए कई कार्य किए गए हैं। वर्ष 2006 में पंचायती राज संस्थाओं एवं वर्ष 2007 में नगर निकायों में महिलाओं के लिए 50 प्रतिशत आरक्षण से शुरूआत की गई। पंचायतों में पंचायत सरकार भवन बनाने का काम किया गया है। पहले बिहार में स्वयं सहायता समूह की संख्या बहुत कम थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2005 में राज्य का बजट मात्र 30 हजार करोड़ रुपए था। उसके बाद हर वर्ष सरकार के द्वारा काफी काम किया गया है, जिससे बजट का आकार लगातार बढ़ा है। इस वर्ष राज्य का बजट बढ़कर 3 लाख 17 हजार करोड़ रुपए हो गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी बातों को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार द्वारा अपनी जरूरतों के संबंध में एक मेमोरेण्डम भी तैयार किया गया है, जिसका प्रस्तुतीकरण आज आयोग के समक्ष किया जायेगा। मुझे विश्वास है कि आयोग के द्वारा इन सभी बिंदुओं पर गंभीरतापूर्वक विचार किया जायेगा। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने 16वें वित्त आयोग के अध्यक्ष डॉ अरविंद पनगढ़िया सहित अन्य सदस्यों को अंगवस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में 18वें वित्त आयोग द्वारा तैयार मेमोरेंडम का मुख्यमंत्री ने अनावरण किया। कार्यक्रम को उप मुख्यमंत्री सम्म्राट चौधरी, 16वें वित्त आयोग के अध्यक्ष डॉ अरविंद पनगढ़िया एवं मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा ने भी संबोधित किया।

नागपुर हिंसा : फहीम खान...

इस हमले का समर्थन करते हुए कुछ टिप्पणियां की गई, जिससे दंगे और भड़के। ऐसी टिप्पणियां करने वाले लोगों के खिलाफ देशद्रोह का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि नागपुर में भड़के दंगों के सिलसिले में 300 से ज्यादा सोशल मीडिया अकाउंट की जांच की गई है। इनमें से 140 अकाउंट में आपत्तिजनक पोस्ट और वीडियो पाए गए हैं। इन सभी के खिलाफ मामला दर्ज करने की प्रक्रिया चल रही है। लोहित मतानी के अनुसार फहीम खान ने औरंगजेब के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के वीडियो को संपादित और प्रसारित किया, जिसके कारण दंगे फैले। डीसीपी ने बताया कि आपत्तिजनक सामग्री नागपुर के बाहर के अकाउंट से प्रसारित की गई थी। इनमें कुछ पोस्ट के जरिए दंगों के लिए समर्थन जताया गया है। इन सभी अकाउंट की जांच की जा रही है और यह भी देखा जा रहा है कि ये अकाउंट देश के बाहर के हैं या नहीं। इसके साथ ही मुख्य आरोपी फहीम खान के सोशल मीडिया अकाउंट की भी जांच की गई है। उसके अकाउंट पर भी आपत्तिजनक सामग्री पाई गई है और साइबर विभाग ने इस संबंध में भी मामला दर्ज किया है। डीसीपी के अनुसार नागपुर दंगों के मामले में अब तक चार एफआईआर ऐसी दर्ज की गई हैं, जिनमें 50 से अधिक आरोप हैं। अभी और भी एफआईआर दर्ज की जाएंगी। पुलिस नागपुर हिंसा में बांग्लादेश का हाथ होने की जांच भी कर रही है। इससे पहले, महाराष्ट्र राज्य साइबर विभाग के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक के कार्यालय ने बुधवार रात को जारी एक मीडिया विज्ञप्ति में कहा गया है कि फेसबुक, इंस्टाग्राम, ट्विटर और यूट्यूब पर आपत्तिजनक सामग्री के 140 से अधिक मामलों की पहचान की गई है। इन खातों को संचालित करने वाले व्यक्तियों की वास्तविक पहचान को उजागर करने के लिए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस), 2023 की धारा 94 के तहत नोटिस जारी किए गए हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी भड़काऊ सामग्री फैलाने के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। गुरुवार को नागपुर के कलेक्टर विपिन इटनकर ने पत्रकारों को बताया कि क्षेत्र में सामान्य स्थिति बहाल हो गई है लेकिन शहर के कुछ हिस्सों में कर्फ्यू अभी भी जारी है। सरकार वर्तमान में नागरिक संपत्ति को हुए नुकसान का आकलन कर रही है और प्रभावित लोगों को मुआवजा प्रदान करेगी। प्रारंभिक आकलन के अनुसार, 50-60 दोपहिया वाहन, 10-15 चार पहिया वाहन, क्रेन और 5-10 घर क्षतिग्रस्त हुए हैं। पंचनामे की एक टीम काम पर लगी हुई है। अलीगढ़ (उत्तर प्रदेश) के एक मुस्लिम धर्मगुरु ने महिला कांस्टेबल से छेड़छाड़ करने वाले अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। मुस्लिम धर्मगुरु चौधरी इफराहीम हुसैन ने गुरुवार को तीन दिन पहले हुई नागपुर हिंसा के दौरान महिला पुलिसकर्मी के साथ कथित छेड़छाड़ की निंदा की और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। हुसैन ने कहा कि नागपुर हिंसा के सिलसिले में महिला पुलिसकर्मियों से छेड़छाड़ का मामला बहुत ही अफसोसजनक और शर्मनाक है। महिला पुलिसकर्मी देश की सेवा कर रही हैं और लोगों के हित में काम कर रही हैं। ऐसे में अपराधी उनके साथ छेड़छाड़ कर रहे हैं, मैं उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करता हूं।

अल्फा ने रोंगाली ...

कि हिंदी गाने बिहू परंपराओं से संबंधित नहीं हैं और इस निर्देश का अनुपालन करने का आग्रह किया। मालूम हो कि रोंगाली बिहू (वसंत उत्सव) अप्रैल में मनाया जाता है। बोहाग असमिया कैलेंडर का पहला महीना है और बोहाग बिहू नए असमिया कैलेंडर वर्ष की शुरुआत का प्रतीक है।

भारत को विकसित ...

पशुपालकों को इन योजनाओं का लाभ लेने को कहा। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधे लगाने, प्रकृति खेती अपनाने आदि संबंध में भी बात की। इससे पूर्व प्रधानमंत्री ने प्रयागराज में हुए महाकुंभ का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि ऐतिहासिक महाकुंभ के पुण्य अवसर पर महंत रामबापु को महामंडलेश्वर की पदवी मिलना हम सभी के लिए गौरव की बात है। पिछले एक सप्ताह से भावनगर की यह धरती मानो भगवान श्रीकृष्ण की वृंदावन बन गई है। भाईजी की भागवत कथा ने इसमें सोना में सुगंध पैदा कर दिया। पूरा वातावरण भगवान श्रीकृष्ण के रस से सराबोर हो गया। बावलिया का धाम एक धार्मिक स्थान नहीं है बल्कि भरवाड समाज समेत अनेकों के लिए यह आस्था, संस्कृति और एकता की प्रतीक भूमि भी है। नगा लाखा ठाकर की कृपा से यह पवित्र स्थान हमेशा सच्ची दिशा, उत्तम प्रेरणा का विरासत मिला है। इस धाम में नगा लाखा ठाकर की पुन:प्राण-प्रतिष्ठा अनमोल अवसर पैदा करता है। प्रधानमंत्री ने धंधुका आदि क्षेत्रों में पानी की कमी का उल्लेख कर इसु बापु के सेवा कार्य का उल्लेख किया। मोदी ने कहा कि भरवाड समाज परिश्रम, त्याग में हमेशा आगे रहा है। प्रकृति व संस्कृति का संरक्षक है। उन्होंने कहा कि अब समाज को लकड़ी का नहीं, कलम का समाज बनाना है। नई पीढ़ी अब शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है। बेटियों के हाथ में कम्प्यूटर होना चाहिए। उन्होंने कहा कि भरवाड समाज के लोग वृद्धाश्रम में नहीं जाते हैं। संयुक्त परिवार की प्रथा के कारण यह बुजुर्गों की सेवा को अपना नैतिक मूल्य समझता है, नई पीढ़ी भी इसे बखूबी निभा रही है। मोदी ने कहा कि अभी का समय समाज को आधुनिकता के साथ जोड़ने, देश और दुनिया के साथ जोड़ने का है। बेटियों को खेलकूद में आगे लाने का प्रयास होना चाहिए। पशुपालन का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ लें। मोदी ने कहा कि गिर गाय के लिए सरकार की चिंता करने का असर है कि दुनिया भर में इसे सराहना मिली है।

पिछले एक माह ...

हालांकि एक मतदाता केवल निर्दिष्ट मतदान केंद्र में ही मतदान कर सकता है और कहीं और नहीं, आयोग ने ईपीआईसी नंबरों में देश भर में डुप्लिकेट को हटाने और 3 महीने के भीतर दशकों से चली आ रही समस्या को समाप्त करने का संकल्प लिया है। मतदाता सूची को नियमित रूप से अपडेट करने के लिए जन्म और मृत्यु पंजीकरण अधिकारियों के साथ समन्वय को मजबूत किया जाएगा। आयोग की राजनीतिक दलों के साथ बातचीत में यह स्पष्ट किया गया कि ड्राफ्ट निर्वाचक सूची में किसी भी समावेश या विलोपन को दावे और आपत्तियों के कानूनी प्रावधानों के तहत तय किया जाता है, जो 1950 के प्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत सभी राजनीतिक दलों के लिए उपलब्ध हैं। ऐसी अपीलों के अभाव में, ईआरओ द्वारा तैयार की गई सूची ही लागू मानी जाएगी। उल्लेखनीय है कि 7 मार्च, 2025 को चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया था कि 6-10 जनवरी, 2025 तक विशेष सारांश संशोधन (एसएसआर) अभ्यास पूरा होने के बाद केवल 89 प्रथम अपील और केवल एकमात्र द्वितीय अपील दायर की गई थी। आयोग का कहना है कि सभी पात्र नागरिकों का 100 प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित करना, मतदान में आसानी सुनिश्चित करना और सुखद मतदान अनुभव सुनिश्चित करना चुनाव आयोग के प्रमुख उद्देश्य हैं। यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए जाएंगे कि कोई भी मतदान केंद्र 1,200 से अधिक मतदाताओं का न हो और वे मतदाताओं के 2 किमी के भीतर हों। यहां तक कि सबसे दूरस्थ ग्रामीण मतदान केंद्रों पर भी बुनियादी सुविधाएं (एएमएफ) सुनिश्चित की जाएंगी। शहरी निष्क्रियता को दूर करने और अधिक भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए, ऊंची-ऊंची इमारतों और कॉलोनियों के समूहों में भी उनके परिसर में मतदान केंद्र होंगे। विज्ञप्ति में आगे कहा गया है कि लगभग 1 करोड़ चुनाव कर्मियों की व्यापक और निरंतर क्षमता निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, 4 और 5 मार्च को नई दिल्ली में आईआईआईडीईएम में सभी राज्य/संघ राज्य क्षेत्र के सीईओ का दो दिवसीय सम्मेलन आयोजित किया गया, जिसमें पहली बार प्रत्येक राज्य/संघ राज्य क्षेत्र के डीईओएस और ईआरओएस ने भाग लिया। सम्मेलन ने संविधान, चुनावी कानूनों और ईसीआई द्वारा जारी दिशा-निर्देशों द्वारा निर्धारित रूपरेखा के अनुसार 28 हितधारकों की स्पष्ट मैपिंग के साथ-साथ उनकी जिम्मेदारियों के साथ-साथ पूरे चुनाव तंत्र को सक्रिय करने पर जोर दिया। निर्देशों के लिए चुनावी पुस्तिकाओं और मैनुअल को सबसे हालिया बदलावों के साथ सुसंगत बनाया जाएगा। विभिन्न भारतीय भाषाओं में डिजिटल प्रशिक्षण किट तैयार की जाएगी ताकि प्राथमिक कार्यकर्ताओं को प्रभावी प्रशिक्षण दिया जा सके। एनिमेटेड वीडियो और एकीकृत डैशबोर्ड प्रशिक्षण को डिजिटल रूप से बढ़ावा देंगे। एक प्रशिक्षण मॉड्यूल तैयार किया जा रहा है ताकि बीएलओ को आगामी दिनों में प्रशिक्षित किया जा सके। आयोग का कहना है कि चुनाव प्रक्रिया के सभी पहलुओं में राजनीतिक दलों की पूर्ण भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए, 4 मार्च को सीईओ सम्मेलन के दौरान सीईसी ज्ञानेश कुमार ने निर्देश दिया था कि सभी 36 सीईओ, 788 डीईओ, 4123 ईआरओ द्वारा नियमित रूप से सर्वदलीय बैठकें और बातचीत की जाए। देश भर में ऐसी बैठकें राजनीतिक दलों द्वारा जमीनी स्तर पर उठाए गए किसी भी लंबित और आकस्मिक मुद्दों को हल करने में मदद करेंगी। यह प्रक्रिया 31 मार्च, 2025 तक पूरे भारत में पूरी हो जाएगी। राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों और उनके नियुक्त बीएलए को मतदाता सूची में दावे और आपत्तियों सहित चुनावी कानूनों के अनुसार उचित प्रक्रियाओं पर प्रशिक्षित करने के आयोग के प्रस्ताव का राजनीतिक दलों ने स्वागत किया है। ईसीआई ने सभी राजनीतिक दलों से चुनाव के संचालन से संबंधित किसी भी और सभी मामलों पर सुझाव भी आमंत्रित किए हैं और वे इन्हें 30 अप्रैल, 2025 तक भेज सकते हैं। ये साहसिक और दूरदर्शी पहलें चुनावों की पूरी प्रक्रिया को कवर करती हैं और सभी प्रमुख हितधारकों को एक सहभागिता की भावना के साथ शामिल करती हैं।

भाजपा ने अपने लोस ...

मौकों पर ही इसे लागू किया जाता है। विधायी भाषा में गिलोटिन का मतलब है वित्तीय कामकाज को एक साथ लाना और तेजी से विधेयक पारित करना। बजट सत्र के दौरान लोकसभा में यह एक आम प्रक्रियात्मक अभ्यास है। एक बार गिलोटिन लागू हो जाने के बाद अनुदान की शेष मांगों पर बिना किसी चर्चा के मतदान कर दिया जाता है। इससे यह सुनिश्चित होता है कि बजट निर्धारित समय के भीतर पारित हो जाए और सरकार बिना किसी देरी के अपना कार्य जारी रख सके।

असम कैबिनेट ने नई यूरिया परियोजना को मंजूरी के लिए प्रधानमंत्री को दिया धन्यवाद

गुवाहाटी (हिंस)। असम कैबिनेट ने नई यूरिया परियोजना को मंजूरी देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद ज्ञापित किया है। असम कैबिनेट की गुरुवार को डिब्रूगढ़ में हुई बैठक के दौरान यह धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया गया। कैबिनेट की बैठक के बाद मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने संवाददाता सम्मेलन के दौरान इसकी जानकारी दी। इसके अलावा भी आज कैबिनेट की बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। उल्लेखनीय है कि *नामरूप चतुर्थ यूरिया परियोजना* को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कैबिनेट ने मंजूरी दी। केंद्रीय कैबिनेट द्वारा मंजूर की गई 12.7 लाख मीट्रिक टन क्षमता वाली नई ब्राइनफिल्ड अमोनिया यूरिया परियोजना की अनुमानित लागत 10, 601.40 करोड़ रुपए होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि असम के औद्योगिक और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए इस परियोजना को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने पूर्वोत्तर के विकास के लिए यह महत्वपूर्ण फैसला लिया।

पूसी रेलवे के पीसीईई ने सफलतापूर्वक वैधानिक निरीक्षण पूरा किया

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (पूसी रेलवे) के प्रधान मुख्य बिजली इंजीनियर (पीसीईई) ने 17 से 19 मार्च तक ढेकीयाजुली रोड-उत्तर लखिमपुर, रंगापाड़ा नॉर्थ-डेकारगांव, बालिपारा-भालुकपोंग और हारमती-नाहरलगुन सहित प्रमुख सेक्शनों का व्यापक वैधानिक निरीक्षण किया। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी कपिलजल किशोर शर्मा ने बताया कि इस निरीक्षण में कुल 264.35 रूट किलोमीटर (आरकेएम) और 338.3 ट्रैक किलोमीटर (टीकेएम) शामिल थे, जो कार्बन उत्सर्जन को कम करने और ऊर्जा दक्षता में सुधार करने में पूसी रेलवे की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। इसके बाद, अधिकतम अनुमेय सेक्शनल स्पीड पर एक इलेक्ट्रिक इंजन का ट्रॉयल सफलतापूर्वक किया गया, जिससे बेहतर परिचालन के लिए आधारभूत संरचना की तत्परता की पुष्टि हुई। परियोजना की मुख्य विशेषताओं में सुदृढ़ बिजली आपूर्ति संस्थापन शामिल हैं, जो बालिपारा और गहपुर में ट्रैक्शन सबस्टेशनों से एक स्थायी ऊर्जा स्रोत सुनिश्चित करते हैं। संरक्षा संवर्द्धन भी शामिल किए गए हैं, जो अब 130 समपार फाटकों पर ओवरहेड इक्विपमेंट (ओएचई) की सुरक्षा के लिए ऊंचाई गेज लगाए गए हैं। इसके अतिरिक्त, सिग्नलिंग और दूरसंचार प्रणालियों को अपग्रेड किया गया है, जिसमें सभी स्टेशनों और स्विचिंग स्टेशनों में अब टीपीसी संचार प्रणाली है। बिश्वनाथ चारआली में दो ओएचई सह पीएसआई अनुरक्षण डिपो और एक टावर वैगन शेड के साथ अनुरक्षण सुविधाओं को मजबूत किया गया है, जिससे सुचारू संचालन सुनिश्चित होता है। 20 मार्च तक पूसी रेलवे ने 3360 रूट किलोमीटर (आरकेएम) का बिजलीकरण किया है, जो इसके कुल नेटवर्क 4260 आरकेएम का 79 फीसदी से अधिक है। यह उल्लेखनीय प्रगति भारतीय रेलवे के 100 फीसदी बिजलीकरण और नेट-जीरो कार्बन उत्सर्जन को प्राप्त करने के मिशन के अनुरूप है। बिजलीकरण कार्य विभिन्न मंडलों में किए जा रहे हैं, जिनमें असम 1806 आरकेएम के साथ सबसे आगे है, उसके बाद पश्चिम बंगाल में 936 आरकेएम, बिहार में 319 आरकेएम, त्रिपुरा में 269 आरकेएम और अरूणाचल प्रदेश में 11 आरकेएम हैं। बीते वित्त वर्ष 2023-24 में 921 आरकेएम विद्युतीकृत और वर्तमान वित्त वर्ष 2024-25 (20 मार्च तक) में 777 आरकेएम विद्युतीकृत हुआ है। इस बिजलीकरण पहल से कई प्रकार के लाभ होने की उम्मीद है, जिसमें जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता में कमी, कार्बन उत्सर्जन कम होना और ट्रेन परिचालन में बेहतर दक्षता शामिल है। इन संवर्द्धनों को लागू करके, पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे आधुनिक, टिकाऊ रेलवे परिवहन की दिशा में एक बड़ा कदम उठा रहा है, जिससे एक हरित और अधिक कुशल रेल नेटवर्क के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत किया है।

राभा हाजोंग परिषद चुनाव के लिए प्रत्याशियों की घोषणा

Election Schedule for Rabha Hasong Autonomous Council, 2025

Election Schedule		
Sl. NO	Programme	Date
1	Last date for filing Nominations	15/03/2025 (11 AM to 3 PM)
2	Scrutiny of Nomination papers	17/03/2025 (at 11 AM)
3	Publication of the list of validly nominated candidates	17/03/2025 (after scrutiny)
4	Withdrawal of candidature	19/03/2025 (upto 3 PM)
5	Publication of list of contesting candidates	19/03/2025 (after withdrawal)
6	Date and Time of Poll	03/04/2025 (7 AM to 3 PM)
7	Date and Time of Re-Poll (if any)	03/04/2025 (7 AM to 3 PM)
8	Date of Counting	04/04/2025 (from 8 AM till completion of the counting process)
9	Declaration of Result	04/04/2025

गुवाहाटी (हिंस)। राभा हाजोंग स्वायत्तशासी परिषद चुनाव के लिए कामरूप जिले के 16 परिषदों से चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशियों के नाम घोषित कर दिए गए हैं। हाहिम और खलिहाकोठ परिषद में किसी प्रतिद्वंद्वी के नहीं होने के कारण वहां के उम्मीदवारों ने निर्विरोध जीत हासिल की है। चुनावी प्रक्रिया के तहत 05 प्रत्याशियों ने अपने नामांकन पत्र वापस ले लिए हैं। राभा हाजोंग परिषद का यह चुनाव काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है, जिसमें विभिन्न दलों और स्वतंत्र उम्मीदवारों ने भाग लिया है। उल्लेखनीय है कि यहां 03 अप्रैल को मतदान होना है।

हेरोइन की तस्करी के आरोप में तीन गिरफ्तार

सिलचर (हिंस)। कछार पुलिस ने हेरोइन की तस्करी के आरोप में तीन युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके पास से 80 ग्राम हेरोइन बरामद करने के साथ ही एक वाहन जब्त किया है। विश्वसनीय सूचना के आधार पर कछार पुलिस ने गुरुवार तड़के एनएच-306 पर एक महिंद्रा स्कॉर्पियो को रोक कर तलाशी ली। गया। जांच के दौरान वाहन की पिछली सीट की चटाई के नीचे छुपाई गई पांच प्लास्टिक साबुन के डिब्बों में करीब 80 ग्राम हेरोइन बरामद की गई। पुलिस ने ड्रग डिटेक्शन किट से हेरोइन होने की पुष्टि की। इसके बाद पुलिस ने रमेश चंद्र विश्वास (34), सहीदुल इस्लाम (26) तथा इबादुर रहमान (28) को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बरामद नशीले पदार्थों को जब्त कर लिया। इसके अलावा आरोपियों से मिले चार मोबाइल फोन और वाहन को भी सीज कर दिया गया है। बरामद नशीले पदार्थों की कीमत काले बाजार में लगभग 50 लाख रुपए आंकी गई है। मामले की आगे की जांच जारी है।

चिरांग में सरकारी मान्यता प्राप्त पत्रकारों को मुख्यमंत्री अभिवादन उपहार वितरित

बिजनी। चिरांग जिला उपायुक्त कार्यालय के तत्वावधान में आज सरकारी मान्यता प्राप्त पत्रकारों के लिए मुख्यमंत्री अभिवादन उपहार वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता चिरांग जिला आयुक्त जतिन बोरा ने की, जिन्होंने जिले के पत्रकारों को मुख्यमंत्री द्वारा भेजे गए विशेष उपहार बैग प्रदान किए। इस कार्यक्रम में अतिरिक्त जिला आयुक्त अरुप कुमार चौधूरी और चिरांग जिला सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के कार्यवाई अधिकारी कोमल दौले भी उपस्थित थी। कार्यक्रम का उद्देश्य पत्रकारों के योगदान को सम्मानित करना और प्रशासन तथा मीडिया के बीच आपसी सहयोग को और मजबूत बनाना था। आयुक्त जतिन बोरा ने मुख्यमंत्री का आभार प्रकट करते हुए पत्रकारिता के महत्व पर प्रकाश डाला। और कहा कि सरकार स्वतंत्र और निष्पक्ष मीडिया को हमेशा समर्थन देने के लिए प्रतिबद्ध है। पत्रकारों ने इस सम्मान के लिए मुख्यमंत्री और जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए निष्पक्षता के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने का आश्वासन दिया।

भारी मात्रा में भूटानी मदिरा जब्त

कोकराझाड़ (विभास)। छठीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, रानीगुली के सीमा चौकी नहारानी को गुप्त सूचना मिली। उसके आधार पर स0सी0ब के जवानों ने अंतर्राष्ट्रीय भारत-भूटान सीमा स्तंभसंख्या-152 से लगभग 100 मीटर भारत की ओर सुपर मार्केट एरिया में गश्ती के दौरान अज्ञात चार साइकिल पर लादे बोरे में बंधे सामान पाया गया। जिसे एसएसबी के जवानों द्वारा साइकिल पर लदे संदिग्ध सामान को चेक करने पर देखा गया कि साइकिल पर 312 बोतल भूटानी मदिरा अलग-अलग बक्सों में बंधा पाया गया। जिसे जब्त किया गया और जब्त किए गए मदिरा सहित चारों साइकिल को लैंड कस्टम ऑफिस हातीसार, दादगिरी को अग्रिम कार्रवाई हेतू सूपुर्द कर दिया गया।

आक्रासू के लोग बताकर दलगांव में रबिदास परिवार की जमीन कब्जाने का आरोप

कोकराझाड़ (विभास)। कोकराझाड़ जिले के गोसाईगांव थाना के अंतर्गत दो नंबर दलगांव में सुखिराम रबिदास, सहदेव रबिदास, सांपत रबिदास और छोटू रबिदास के जमीन पर कब्जा करने का आरोप सामने आया है। मिली जानकारी के अनुसार आक्रासू के लोगों बताकर उनकी जमीनें कब्जा करने की आरोप है। जमीन पर मक्की की खेती की गई थी, जो बदमाशों ने पूरी तहस-नहस कर दी है। इसके अलावा बदमाशों ने चिलाराय क्लब के नाम बोर्ड भी लगाया गया है। साथ ही वॉलीवॉल का नेट लगाकर मैदान बना दिया गय है। कई पेड़-पौधों को भी नष्ट कर दिया गया है। इसकी जानकारी रबिदास परिवारों ने संवाददाता को देते हुए कहा कि उक्त तत्वों ने रात को शराब पीकर आजाते हैं और उन्हें जान से मारने की धमकी देते हैं। हालांकि इस संदर्भ में गोसाईगांव थाने में केस दायर किया गया है। वहीं पीड़ित परिवारों ने प्रशासन से न्याय की गुहार लगाई है।

रंगिया में सड़क हादसा, चालक की दर्दनाक मौत

कामरूप (हिंस/निसं)। रंगिया के बटकुची में आज एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ, जिसमें एक ट्रैक्टर चालक की मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, जवाहर नवोदय विद्यालय के पास यह भयानक दुर्घटना घटी, जब एक ट्रैक्टर असम पीडब्ल्यूडी सड़क से फिसलकर खाई में पलट गया। ट्रैक्टर पलटने से चालक उसके नीचे दब गया और उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान बिजनी के माजिदुल अली के रूप में हुई है, जो रंगिया के एक ईंट भट्ठे में कार्यरत था। इस दर्दनाक घटना से पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई है। सूचना मिलते ही रंगिया पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी।

बिजनी में विश्व मौखिक स्वास्थ्य दिवस मनाया गया

विकसित भारत समाचार

बिजनी। विश्व मौखिक स्वास्थ्य दिवस के उपलक्ष्य में, राष्ट्रीय मौखिक स्वास्थ्य कार्यक्रम (एनओएचपी) के तहत आज बिजनी उप-मंडलीय सिविल अस्पताल (एसडीसीएच) में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। असम कैंसर केयर फाउंडेशन के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य मौखिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देना और मौखिक स्वच्छता और समग्र स्वास्थ्य के बीच महत्वपूर्ण संबंध के बारे में जागरूकता बढ़ाना था। इस वर्ष के आयोजन की थीम, *एक खुश मुंह एक स्वस्थ दिमाग है,* ने अच्छी मौखिक स्वच्छता बनाए रखने और समग्र शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के बीच महत्वपूर्ण संबंध पर जोर दिया। इस कार्यक्रम में सूचनात्मक सत्र और गतिविधियां शामिल थीं, जिनका उद्देश्य लोगों को स्वस्थ जीवन जीने में मौखिक स्वास्थ्य के महत्व के बारे में शिक्षित करना था। स्वास्थ्य सेवाओं के संयुक्त निदेशक, बिजनी एसडीसीएच के उप अधीक्षक, जिला मीडिया विशेषज्ञ, जिला समन्वयक-आरबीएसके, ब्लॉक समन्वयक, और बिजनी एसडीसीएच और असम कैंसर केयर फाउंडेशन के कर्मचारियों सहित प्रमुख अधिकारियों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया, जिससे समुदाय में स्वास्थ्य परिणामों में सुधार के लिए उनकी प्रतिबद्धता मजबूत हुई।

बीटीआर 12वें बाओखुंगरी महोत्सव के लिए तैयार

विकसित भारत समाचार

कोकराझार। बोड़ोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र (बीटीआर) 12वें बाओखुंगरी महोत्सव की सफल मेजबानी के लिए व्यापक तैयारियां कर रहा है, जो 12 अप्रैल को कोकराझाड़ के बाओखुंगरी हिल में शुरू होने वाला है। व्यवस्थाओं की समीक्षा करने और कार्यक्रम के कार्यक्रम को अंतिम रूप देने के लिए आज बाओखुंगरी हिल के पास हरिनागुरी हाई स्कूल में एक तैयारी बैठक आयोजित की गई। पर्यटन के लिए बीटीसी कार्यकारी सदस्य (ईएम) डॉ. धर्म नारायण दास की अध्यक्षता में हुई बैठक में मेहमानों और प्रतिभागियों की सुविधा के लिए सावधानीपूर्वक योजना, प्रभावी प्रचार, सुरक्षा उपाय, यातायात प्रबंधन और आवश्यक सावधानियों को सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। बैठक में भाग लेते हुए बीटीसी के पर्यटन संयुक्त सचिव पामी ब्रह्मा, कोकराझाड़ नगर निगम बोर्ड की अध्यक्ष, जिला एवं पुलिस प्रशासन, वन, पर्यटन, खेल, पीडब्ल्यूडी के वरिष्ठ अधिकारियों और स्थानीय ग्रामीणों ने इस वर्ष के उत्सव को बेहतर बनाने के लिए पिछले अनुभवों के आधार पर बहुमूल्य अंतर्दृष्टि और सुझाव साझा किए। बैठक में बोलते हुए, ईएम डॉ. धर्म नारायण दास ने बाओखुंगरी हिल को *भारत का एक छिपा हुआ रत्न बताया, जो अद्वितीय प्राकृतिक सुंदरता, सांस्कृतिक समृद्धि और इतिहास और पौराणिक कथाओं से गहरा संबंध प्रदान करता है।* उन्होंने सभी को बाओखुंगरी महोत्सव का अनुभव करने के लिए आमंत्रित किया, जहां प्रकृति, विरासत और आध्यात्मिकता 12 अप्रैल से एक मंत्रमुग्ध उत्सव में मिलती है।

बंगाईगांव में तीन दिवसीय पूप्रमायुमं का 17वां प्रांतीय अधिवेशन संपन्न

बंगाईगांव। पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी युवा मंच (पूप्रमायुम) का तीन दिवसीय 17वां प्रांतीय अधिवेशन विभिन्न कार्यक्रमों के साथ बंगाईगांव शहर में मारवाड़ी युवा मंच, बंगाईगांव शाखा एवं जागृति शाखा, बंगाईगांव के आयोजकत्व संपन्न हुआ। 18 से 20 मार्च तक आयोजित इस तीन दिवसीय अधिवेशन में विभिन्न सत्रों के अलावा सांस्कृतिक संध्या एवं कवि सम्मेलन का भी आयोजन किया गया था। 18 मार्च को प्रथम दिन विषय निर्वाचनी समिति की बैठक, प्रांतीय कार्यकारिणी की बैठक, प्रांतीय सभा एवं प्रांतीय अध्यक्ष के लिए चुनाव संपन्न हुए। चुनाव अधिकारी रितेश खटेड़ की देखरेख में चुनाव की प्रक्रिया को मारवाड़ी युवा मंच के भवन में शांतिपूर्वक संपन्न कराई गई। चुनाव में कुल 421 मतदान पड़े जिसमें से लखीमपुर के राज चौधरी ने 250 मत हासिल कर प्रांतीय अध्यक्ष पद पर आसीन हुए जबकि सीलापथार के प्रदीप राठी को 170 मत मिले। अधिवेशन के द्वितीय दिन सुबह उद्घाटन एवं अलंकरण समारोह के साथ प्रेरणा सत्र का आयोजन किया गया। इस वर्ष असम की दस हस्तियों को विभिन्न पुरस्कारों से नवाजा गया जिनमें साहित्य के क्षेत्र में करुण कांत राय, रामानुज दत्त चौधरी, दामोदर प्रसाद बजाज, रामजीवन सुरेखा प्रमुख है। इसके अलावा समाज के प्रति निरंतर समाज सेवा के लिए सुरेश हरलालका, प्रेमनाथ हरलालका, स्वर्गीय राजेश मालपानी (मरणोपरांत) को समाज गौरव पुरस्कार तथा युवा बज के प्रति सेवा के लिए प्रद्युम्न जैन एवं निर्मल बैद को मंच गौरव पुरस्कार से नवाजा गया। कार्यक्रम के शुरुआत में अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन किया गया एवं मशाल प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का आगाज किया गया। जागृति शाखा, बंगाईगांव की सदस्याओं ने हृदय स्पर्शी स्वागत गीत प्रस्तुत किया। मंच पर विराजित सभी अतिथियों का स्थानीय परंपरा के अनुसार स्वागत किया गया। इसके पश्चात स्वागत अध्यक्ष प्रेमनाथ हरलालका ने अपना संबोधन समाज के सामने रखा। पूप्रमायुम के अध्यक्ष पंकज जालान ने सभागार को संबोधित किया एवं प्रांतीय महामंत्री सुभाष सुराणा ने अपना प्रतिवेदन सदन में प्रस्तुत किया। प्ररेणा सत्र में चंडीगढ़ से पधारी मोनिका सिंगल ने अपना प्रेरणादायक वक्तव्य युवाओं के सामने रखा। राष्ट्रगान के साथ सुबह के सत्र का समापन हुआ। दोपहर को सामाजिक सद्भावना सत्र नामक एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें बंगाईगांव अंचल के विभिन्न समाजों से डॉक्टर हितेश दास, अरूप कुमार मल्लिक, रंजीत बर्मन, नबो बासूमतरी आमंत्रित वक्ता के रूप में उपस्थित थे। इनके अलावा अरुण बजाज एवं अनिल जैना ने भी इस कार्यक्रम में हिस्सा लिया। सभी वक्ताओं ने समाज में किस तरह से सद्भावना बनाई रखी जा सकती है उसे पर अपने-अपने विचार व्यक्त किए। रात्रि को सांस्कृतिक कार्यक्रम, पुरस्कार वितरण एवं कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पूप्रमायुम द्वारा अधिवेशन विशेषांक युवा शक्ति नामक एक स्मारिका का भी विमोचन किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न शाखों ने अपनी-अपनी प्रस्तुति दी। बंगाईगांव के नन्हे बच्चों द्वारा मोबाइल फोन के अधिक उपयोग पर प्रस्तुति दी तथा जागृति शाखा, बंगाईगांव द्वारा स्वर्गीय प्रमोद जी सराफ पर श्रद्धांजलि स्वरुप मंचीत नाटक की सभी लोगों ने प्रशंसा की। इसके अलावा सांस्कृतिक कार्यक्रमों में दीपाली अग्रवाल के द्वारा मनमोहक मटका डांस के साथ राजस्थान की मीटी की सुगंध भी मिली। इसके बाद एक हंसी भरा कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें आमंत्रित कवियों में शंभू शिखर, अजय अटपटु, मयंक शर्मा एवं सुमित्रा सरल प्रमुख थे। वीर रस, भक्ति रस, हास्य रस एवं प्रेम रस के ऊपर कई कविताओं एवं प्रस्तुतियों से लोगों को हंसने पर मजबूर कर दिया। कार्यक्रम के अंतिम व तीसरे दिन 20 मार्च को सुबह आयोजन स्थल से एक सद्भावना रैली निकाली गई जो पूरे शहर का भरमन करते हुए वापस आयोजन स्थल तक पहुंचीं। सद्भावना रैली में विभिन्न शाखों ने अपने-अपने वेशभूषा में कतारबद्ध तरीके से चल रहे थे। मोरान शाखा की शिव दरबार की झांकी विशेष आकर्षण की केंद्र रही। इस दिन उन्मुक्त सत्र एवं प्रमोदम का आयोजन किया गया। नए अध्यक्ष राज चौधरी को शपथ दिलाई गई एवं समापन समारोह का भव्य आयोजन किया गया। आयोजक शाखा मारवाड़ी युवा मंच, बंगाईगांव शाखा एवं जागृति शाखा के सदस्यों द्वारा किए गए आत्मिय आथित्य की सभी अतिथियों ने तारीफ की। मारवाड़ी युवा मंच, बंगाईगांव शाखा एवं जागृति शाखा के अध्यक्ष एवं सचिव क्रमश: पीयूष सुराणा, संजू भंसाली, धीरज शर्मा, नीलम अग्रवाल ने सभी सदस्यों को एवं बंगाईगांव के मारवाड़ी समाज को अधिवेशन की सफलता के लिए हार्दिक धन्यवाद दिया है। ज्ञात हो कि पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन का 17वें प्रांतीय अधिवेशन सफलता पूर्वक स्वागताअध्यक्ष प्रेमनाथ हरलालका, कार्यकारी अध्यक्ष निर्मल बैद, स्वागत मंत्री सरजीत सिंह भारी, स्वागत कोषाध्यक्ष धर्मेंद्र लुनिया की देखरेख में व्यवस्थित तरीके से संपन्न हुआ।

संपादकीय

'अंतरिक्ष बेटी' की घर वापसी

ये क्षण बेहद भावुक, खुशनुमा, उत्साहपूर्ण और गौरवान्वित हैं। भारत मूल की बेटी अंतरिक्ष से सकुशल घर लौटी है। ब्रह्मांड की ऐसी दुनिया में रहकर और पल-पल संघर्ष कर बेटी लौटी है, जहां पानी, ऑक्सीजन और ताजा खाना नहीं था। अपने ही मूत्र और पसीने को रिसाईकल कर पानी पीना पड़ा। खाना डिब्बाबंद था, जो अंतरिक्षयात्री अपने साथ ले गए थे। ऐसी दुनिया में रहना सामान्य कैसे हो सकता है? सुनीता और उनके साथियों ने जिंदगी और अपने शोधात्मक मिशन के लिए लंबी लड़ाई लड़ी। आने वाले यात्रियों के लिए एक रास्ता और तरीका तैयार किया कि अंतरिक्ष में अपेक्षाकृत लंबा समय कैसे बिताया जा सकता है? 'शून्य गुरुत्वाकर्षण' में सहज जीवन की कल्पना तक नहीं की जा सकती, लेकिन उस दुनिया में भी 'अंतरिक्ष बेटी' 286 दिन रही, चहलकदमी का चुनौतीपूर्ण काम किया, अंतरिक्ष में 'माता तुलसी' का पवित्र पौधा भी रोप दिया। बेशक सुनीता का जन्म अमरीका में हुआ, लेकिन उनके पिता दीपक पंड्या की पारिवारिक जड़ें भारत के गुजरात में मौजूद हैं, लिहाजा सुनीता के पैतृक गांव झूलासण (मेहसाणा जिला) में 'अखंड ज्योति' भी बीते 9 माह से प्रज्वलित रही। बेटी के प्रत्येक शुभ और सकारात्मक पल के लिए प्रार्थनाएं की गईं। अंततः आस्था-विश्वास भी जीते और अंतरिक्ष विज्ञान, प्रौद्योगिकी और इंजीनियरों की भी विजय हुई। वैसे सुनीता विलियम्स तीन बार अंतरिक्ष में जा चुकी हैं और कुल 609 दिन वहां वास कर चुकी हैं। उनसे आगे अमरीका की ही पेगी विटसन हैं, जो 675 दिन अंतरिक्ष में रहीं। यह विश्व कीर्तिमान रूस के ओलेग कोनोनेन्को के नाम दर्ज है, जो पांच बार अंतरिक्ष-यात्रा कर चुके हैं और कुल 1110 दिन अंतरिक्ष में बिताए हैं। कुछ भी हो, ऐसे प्रयास अलौकिक और अति मानवीय लगते हैं। इस बार सुनीता ने जितना समय अंतरिक्ष में बिताया, उस दौरान उन्होंने करीब 4500 बार पृथ्वी की परिक्रमा की। गति 28,000 किलोमीटर प्रति घंटा रही और उस दौरान एक दिन में 16 सूर्योदय और 16 ही सूर्यास्त देखे। वहां एक दिन मात्र 19 मिनट का होता है। कितना रोमांचक और अद्भुत अनुभव रहा होगा! जब 'स्पेस एक्स' के ड्रैगन कैप्सूल ने बुधवार, 19 मार्च की लगभग भोर में 3.27 बजे समंदर में लैंडिंग की, तो सोचिए कितनी दुआएं फलितार्थ हुई होंगी! अंतरिक्ष यात्रियों की सकुशल घर-वापसी ने एक नया इतिहास लिख दिया। इसी के साथ अंतरिक्ष में निजी कंपनी का एक और प्रयास कामयाब रहा। दुनिया के सबसे अमीर उद्योगपति एलन मस्क की कंपनी के कैप्सूल 44 बार अंतरिक्ष स्टेशन तक का सफर तय कर चुके हैं। उन्होंने कुल 49 मिशन सफलतापूर्वक सम्पन्न किए हैं। कितनी असीम, अनंत उपलब्धि है यह? जब नासा अपने अंतरिक्ष यात्रियों की कुशल घर-वापसी में सफल नहीं हो पा रहा था, तो 'स्पेस एक्स' का मिशन भेजा गया और हमारे जांबाज अंतरिक्ष-यात्री सकुशल घर लौट सके। बहरहाल अब सुनीता विलियम्स और अन्य अंतरिक्ष यात्रियों को फिलहाल नासा के पुनर्वास केंद्र में रखा जाएगा। इस बार जो डाटा जमा किया गया है, वह निरंतर प्रक्रिया का हिस्सा है। बहरहाल हम आसमानी कोशिशों को दुआ देते हैं और सफलता की शुभकामनाएं देते हैं।

ब्रह्मांड की ऐसी दुनिया में रहकर और पल-पल संघर्ष कर बेटी लौटी है, जहां पानी, ऑक्सीजन और ताजा खाना नहीं था। अपने ही मूत्र और पसीने को रिसाईकल कर पानी पीना पड़ा। खाना डिब्बाबंद था, जो अंतरिक्षयात्री अपने साथ ले गए थे। ऐसी दुनिया में रहना सामान्य कैसे हो सकता है? सुनीता और उनके साथियों ने जिंदगी और अपने शोधात्मक मिशन के लिए लंबी लड़ाई लड़ी। आने वाले यात्रियों के लिए एक रास्ता और तरीका तैयार किया कि अंतरिक्ष में अपेक्षाकृत लंबा समय कैसे बिताया जा सकता है? 'शून्य गुरुत्वाकर्षण' में सहज जीवन की कल्पना तक नहीं की जा सकती, लेकिन उस दुनिया में भी 'अंतरिक्ष बेटी' 286 दिन रही, चहलकदमी का चुनौतीपूर्ण काम किया, अंतरिक्ष में 'माता तुलसी' का पवित्र पौधा भी रोप दिया। बेशक सुनीता का जन्म अमरीका में हुआ, लेकिन उनके पिता दीपक पंड्या की पारिवारिक जड़ें भारत के गुजरात में मौजूद हैं, लिहाजा सुनीता के पैतृक गांव झूलासण (मेहसाणा जिला) में 'अखंड ज्योति' भी बीते 9 माह से प्रज्वलित रही। बेटी के प्रत्येक शुभ और सकारात्मक पल के लिए प्रार्थनाएं की गईं। अंततः आस्था-विश्वास भी जीते और अंतरिक्ष विज्ञान, प्रौद्योगिकी और इंजीनियरों की भी विजय हुई।

घायल लोग व पुलिस वाले दिखे, क्षतिग्रस्त व जले वाहन नजर आए, इसके गम्भीर मायने हैं

आखिर नागपुर जैसी सांप्रदायिक हिंसा की घटनाएं कब और कैसे थमेंगी?

कमलेश पांडेय

सवाल है कि क्या यह आरएसएस और उसके आनुषंगिक संगठनों को देश-दुनिया में बदनाम करने की सियासी साजिश है? क्या हमारे देश के समुदाय विशेष को आईएसआई लगातार भड़का रही है जिससे वो निरंतर हिंसक होते जा रहे हैं और पाकिस्तान-बंगलादेश से सहानुभूति रखते हुए उन्हीं जैसा व्यवहार करने लगे हैं? सुलगता हुआ सवाल यह भी है कि क्या दुनियावी मंचों पर लगातार मजबूत हो रहे भारत को पुनः कमजोर करने की साजिश के तहत अंतरराष्ट्रीय ताकतों के इशारे पर यह सब कुछ हो रहा है जिसके तार हमारे राजनेताओं तक से जुड़े हुए हैं क्योंकि देश की यही बेलगाम ताकत है जो अधिकांश अनैतिक करतूतों की जड़ समझी जा रही है!

लीजिए एक और साम्प्रदायिक दंगा हो गया। इस बार आरएसएस मुख्यालय के लिए मशहूर नागपुर शहर ही इन दंगों की आग से धधक उठा। टीवी पर जो आग की उठती लपटें दिखीं, घायल लोग व पुलिस वाले दिखे, क्षतिग्रस्त व जले वाहन नजर आए, इसके गम्भीर मायने हैं। सवाल है कि क्या यह आरएसएस और उसके आनुषंगिक संगठनों को देश-दुनिया में बदनाम करने की सियासी साजिश है? क्या हमारे देश के समुदाय विशेष को आईएसआई लगातार भड़का रही है जिससे वो निरंतर हिंसक होते जा रहे हैं और पाकिस्तान-बंगलादेश से सहानुभूति रखते हुए उन्हीं जैसा व्यवहार करने लगे हैं? सुलगता हुआ सवाल यह भी है कि क्या दुनियावी मंचों पर लगातार मजबूत हो रहे भारत को पुनः कमजोर करने की साजिश के तहत अंतरराष्ट्रीय ताकतों के इशारे पर यह सब कुछ हो रहा है जिसके तार हमारे राजनेताओं तक से जुड़े हुए हैं क्योंकि देश की यही बेलगाम ताकत है जो अधिकांश अनैतिक करतूतों की जड़ समझी जा रही है! इसी के साथ यह सवाल भी पुनः प्रासंगिक हो गया कि आखिर ब्रेक के बाद होने वाली नागपुर जैसी सांप्रदायिक हिंसा की घटनाएं कैसे थमेंगी? आखिर इन जैसी घटनाओं को रोकने में प्रथमदृष्टया हमारा पुलिस प्रशासन असहाय क्यों प्रतीत होता है और फिर घटना के बाद सक्रिय होकर स्थिति को काबू में करता है? सवाल यह भी है कि आखिर क्यों पुलिस बल की तमाम रणनीति फेल हो जाती है जिसकी कीमत इसके अधिकारियों-जवानों के साथ-साथ उन मेहनतकश लोगों को भी चुकानी पड़ती है जो अपने कार्यवश सड़क पर होते हैं या प्रभावित क्षेत्र से गुजरते हैं? प्रश्न यह भी है कि समय रहते ही पत्थर, ईंट-रोड़े छतों पर जमा होने की सूचना पुलिस को क्यों नहीं मिल पाती है? क्या हमारा खुफिया तंत्र बार बार विफल हो रहा है या उसकी सूचना पर सही प्रशासनिक फैसले नहीं हो पाते हैं? यह सब कुछ प्रशासन को बताना चाहिए क्योंकि ब्रेक के बाद देश में होने वाली सांप्रदायिक/जातीय/क्षेत्रीय हिंसा व आगजनी की खबरें हर किसी को परेशान करती हैं। लिहाजा इस बारे में पुलिस जनजागृति कार्यक्रम करती रहे और घटना के पश्चात इतनी कड़ी कार्रवाई करे ताकि फिर कहीं और किसी के सिर उठाने की नौबत ही नहीं आए। वहीं, सिविल प्रशासन, न्यायपालिका,

मीडिया, सामाजिक संस्थाओं और सियासी दलों को भी पुलिस कार्रवाई का समर्थन करना चाहिए क्योंकि विधि-व्यवस्था के मामले में समझौता करने का सीधा असर समाज और कारोबार दोनों पर पड़ेगा। इस मामले में बयानबाजी भी सधी होनी चाहिए ताकि यह और नहीं भड़के। सवाल यह भी है कि क्या इस क्षेत्र में नागरिक-पुलिस समन्वय समिति नहीं थी या फिर वह भी विफल साबित हुई? सवाल बहुत हैं और जवाब सिर्फ यही कि चुस्त-दुरुस्त प्रशासन ही ऐसी घटनाओं को रोक सकता है अन्यथा जन-धन की अप्रत्याशित क्षति होती रहेगी। कहना न होगा कि नागपुर के महल क्षेत्र में दो समुदायों के बीच भड़काए गए दंगे पर कांग्रेस ने जिस तरह से भाजपा सरकार को जिम्मेदार ठहराया है, वह एक ओछी राजनीति का परिचायक है। ऐसे में कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कानून-व्यवस्था बनाए रखने में सरकार की विफलता की जो आलोचना की है, वह उनकी दूषित सियासी मानसिकता का ही परिचायक है। ऐसी विकृत सियासी सोच के चलते ही साम्प्रदायिक दंगे लाइलाज बीमारी बनते जा रहे हैं। जानकारों का कहना है कि सियासी विकृति, प्रशासनिक अकर्मण्यता, न्यायिक विवेकशून्यता और मीडिया से लेकर सोशल मीडिया तक में संपादकीय विवेक के अभाव का ही नतीजा है कि ब्रेक के बाद यत्र-तत्र दंगे भड़क जाते हैं जिसके बाद शहर में कर्फ्यू लगा दिया जाता है। इंटरनेट पर पाबंदी इस समस्या का समाधान नहीं है बल्कि उकसाऊ तत्वों का विधि सम्मत तरीके से सफाया करके ही इस समस्या का सार्थक समाधान किया जा सकता है। लोगों के मुताबिक, जिस तरह से नागपुर के महल इलाके में हिंसा भड़की, भीड़ का पथराव हुआ, भीड़ द्वारा 8 से 10 वाहनों में आग लगा दी गई और ऐसी ही घटनाएं सामने आई हैं, उससे प्रशासन के एक्टिव रहने पर ही सवाल उठता है क्योंकि उपद्रवियों को देखते ही गोली मारने का आदेश न होना पुलिस को जान पर खेलने के लिए विवश करने जैसा है। इसके लिए संसद और सुप्रीम कोर्ट दोनों की अदूरदर्शी भूमिका भी सभ्य समाज के कठघरे में है क्योंकि राष्ट्र को सुशासन देने की नैतिक जिम्मेदारी इन्हीं दोनों संस्थाओं की है। यदि एक समुचित कानून नहीं बनाने का दोषी है तो दूसरा ऐसे मामलों में स्वतः संज्ञान न लेकर किंकर्तव्यविमूढ़ बने रहने का जो मंचन करता है, वह अस्वीकार्य है। हैरत की बात है कि नागपुर के महल इलाके में दो समुदायों के बीच भड़की हिंसा पर जो राजनीति शुरू हो गई है, उससे घटिया बात कुछ हो ही नहीं सकती! भले ही कांग्रेस ने इसके लिए भाजपा नीत सरकार को जिम्मेदार ठहराया है लेकिन उसकी सरकारों ने क्या किया है, उसका अतीत कैसा रहा है, इस बारे में वह कभी नहीं सोचती। कांग्रेस ने जिस तरह से कानून-व्यवस्था बनाए रखने में विफलता का आरोप लगाया है, वह एकतरफा आरोप है। भले ही कांग्रेस नेता ने सवाल उठाया है कि सांप्रदायिक सद्भाव के 300 साल के इतिहास वाले शहर में इस तरह की अशांति कैसे हो सकती है लेकिन इसकी हकीकत उनसे ज्यादा कौन बयां कर सकता है। एक ओर उन्होंने कुछ राजनीतिक दलों पर अपने फायदे के लिए जानबूझकर तनाव भड़काने का आरोप लगाया जबकि दूसरी तरफ सांप्रदायिक हिंसा रोकथाम विधेयक 2011 लाकर उनकी पार्टी ने किस तरह एकतरफा नियम बनवाए, वह हैरतअंगेज है। क्या वह अपनी पार्टी की करतूतें भूल चुके हैं? उनका यह कहना कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के गृहनगर महल में दंगा भड़क गया, एक अस्वीकार्य बयानबाजी है क्योंकि वहां के हालात इस बात की चुगली कर रहे हैं कि यह एक सुनियोजित साजिश थी क्योंकि उपद्रवियों ने हिंदुओं को चुन चुन कर निशाना बनाया है। ऐसे आरोप टीवी व सोशल मीडिया पर दिखाई-सुनाई पड़ रहे हैं। इसलिए मुझे भी इसमें साजिश की बू आती है क्योंकि वाकई नागपुर का इतिहास 300 साल पुराना है और यहां पहले कभी कोई दंगा नहीं हुआ। यह केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और देवेंद्र फडणवीस जैसे सुलझे हुए नेताओं का गृह क्षेत्र भी है, इसलिए यहां शांति की गारंटी होनी चाहिए क्योंकि यथा नेता तथा प्रजा वाली कहावत यहां सटीक बैठती थी।

दृष्टि कोण

बलूचिस्तानी की आज़ादी के लिए तेज हुआ संघर्ष

पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में इन दिनों बलूच लिबरेशन आर्मी, बलूच लिबरेशन फ्रंट और बलूच रिपब्लिकन गार्ड्स ने मिलकर पाकिस्तान और वहां तैनात चीनी सेना के जवानों की नाक में दम कर रखा है। इन संगठनों ने मिलकर 'बलूच नेशनल फ्रीडम मूवमेंट' चला रखा है। मकसद बलूचिस्तान की आज़ादी की लड़ाई एक साथ मिलकर लड़नी है। इन संगठनों ने निर्णय लिया है कि पाकिस्तान के साथ-साथ चीन से अपने संसाधनों के शोषण को रोकना है और अपने अभियानों को और तेज़ करना होगा। गत 11 मार्च को बलूचिस्तान के कच्छी जिले के आब-ए-गम इलाके के पास सुरंग में जाफर एक्सप्रेस ट्रेन पर कुछ बंदूकधारियों ने हमला करके उसे अपने कब्जे में ले लिया। इस हमले की जिम्मेदारी बलूच लिबरेशन आर्मी ने ली और दावा किया कि उनकी गोलीबारी में 30 लोग मारे गए तथा 214 यात्रियों को बंधक बना लिया है। यह ट्रेन क्वेटा से पेशावर जा रही थी, जिसमें तकरीबन 500 यात्री सवार थे। इस रेल मार्ग पर 17 सुरंगे हैं और रास्ता कठिन होने के कारण रेल की गति धीमी रहती है। इस घटना के बारे में बलूचिस्तान की सरकार ने बताया कि 80 यात्रियों को बचा लिया गया। इसके अलावा सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में 13 हमलावर मारे गए। पाकिस्तान इस घटना के बाद से दूसरे देशों पर आरोप मढ़ने में जुटा हुआ है। गत 13 मार्च को पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता शफकत अली खान ने अपनी साप्ताहिक प्रेस ब्रीफिंग में कहा कि भारत अलगाववादियों की मदद कर रहा है। जाफर एक्सप्रेस पर हमले के समय आतंकवादी अपने हैंडलर्स और अफगानिस्तान में रिंग लीडर्स के संपर्क में थे। इन आरोपों को भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने सख्ती से खारिज करते हुए कहा कि पाकिस्तान द्वारा लगाए गए ये निराधार आरोप हैं। पूरी दुनिया जानती है कि वैश्विक आतंकवाद का केंद्र कहां है। पाकिस्तान को दूसरों पर उंगली उठाने के बजाय अपना आत्मनिरीक्षण करना चाहिए। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान सरकार और सेना इस घटनाक्रम में बलूच विद्रोहियों से निपटने में असफल दिखी है। पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने दावा किया कि उन्होंने जाफर एक्सप्रेस को हाईजैक करने वाले 33 बीएलए विद्रोहियों को खत्म कर दिया है लेकिन सफल ऑपरेशन की कोई तस्वीर तक जारी नहीं की। जाफर एक्सप्रेस की घटना से पाकिस्तानी सेना अभी उबर भी नहीं पाई थी कि बलूच लिबरेशन आर्मी के विद्रोहियों ने 16 मार्च को बलूचिस्तान प्रांत के नोशकी जिले में पाकिस्तानी सेना के काफिले पर अचानक हमला करके बड़ी संख्या में सैनिकों को मार डाला। यह काफिला क्वेटा से कफ्तान जा रहा था। बीएलए के दावे के मुताबिक, 90 सैनिकों को मार डाला गया। बीएलए ने हमले की जिम्मेदारी लेते हुए वीडियो भी जारी किया है। वहीं दूसरी ओर, पाकिस्तानी पुलिस ने हमले में तीन सैनिकों और दो नागरिकों के मारे जाने तथा 30 जवानों के घायल होने की पुष्टि की है। बीएलए द्वारा जारी बयान में कहा गया कि उसके आत्मघाती दस्ते मजीद ब्रिगेड ने नोशकी में रक्षक मिल के पास पाकिस्तानी सेना के काफिले को निशाना बनाया। इस काफिले में आठ बसें थीं, जिनमें से एक बस पूरी तरह ध्वस्त हो गई। दूसरी बस को फतेह ब्रिगेड ने घेर लिया और उसके सभी जवानों को मार डाला। दरअसल, बलूच अपनी आज़ादी के लिए अभियान चला रहे हैं। सन 1947 से पहले ही बलूचिस्तान में भी आज़ादी की मांग तेज हो गई थी। 4 अगस्त, 1947 को दिल्ली में हुई मीटिंग में माउंटबैटन के साथ कलात के वकील के रूप में मोहम्मद अली जिन्ना थे, जिन्होंने कलात, खरान, लास बेला और मकरान को मिलाकर बलूचिस्तान बनाने का सुझाव दिया था। बाद में जिन्ना इससे पलट गए, लेकिन कलात के खान ने 12 सितम्बर, 1947 को बलूचिस्तान को आज़ाद देश घोषित कर दिया। 26 मार्च, 1948 को पाकिस्तानी सेना वहां घुस गई और इसे अपने आधिपत्य में ले लिया। इसके बाद सन 2000 तक बलूचियों ने चार बार पाकिस्तानी सरकार के खिलाफ विद्रोह किया, लेकिन हर बार इसे दबा दिया गया। सन 2005 में अकबर बुगती के नेतृत्व में पाकिस्तान के खिलाफ विद्रोह तेज हो गया। 26 अगस्त, 2006 को बुगती और उनके साथियों की हत्या कर दी गई। बुगती के बाद बलूच नेता गिरी को भी मार दिया गया। इसके बाद 2009 से वहां के लोगों को गुप्त रूप से निशाना बनाना शुरू किया गया। तब से अब तक बड़ी संख्या में बलूचों को या तो मार दिया गया या फिर उन्हें गायब कर दिया गया। बलूच विद्रोहियों की शुरुआत से यही मांग रही है कि पाकिस्तानी सेना बलूचिस्तान को खाली कर उनके सभी नेताओं को बिना शर्त रिहा कर दिया जाए।

कुछ अलग

क्रांति का विकलांग चेहरा

शिक्षा क्रांति के दावों के बाद स्कूलों का चेहरा बदल गया है। हमारे बच्चों को कुपोषण का मर्ज है। घर में तो उन्हें उचित खाने को मिलता नहीं, एक जून रोटी मिल जाए तो भी असंख्य धन्यवाद। सरकार ने बच्चों के हाथ में पुस्तक और पेट में रोटी देने के लिए स्कूलों में बच्चों के लिए मध्य दिवस भोजन योजना शुरू कर दी थी। उम्मीद थी कि कम से कम एक समय तो उन्हें उचित भोजन मिल जाएगा। उधर सर्व शिक्षा अभियान भी चला रखा है। प्राथमिक शिक्षा के लिए सब बच्चों को संवैधानिक अधिकार भी दे दिया है, लेकिन देने की घोषणा करने और वास्तव में मिल जाने के सच में यहां योजना का अंतर होता है। पब्लिक स्कूल कल्चर की कमर तो टूटी नहीं। गरीब बच्चों को इन स्कूलों की फ्री आरक्षित सीटों पर दाखिला नहीं मिला। बीच में निजी शिक्षा के मसीहाओं ने अदालतों की निषेधाज्ञा खड़ी कर दी। अब इंतजार और अभी। आंकड़ा शास्त्रियों ने बताया है कि इस देश में पांच साल की उम्र तक के बच्चे आधे से अधिक काल कलवित हो जाते हैं, तो बारह-चौदह साल के बच्चों में भी कुपोषण की वजह से, उसी तरह लगभग आधे काल का ग्रास हो जाते हैं। शेष जो बचते हैं, उनमें से बड़ी तादाद मानव तस्करों की कृपा से लापता होकर तेल धनी देशों के शेखों के द्वार तक पहुंच जाती है। लेकिन अब मध्यपूर्व के इन देशों में राजनीतिक उथल-पुथल बढ़ जाने के बाद सोचा जा रहा है, कि क्या इससे धनी शेखों के धन के पहाड़ कुछ कम हो जाएंगे? क्या उनकी रुचियों, ऐश्वर्य और विलास में कुछ अंतर आएगा? अंतर तो चाहे न आए, लेकिन इसी आशंका से हो सकता है कि मानव तस्करी के धंधे में कुछ मंदा हो जाए। बच्चे अगर अपहृत होकर लापता कम होने लगेंगे, और गरीबों की गूदड़ बस्तियों में दनदनाते नजर आएंगे तो हो सकता है उन्हें शिक्षा का मूल अधिकार देने की घोषणा पूरी हो जाए। स्कूलों में मध्यदिवस भोजन देने की योजना शुरू होकर भ्रष्टाचार की नजर लग जाने से बंद होने के कगार पर है। कहीं-कहीं तो उच्च न्यायालय के आदेश से इसे पुनः जीवनदान मिला है और अब यह लडख़ड़ाती और कांपती-कराहती पुनः उठती नजर आ रही है, लेकिन केवल भूख ही तुष्ट करना क्यों, यहां तो अधनंगे बदनों को कपड़े से भी ढकने की समस्या है। अपने राज्य के स्कूलों में सरकार ने बच्चों के लिए मुफ्त वर्दियां बांटने की घोषणा की है। लालफीताशाही इसे भूल गई, खाली खजाने का रुदन राग तो चलता ही रहता है। सुबह के मुर्गों ने दोपहर को बांग दे दी, सरकारी मशीनरी जागी। गर्मियों की वर्दियां सर्दियों में बंटी। अब उम्मीद है कि सर्दियों की वर्दियां भरपूर गर्मी तक बंट सबका उपकार कर सकेंगी। भई, भला हो पर्यावरण प्रदूषण वालों का। मौसम का सारा गणित बिगाड़ रखा है। गर्मी के दिनों में सर्दी पडने लगती है और सर्दियों में पंखा चलाने की नौबत आती है, कि जैसे सावन की बेवफाई ने बिन बादल बरसात के अतिकथन को सच करना शुरू कर दिया है। उम्मीद है कि इससे इन वर्दियों का इस्तेमाल भी बेमौसम नहीं लगेगा। इस पर्यावरण प्रदूषण से जल्द तो छुटकारा मिलेगा नहीं, क्योंकि चचा सैम ने 'अमरीका अमरीकियों' का वादा लगा कर इन संधियों पर हस्ताक्षकर करने से मना कर दिया है, और सजा के तौर पर ईरान पर आर्थिक प्रतिबंध लगा कर तीसरी दुनिया के देशों का तेल-डीजल बंद करने का प्रयास किया है। अब अगर महंगा होता कच्चा तेल कम आयात होने लगेगा तो इसका प्रयोग भी कम होगा। य

देश दुनीया से

सीमित आय से सुख का बजट

हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने सोमवार को अपनी सरकार के कार्यकाल का तीसरा बजट पेश करते हुए सबसे पहले प्रदेश की अर्थव्यवस्था को लेकर जीएसटी से कम होती आय, केंद्रीय ग्रांटों में कमी और निरंतर कम होती आरडीजी ग्रांट का जिक्र करते हुए इस बात को स्वीकार किया कि 2025-26 का साल प्रदेश की अर्थव्यवस्था के लिए उनकी नजर में पिछले कई दशकों में सबसे चुनौतीपूर्ण वर्ष रहने वाला है। लेकिन वे अपने बजट भाषण में अर्थव्यवस्था को सुधारने का कोई रोडमैप भी प्रस्तुत नहीं कर पाए। अपने बजट भाषण की शुरुआत में ही उन्होंने कांग्रेस सरकार द्वारा सत्ता संभालने के तुरंत बाद नाजुक वित्तीय स्थिति, पनपते खनन माफिया, पूर्व सरकार द्वारा लापरवाही से की गई भरपूर फिजूलखर्ची का उल्लेख करते हुए पिछली सरकार द्वारा कई सरकारी भवनों तथा अन्य पूंजीगत कार्यों का बिना बजटीय प्रावधानों के ही निर्माण करने और बिना जरूरत के संस्थानों को खोलने का आरोप लगाते हुए बेहिसाब कर्ज लेने का उल्लेख भी किया। इसी तरह वे कर्मचारियों के प्रति देय वेतन आयोग की देनदारियों, बकाया महंगाई भत्ते और डीए एरियर्स के भुगतान का कोई रास्ता निकालते भी नजर नहीं आए। अपने बजट में वे कर्मचारियों को मई 2025 से तीन फीसदी डीए भुगतान की घोषणा तो करते हैं लेकिन ऐसा प्रतीत होता है कि कर्मचारियों/पेंशनरों को जुलाई 2023 से 4 प्रतिशत डीए लागू है, के बारे में उनके अफसर उन्हें बताना क्यों भूल गए, ये समझ से परे है। अपनी अधिकांश वित्तीय मांगें पूरी न होने से सोशल मीडिया में कर्मचारियों और पेंशनरों की टिपणियों में घोर निराशा एवं असंतोष की भावना दिख रही है। मुख्यमंत्री सुक्खू ने विस्तारपूर्वक आरडीजी ग्रांट यानी राजस्व घाटा अनुदान का विस्तृत ब्यौरा सदन के समक्ष रखा और बताया कि वर्ष 2021-22 में आरडीजी ग्रांट 10 हजार 949 करोड़ रुपए थी, इस वित्तीय वर्ष अर्थात 2024-25 में राजस्व घाटा अनुदान राशि घटकर 6 हजार 258 करोड़ रुपए हो गई और अब आने वाले साल 2025-26 में यह मात्र 3 हजार 257 करोड़ रुपए रह जाएगी। घटती आरडीजी ग्रांट और ऋण लेने पर केंद्र द्वारा थोपी गईं बंदिशें ही सरकार के गले की फांस बनी हुई हैं। ऐसा लगता है कि मुख्यमंत्री और उनकी अफसरशाही के पास वित्तीय चुनौतियों से निपटने का कोई तर्कसंगत उपाय नहीं बचा है और सुक्खू सरकार के समक्ष अब अगले केंद्रीय वित्तायोग की सिफारिशों के बाद ही शायद कुछ राहत के आसार बन पाएं। उनके अनुसार 2025-26 के बजट प्रस्तावों के अनुसार प्रति 100 रुपए व्यय में से, वेतन पर 25 रुपए, पेंशन पर 20 रुपए, ब्याज अदायगी पर 12 रुपए, ऋण अदायगी पर 10 रुपए, स्वायत्त संस्थानों के लिए ग्रांट पर 9 रुपए, जबकि शेष 24 रुपए पूंजीगत कार्यों सहित अन्य गतिविधियों पर व्यय किए जाएंगे। इस प्रकार से देखें तो पिछले वर्ष के मुकाबले अब विकास कार्यों के लिए सौ रुपए में से महज 24 रुपए ही बचेंगे। सवाल ये नहीं है कि कर्मचारियों/पेंशनरों और ऋण भुगतान पर राज्य बजट का अधिकांश रुपया खर्च हो रहा है, बल्कि मुद्दे की बात यह है कि सरकार की इन्कम उस अंदाज में नहीं बढ़ रही है कि वह अपनी देनदारियों के साथ-साथ विकासात्मक गतिविधियों को अमलीजामा पहना सके। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह ने वर्ष 2025-26 के लिए 58 हजार 514 करोड़ रुपए का बजट प्रस्तुत करते हुए कुल राजस्व प्राप्तियां 42 हजार 343 करोड़ रुपए रहने का अनुमान दर्शाया है तो वहीं कुल राजस्व व्यय 48 हजार 733 करोड़ रुपए अनुमानित बताया है। उनके अनुसार कुल राजस्व घाटा 6 हजार 390 करोड़ रुपए अनुमानित रहेगा और राजकोषीय घाटा 10 हजार 338 करोड़ रुपए अनुमानित रहेगा। हिमाचल में प्रति व्यक्ति आय 257212 रुपए पर पहुंच गई है और सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) में 10.2 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 2 लाख 32 हजार 185 करोड़ रुपए अनुमानित दर्शाई गई है। मुख्यमंत्री ने इस वर्ष सभी श्रेणियों की 25 हजार भर्तियां करने की घोषणा भी अपने बजट भाषण में की है जिससे बेरोजगार युवाओं को नौकरियां मिलने की संभावनाएं बढ़ेंगी। मुख्यमंत्री सुक्खू ने अपने बजट प्रस्तावों द्वारा अपने पूर्ववर्ती वित्त मंत्रियों का ही अनुसरण करते हुए ग्रामीण अर्थव्यवस्था के विकास हेतु कृषि, बागवानी, पशुपालन व संबद्ध क्षेत्रों का विकास एवं विस्तार, पर्यटन विस्तार, समाज के सभी वर्गों का उत्थान एवं कल्याण, स्वरोजगार के क्षेत्र में नई घोषणाओं, हरित ऊर्जा, हरित हिमाचल व स्वच्छ हिमाचल, स्वास्थ्य सेवाओं का आधुनिकीकरण व शिक्षा का रूपांतरण, नशामुक्त हिमाचल, स्वच्छ पेयजल एवं सीवरेज सुविधाओं के क्षेत्र में विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण और परिवहन, उद्योग, पुलों एवं सडकों जैसे क्षेत्रों के लिए अनेक घोषणाएं की हैं। लेकिन कम वित्तीय संसाधनों और बढ़ती देनदारियों से उनकी सरकार कैसे निपटेगी, इसका कोई उपाय नहीं बता सकी है। दूसरी तरफ अमरीकी बहुराष्ट्रीय वित्तीय सेवा कंपनी मार्गन स्टेनली के अनुसार भारत 2028 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। ऐसे में यह केंद्र सरकार का भी दायित्व बनता है कि वह बिना किसी राजनीतिक भेदभाव के गैर भाजपा शासित राज्यों को भी उदार वित्तीय मदद मुहैय्या करवाए ताकि उन राज्यों विशेषकर हिमाचल जैसे दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों वाले राज्य के नागरिक विकास की दौड़ में पीछे न छूट जाएं। हिमाचल सरकार को भी लोकलुभावन घोषणाओं से बचते हुए अपने वित्तीय संसाधनों का नियोजन मितव्ययिता से करना होगा और पहाड़ जैसे कर्ज से कैसे मुक्ति मिले, इसके लिए विशेष उपाय करने पड़ेंगे, तभी राज्य की डगमगाती अर्थव्यवस्था पटरी पर आ पाएगी। देखा जाए तो मुख्यमंत्री सुक्खू का यह बजट परंपरा से हटकर हिमाचल की अर्थव्यवस्था में किन्हीं क्रांतिकारी व्यापक बदलावों को रेखांकित करने वाला बजट भी नहीं कहा जा सकता है।

आप का नजरीया

किसने लिखी मौत की कहानी

ये मौत के सन्नाटे तेरी कब्र के पास टूटे, तू किस हवा का कफन जो घर से दूर मिला। पावर कारपोरेशन के चीफ इंजीनियर विमल नेगी का अचानक गायब होना अंततः कफन में प्रश्न बनकर लौट आया। दस मार्च से गायब एक उच्च अधिकारी गोबिंद सागर में तैरती लाश बन गया, तो कई शंकाओं और चिंताओं के चिन्ह भी वहीं उभर आएंगे। इस मौत के बीच कई रहस्यों के द्वंद्व और मानव जीवन की त्रासदियों के प्रसंग दिखाई दे रहे हैं, लेकिन हिमाचल की नाजुक हिस्ट्री के ये लम्हे पीड़ाजनक हैं। स्व. विमल नेगी अगर सफल नहीं होते, तो पावर कारपोरेशन की अहमियत में एक बुलंद शख्सियत के अधिकारी न होते। उनके जीवन में विभागीय सफलताओं की सीढियां न होतीं और न ही उनके लापता होने की खबर इतनी मनहूस और दुखदायी न होती। इस मौत का अंजाम इतना सरल भी नहीं है कि किसी फुसफुसाहट या अफवाह में समझा जाए। वह बतौर अधिकारी मरे या एक पारिवारिक व्यक्ति के रूप में इतने कठिन दौर तक पहुंचे। जाहिर तौर पर यह घटना असाधारण मानवीय प्रवृत्तियों, चुनौतियों, संकटों और दबावों की अंतहीन कहानी है और हर सूरत इसके हर पहलू की जांच होनी चाहिए। पावर कारपोरेशन की व्याख्या इस मौत के संदर्भ में होनी चाहिए। यह एक मुश्किल वित्तीय प्रबंधन, राजनीतिक कुपोषण और सत्ता के अभिभाषण की प्रयोगशाला में पलता निगम है, जो लाभ-हानि की ईमानदारी से पालन नहीं कर पाता। एक घाटे के निगम के मुखिया को सफल होना है, तो उसे सियासी दबाव को साधना भी आना होगा। अमूमन ऐसे पदों पर इंजीनियरिंग और सार्वजनिक व्यापार के सिद्धांत काम नहीं आते। यहां हर वक्त दो जमा दो, चार नहीं होते। जाहिर है ऐसी कसौटियों के बीच कई अधिकारी अपने पद और व्यक्तित्व के बीच संतुलन नहीं बना पाते। असंतुलन की एक दूसरी वजह पारिवारिक परिस्थितियां भी हो सकती हैं। जिंदगी के कई अनुपात हमारे कत्तव्यों की दक्षता के कारण भी बिगड़ सकते हैं। बहरहाल, विमल नेगी का शव असाधारण जांच की विनती कर रहा है। इस मौत के अगर अनेक कारण हो सकते हैं, तो कई संदेश राज्य को भी मिलते हैं। जीवन की कशमकश में इर इनसान को जीने की कला सीखनी होगी। विमल नेगी इस इबारत को मौत के मुहाने तक खुद ले गए, तो इन कमजोर कडियों के बीच हर नागरिक को परिवेश के पहलुओं को सशक्त बनाने के लिए अपनी भूमिका निभानी होगी। शायद इस दुखद घटना के समस्त कारणों में कहीं समाज के फंदे भी रहे हों। बहरहाल यह जांच का विषय है और इसे गहरे तक छानने की जरूरत है। इस मौत के बाद भी जिंदगी चलती रहेगी। कल जिस कुर्सी पर विमल नेगी थे, कल कोई और नेम प्लेट स्वागत करेगी, लेकिन अधिकारियों-कर्मचारियों के विभिन्न दबावों को समझने की जरूरत बढ़ रही है। तनाव तो पद, उत्तरदायित्व, स्थानांतरण, सियासी दखल से सियासी घोषणाओं तक के रहते हैं। हर राजनीतिक फैसले का खोट अंततः प्रशासनिक असफलता, कानूनी कार्रवाइयों और सामाजिक उलाहना से ही निकलता है। आज तक किसी नेता पर कार्रवाई नहीं हुई, लेकिन जहां सजा निश्चित थी, वहां सरकारी अधिकारी या कर्मचारी को ही अपनी गर्दन गंवानी पड़ी।

मोतियाबिंद से ग्रस्त कांग्रेस को विकास दिखाई नहीं देता : मोहन लाल बड़ौली

नायब सरकार के बजट पर सियासी घमासान, भाजपा ने किया पलटवार

सोनीपत (हिंस)। हरियाणा विधानसभा में नायब सरकार के बजट को लेकर आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला जारी है। विपक्ष द्वारा उठाए जा रहे सवालों पर पलटवार करते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि कांग्रेस मोतियाबिंद से ग्रस्त है और उसे प्रदेश में हो रहे विकास कार्य नजर नहीं आते। सोनीपत में पत्रकारों से बातचीत करते हुए भाजपा प्रदेशाध्यक्ष बड़ौली ने कहा कि पहली बार हरियाणा में दो लाख करोड़ रुपए से अधिक का ऐतिहासिक बजट पेश किया गया है। उन्होंने बताया कि इस बजट को बनाने में प्रदेशभर से आए 11हजार सुझावों को शामिल किया गया है, जिससे यह जनता की जरूरतों के अनुरूप तैयार किया गया है। बजट को लेकर कांग्रेस के आरोपों पर जवाब देते हुए

बड़ौली ने कहा कि विपक्ष झूठ की राजनीति करता है और जनता को गुमराह करने में लगा रहता है। उन्होंने कहा कि भाजपा सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास की नीति पर काम कर रही है, जबकि कांग्रेस आपसी गुटबाजी में उलझी हुई है। बड़ौली ने कहा कि नायब सरकार ने ऐसा बजट पेश किया है जो हर वर्ग और हर क्षेत्र को लाभ पहुंचाने वाला है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा सरकार ने अपने संकल्प पत्र में किए गए वादों को पूरा करने के लिए ठोस कदम उठाए हैं। लाडो लक्ष्मी योजना, किसानों के लिए 24 फसलों पर एमएसपी, और युवाओं को रोजगार देने जैसी योजनाएं इसका प्रमाण हैं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कांग्रेस को सलाह दी कि वह सिर्फ मीडिया में बयानबाजी करने के बजाय जमीनी हकीकत को देखने के लिए प्रदेश में घूमे। उन्होंने कहा कि नायब सरकार लगातार विकास कार्यों में जुटी है, जबकि कांग्रेस अपने आंतरिक झगड़ों में उलझी हुई है।

एसआई पेपर लीक मामले में भरतपुर से एक और ट्रेनी एसआई गिरफ्तार

जयपुर (हिंस)। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप की टीम ने गुरुवार को एक और ट्रेनी एसआई को भरतपुर से डिटेन किया है। एसओजी की टीम ट्रेनी एसआई वीरेंद्र मीणा से पूछताछ कर रही हैं। एडीजी एसओजी वीके सिंह ने बताया कि ट्रेनी एसआई से पहले पूछताछ की जाएगी। उस के बाद आगे का एक्शन लिया जाएगा। हमारी टीमें वीरेंद्र मीणा ट्रेनी एसआई को भरतपुर पुलिस लाइन से पूछताछ के लिए लाई है। एसआई के परिजनों और अधिकारियों को इसकी जानकारी दे दी गई हैं। जानकारी के अनुसार एसओजी एसआई भर्ती परीक्षा 2021 को लेकर एक बार फिर से बड़ा एक्शन करने का प्लान बना रही है। कुछ माह की जांच के दौरान एसओजी के पास कई बड़े सबूत ट्रेनिंग कर रहे एसआई के बारे में मिले हैं।

जींद : किसान छात्र एकता संगठन ने फूंका पंजाब सीएम का पुतला

जींद (हिंस)। किसान छात्र एकता संगठन ने गुरूवार को शांतिपूर्ण धरने पर बैठे किसानों जगजीत सिंह डल्लेवाल की तानाशाहीपूर्ण गिरफ्तारी के विरोध में गुरुवार को पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का पुतला फूंककर प्रदर्शन किया। संगठन ने सरकार के इस रवैए की कड़ी निंदा की और गिरफ्तार किसानों की तुरंत रिहाई की मांग की और चेतावनी दी कि यदि सरकार ने अपनी दमनकारी नीतियों को नहीं रोका तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। संगठन ने डीन ऑफ अकादमिक डॉ. विशाल वर्मा को राष्ट्रपति को ज्ञापन सौंपा। प्रदर्शन के दौरान संगठन के प्रदेश अध्यक्ष सुमित लाठर ने कहा कि लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। देश के अन्नदाताओं पर इस प्रकार की कार्रवाई न केवल अलोकतांत्रिक है बल्कि यह पंजाब राज्य में कानून, व्यवस्था की गंभीर स्थिति को भी दर्शाती है। राज्य सरकार का यह आचरण जनता के हितों के विरुद्ध है और यह स्पष्ट रूप से संविधान द्वारा प्रदत्त नागरिक अधिकारों का उल्लंघन है। छात्र नेता अभिषेक जुलाना ने कहा कि कि पंजाब सरकार की दमनकारी नीतियों का संज्ञान लेते हुए वहां की स्थिति की जांच करवाई जाए और संविधान के अनुच्छेद 356 के तहत पंजाब में राष्ट्रपति शासन लागू करने पर विचार किया जाए। इस मौके पर एनएसयूआई अध्यक्ष जयदीप संधू, युवा अध्यक्ष कांग्रेस बलराज कंडेला, बीजेपी कार्यकर्ता गौरव चहल, रविंद्र ढुल, प्रथम, गोविंद सैनी आदि मौजूद रहे।

नववर्ष की पूर्व संध्या पर 11 हजार वाहनों के साथ भगवा युवा रैली

उदयपुर (हिंस)। भारतीय नववर्ष समाजोत्सव समिति के तत्वावधान में होने जा रहे तीन दिवसीय भारतीय नववर्ष समारोह के तहत नववर्ष की पूर्व संध्या पर 29 मार्च को होने वाली भगवा युवा वाहन रैली को ऐतिहासिक बनाने की तैयारियां की जा रही हैं। इस रैली में 11 हजार से अधिक दोपहिया वाहन शामिल होने का लक्ष्य रखा गया है। उदयपुर में इतनी बड़ी संख्या में ऐसी वाहन रैली पहली बार होगी। वाहन रैली संयोजक हर्ष ओड़ ने बताया कि उदयपुर में ऐतिहासिक रैली सुनिश्चित करने के लिए गुरुवार को गुरुवार को बैठक आयोजित की गई। बैठक में वाहन रैली की व्यवस्था टोली सहित विभिन्न सामाजिक, युवा संगठनों के प्रतिनिधियों और युवा कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। बैठक में तय किया गया कि उदयपुर शहर व समीपवर्ती क्षेत्र से 11 हजार से अधिक दोपहिया वाहन शामिल होंगे। इसके लिए सूचीकरण भी शुरू कर दिया गया है। हर वाहन पर दो युवा सवार होंगे। बड़ी संख्या में युवतियां भी वाहनों के साथ शामिल होंगी। बैठक में इस पर भी सहमति बनी कि विभिन्न हिंदू संगठनों की युवा इकाइयां इस रैली में सक्रिय रूप से भाग लेंगी। साथ ही, वाहनों को भगवा पताकाओं से सजाया जाएगा और युवा जयघोष करते हुए पूरे शहर में नववर्ष का संदेश देंगे। समिति के संयोजक डॉ. परमवीर सिंह दुलावत ने बताया कि नववर्ष समाजोत्सव समिति की तैयारियों के तहत उदयपुर शहर व समीपवर्ती क्षेत्र को 11 खण्डों में बांटा गया है।

अरविंद केजरीवाल के खिलाफ हुई सुनवाई, अगली तारीख 31 मई तय

सोनीपत (हिंस)। हरियाणा सरकार पर यमुना के पानी में जहर मिलाने का आरोप लगाने वाले बयान को लेकर आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल की गुरुवार को सोनीपत कोर्ट में पेशी थी। इस दौरान केजरीवाल खुद नहीं पहुंचे, बल्कि उनकी ओर से उनके वकील ने कोर्ट में हाजिरी दी। इस मामले में कोर्ट ने अगली सुनवाई के लिए 31 मई 2025 की तारीख निर्धारित की है। सोनीपत की चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट (सीजीएम) नेहा गोयल की अदालत में केजरीवाल की ओर से दिल्ली से आए उनके वकील ने ऑब्जेक्शन एप्लिकेशन दायर की। वकील ने दलील दी कि एमपी-एमएलए के खिलाफ मामलों की सुनवाई करने का अधिकार इस अदालत को नहीं है, बल्कि इसे स्पेशल एमपी-एमएलए कोर्ट में स्थानांतरित किया जाना चाहिए। वहीं, सरकारी वकील ने इस आपत्ति पर जवाब देने के लिए समय मांगा, जिसके चलते कोर्ट ने अगली सुनवाई की तारीख 31 मई तय कर दी। अब यह मामला समझते हैं अरविंद केजरीवाल ने अपने एक बयान में हरियाणा सरकार पर यमुना नदी में जहर मिलाने का आरोप लगाया था। उन्होंने कहा था कि दिल्ली जल बोर्ड की रिपोर्ट के अनुसार, यमुना में जहर मिलाने की साजिश से दिल्लीवासियों की जान को खतरा था। उनके इस बयान के बाद हरियाणा सरकार ने उनके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 223 के तहत आपराधिक शिकायत दर्ज करवाई। पिछली सुनवाई और घटनाक्रम इससे पहले, 17 फरवरी को भी कोर्ट में सुनवाई हुई थी, जिसमें केजरीवाल की जगह उनके वकील संजीव नसीर पेश हुए थे। उन्होंने कहा था कि नोटिस के साथ पर्याप्त सबूत नहीं दिए गए हैं। इसके बाद कोर्ट ने सबूत और एक पेनड्राइव उपलब्ध कराने के निर्देश देते हुए 20 मार्च की तारीख तय की थी। मामले की शुरुआत तब हुई जब सिंचाई विभाग के कार्यकारी अभियंता आशीष कौशिक की याचिका पर सुनवाई शुरू हुई। उन्होंने बताया कि 28 जनवरी को ग्रामीणों ने उनके कार्यालय पहुंचकर केजरीवाल के बयान का हवाला देते हुए यमुना में जहर मिलाने का आरोप लगाया था। कौशिक ने स्पष्ट किया कि पानी पूरी तरह सुरक्षित है और यह बयान भ्रामक है। राजनीतिक विवाद भी गहराया दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले, चार फरवरी को कुरुक्षेत्र में केजरीवाल के खिलाफ एक और मामला दर्ज किया गया था। इसमें उन पर धार्मिक भावनाएं आहत करने और भड़काऊ बयान देने के आरोप लगे थे। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने केजरीवाल से माफी मांगने को कहा और चुनौती दी कि वे यमुना का पानी पीकर उसकी शुद्धता साबित करें। इसके जवाब में केजरीवाल ने सैनी पर ढोंग करने का आरोप लगाया। अब 31 मई को होने वाली अगली सुनवाई इस मामले में अहम मोड़ ला सकती है।

गाय के गोबर से प्राकृतिक खादी पेंट बनाएंगी समूह की महिलाएं, इसी महीने शुरू हो जाएगा यूनिट का संचालन

झांसी (हिंस)। गोशालाओं को आत्मनिर्भर बनाने के यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर झांसी के लुहरगांव में स्थित गोशाला में गाय के गोबर से पेंट बनाने का यूनिट स्थापित किया गया है। स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन और नमामि गैया कंपनी की मदद से यह प्लांट स्थापित किया है। यहां मशीन की खरीद के लिए पूंजी महिलाओं ने जमा की जबकि प्रशिक्षण और प्लांट की स्थापना में आजीविका मिशन और नमामि गैया कंपनी ने महिलाओं की मदद की है। प्लांट से अब एक सप्ताह के भीतर पेंट के उत्पादन का काम शुरू हो जाएगा। इस यूनिट की स्थापना के बाद इसे चलाने की जिम्मेदारी स्वयं सहायता

समूह की महिलाओं के पास रहेगी। इस यूनिट की स्थापना के लिए लगभग 100 समूह की 1000 महिलाओं ने 30 लाख रुपए की धनराशि जुटाई थी। इन सबने मिलकर गौवर्धन प्रेरणा महिला लघु उद्योग समिति का गठन किया। भवन का निर्माण मनरेगा से किया गया है। जिस कंपनी की मदद से यूनिट की स्थापना की गई है, वह इस गौशाला में तैयार पेंट खरीदेगी। इसके अलावा विभिन्न सरकारी विभागों और कार्यालयों में उपयोग के लिए भी यहां से पेंट खरीदे जाएंगे। नमामि गैया कंपनी की एमडी सपना ने बताया कि लुहरगांव स्थित गोशाला में स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने गाय के गोबर से खादी पेंट बनाने की यूनिट स्थापित की है। नमामि गैया कंपनी समूह की महिलाओं को तकनीकी सहयोग प्रदान कर रही है और यहां बनने वाले पेंट की बिक्री में मदद करेगी। इस सप्ताह यहां पेंट बनाने का काम शुरू हो जाएगा। इस यूनिट के संचालन में सभी तरह की जिम्मेदारियां स्वयं सहायता समूह की महिलाएं निभा रही हैं।

गौरैया दिवस पर पुलिस आयुक्त ने बांधे परिंडे

जयपुर (हिंस)। जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ ने गौरैया दिवस के अवसर पर पुलिस कमिश्नरेट परिसर में पक्षियों के लिए घोंसले एवं दाना व पानी के लिए परिंडे बांधे। जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ ने बताया कि हर साल 20 मार्च को विश्व गौरेया दिवस मनाया जाता है। इस दिन को मनाने का उद्देश्य गौरैया और अन्य सामान्य पक्षियों की घटती संख्या के प्रति जागरूकता को बढ़ावा और उनके संरक्षण के लिए प्रयास करना है। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर अपराध कुंवर राष्ट्रदीप, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त मुख्यालय शिल्पा चौधरी सहित पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

हरियाणा विस अध्यक्ष ने सदन की ओर से सुनीता विलियम्स को भेजी बधाई

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा विधानसभा में अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स व उनकी टीम की सुरक्षित पृथ्वी पर वापसी पर खुशी जताई गई। विस अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने विधानसभा में पारित *अभिनंदन प्रस्ताव* को विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर के माध्यम से सुनीता विलियम्स और उनकी टीम को भेजा है। स्पीकर कल्याण ने विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर को लिखे पत्र में कहा है कि यह *अभिनंदन प्रस्ताव* हरियाणा विधानसभा में 19 मार्च 2025 को पारित किया गया है। प्रस्ताव में नासा अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और उनकी टीम की अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से पृथ्वी पर सुरक्षित वापसी पर अपनी शुभकामनाएं व्यक्त की गई हैं। पत्र में आग्रह किया गया औ कि सदन की भावनाओं को अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और उनकी टीम तक भेजा जाए। विस अध्यक्ष ने कहा है कि यह मानव जगत के लिए बहुत ही गौरव की बात है। इसके साथ ही विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने गुरुवार को विधायक सावित्री जिंदल के जन्मदिवस के अवसर पर अपनी और पूरे सदन की ओर से बधाई व शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने सावित्री जिंदल के स्वस्थ जीवन, उज्ज्वल भविष्य और दीर्घायु की कामना की है। उल्लेखनीय है कि विधानसभा में 19 मार्च को प्रदेश के ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने इस संबंध में एक प्रस्ताव सदन में पेश किया था। विस अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और उनकी टीम तक सदन की भावनाओं को पहुंचाने का आश्वासन दिया था।

आरएएस परीक्षा-2024 की तैयारी के लिए जनजाति वर्ग की छात्राओं को नि:शुल्क मिलेगी आवास व्यवस्था

जयपुर (हिंस)। आरएएस परीक्षा-2024 में प्री पास कर चुकी जनजाति वर्ग की जयपुर में कोचिंग या स्वयं के स्तर पर परीक्षा के अगले चरण की तैयारी कर रही प्रतिभागियों के नि:शुल्क आवास और भोजन की व्यवस्था के लिए जनजातीय क्षेत्रीय विकास विभाग कर रहा है। आयुक्त शक्ति सिंह ने बताया कि विभाग द्वारा संचालित शिक्षा, कौशल प्रशिक्षण केंद्र, जयपुर में उनके लिए नि:शुल्क भोजन और आवास व्यवस्था की जा रही है। अभ्यर्थी राजस्थान की मूल निवासी, अनुसूचित जनजाति वर्ग से हो। अभ्यर्थी के परिवार की कुल मिलाकर वार्षिक आय आठ लाख रुपए से कम हो। यदि माता-पिता में से कोई राजस्थान सरकार में सेवारत है तो पे मेट्रिक्स पर अधिकतम लेवल-11 तक वेतन प्राप्त कर रहे हो। अभ्यर्थी के माता-पिता या अभिभावक के वेतनभोगी होने पर उन्हें अपने कार्यालय अध्यक्ष या नियोक्ता द्वारा जारी आय प्रमाण पत्र-वेतन प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा। ऑनलाईन आवेदन प्रक्रिया के लिए विभागीय वेबसाईट के लिंक पर आवेदन कर सकते है।

राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि मामला

नहीं हुई सुनवाई, अगली तारीख तीन अप्रैल को

सुल्तानपुर (हिंस)। नेता प्रतिपक्ष व रायबरेली से सांसद राहुल गांधी के मानहानि मामले में गुरुवार को एमपी-एमएलए की विशेष कोर्ट में वकीलों की हड़ताल के प्रस्ताव के कारण सुनवाई नहीं हो पाई। परिवादी के वकील संतोष पांडेय ने बताया कि अब तीन अप्रैल को मामले की सुनवाई होगी। कोतवाली देहात क्षेत्र के हनुमानगंज निवासी व भाजपा नेता विजय मिश्रा ने वर्ष 2018 में राहुल गांधी के विरुद्ध मानहानि का परिवाद एमपी-एमएलए कोर्ट में दर्ज कराया था। उन्होंने आरोप लगाया था कि 2018 में कर्नाटक चुनाव के दौरान राहुल गांधी ने अभद्र टिप्पणी की थी, इससे मैं आहत हुआ हूं। कोर्ट में पांच साल लंबी प्रक्रिया चली, राहुल गांधी हाजिर नहीं हुए तो दिसंबर 2023 में अदालत ने वारंट जारी कर उन्हें तलब किया था। तब

फरवरी 2024 को राहुल गांधी ने कोर्ट में सरेंडर किया था। विशेष मजिस्ट्रेट की अदालत ने उन्हें 25-25 के दो मुचलके पर जमानत दे दी थी। इसके बाद राहुल गांधी को कोर्ट ने बयान दर्ज करने के लिए बुलाया गया। दर्जन भर तारीख पढ़ने के बाद बीते 26 जुलाई को राहुल कोर्ट में पहुंचे थे और उन्होंने अपना बयान दर्ज कराया था। उन्होंने स्वयं को निर्दोष बताया और कहा था कि मेरे खिलाफ राजनीतिक साजिश हो रही है। इसके बाद कोर्ट में वादी को साक्ष्य प्रस्तुत करने के निर्देश हुए। इस वर्ष दो जनवरी को जिरह पूरी नहीं होने पर कोर्ट ने 10 जनवरी व 22 जनवरी की तारीख नियत की थी, लेकिन इन दोनों ही तिथियों पर अधिवक्ताओं की हड़ताल के चलते सुनवाई पुन: टल गई थी। 30 जनवरी को तिथि नियत हुई तो राहुल गांधी के अधिवक्ता काशी शुक्ला के अस्वस्थ होने के चलते जिरह नहीं हो सकी थी। इसी तरह कुछ न कुछ कारणों के चलते लगातार सुनवाई टलती आ रही है।

औरंगजेब को लेकर भड़काऊ बयान देने पर बजरंग दल के नेता को जेल

कानपुर (हिंस)। कमिश्नरेट स्वरूप नगर पुलिस ने औरंगजेब की कब्र को लेकर भड़काऊ और विवादित बयान देने पर बजरंग दल के नेता कृष्णा तिवारी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। बुधवार की देर रात की गई इस कार्रवाई के बाद पुलिस ने बताया कि त्योहारों के मद्देनजर शहर में बीएनएस की धारा 163 लागू है। बावजूद इसके खुद को बजरंग दल का नेता बताने वाले कृष्णा के बयान से माहौल काफी गरमा गया था। इसी के चलते उस पर शांति भंग की कार्रवाई करते हुए जेल भेजा गया है। स्वरूप नगर थाने के दरोगा विपिन कुमार की तहरीर पर खुद को बजरंग दल का पूर्व जिला संयोजक बताने वाले कृष्णा तिवारी समेत 15 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक मंगलवार को कृष्णा तिवारी ने अपने समर्थकों के साथ मोतीझील स्थित शिवाजी प्रतिमा के समक्ष औरंगजेब का पुतला दहन करने के साथ ही औरंगजेब की कब्र को लेकर भड़काऊ बयान दिए थे। उस वक्त मौके पर मौजूद पुलिस खुफिया तंत्र (एलआईयू) ने इसे गंभीरता से लेते हुए रिपोर्ट बनाकर आला अधिकारियों को सौंपी थी। एलआईयू की रिपोर्ट के बाद कृष्णा तिवारी और उसके समर्थक अनिल, सुमित, आलोक और दस से पंद्रह अज्ञात लोगों के खिलाफ साम्प्रदायिक हिंसा भड़काने की कोशिश समेत अन्य गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया। पुलिस ने तत्काल प्रभाव से कृष्णा तिवारी को मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश कर शांतिभंग की कार्रवाई करते हुए जेल भेज दिया है।

पप्पू यादव माफी मांगे नहीं तो मंदिरों, धार्मिक, सांस्कृतिक आयोजनों में आने से रोका जाएगा : विहिप-बजरंग दल

पूर्णिया (हिंस)। विश्व हिंदू परिषद एवं उसके युवा आयाम बजरंग दल ने पूर्णिया के निर्दलीय सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव द्वारा लगातार हिंदू संगठन एवं सनातन विरोधी ब्यान दिए जाने पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त किया है। सांसद एक मर्यादित एवं गरिमामय पद होता है जिसे पप्पू यादव सस्ती लोकप्रियता हासिल करने, खबर में बने रहने एवं संप्रदाय विशेष को खुश करने के लिए अनाप शनाप, उल्टा-पुल्टा ब्यान देकर धूमिल कर रहे हैं। उनके स्नातन विरोधी एवं हिंदू संगठन विरोधी बयान से आम आवाम एवं हिंदुवादी संगठन काफी आक्रोशित होते हुए उनके बेतुका बयानों का घोर निंदा करते हुए सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग की है। वरना उनके खिलाफ विहिप बजरंगदल के साथ साथ सभी हिंदू वादी संगठन और समस्त हिंदू समाज मिलकर पुरजोर विरोध करेगा। उनके खिलाफ आक्रोश प्रदर्शन के साथ साथ उनका पुतला दहन किया जाएगा। इतना ही नहीं यदि वे अपने सनातन विरोधी, सनातन संगठन विरोधी, सनातन धार्मिक आयोजन विरोधी एवं साधु संत विरोधी ब्यान से बाज नहीं आए तो उनको हिंदू के धार्मिक, सामाजिक, सांस्कृतिक आयोजनों एवं कार्यक्रमों में आने से रोका जाएगा। प्रशासन से भी ऐसे भरकाऊ ब्यान देने वाले सांसद को रामनवमी शोभायात्रा जैसे बड़े आयोजन में प्रतिबंधित करने की मांग करेगी ताकि समाज में शांति और सौहार्द बनी रहे। इनके बेतुका और अनर्गल हिंदू संगठन विरोधी बयान से पूर्णिया का माहौल खराब हो रहा है। बोट बैंक एवं तुष्टिकरण की रणनीति और सुनियोजित साजिश के तहत सांसद पप्पू यादव पूर्णिया के माहौल को खराब कर राजनीतिक रोटी सेकना चाहते हैं जो कहीं से भी उचित नहीं है। विहिप, बजरंगदल, संघ परिवार को दंगाई कहना, संविधान विरोधी, राष्ट्र विरोधी कहना, बैन करने की बात जो इनके बुते से बाहर की है कि मांग करना इनके मानसिक दिवालियापन को दर्शाता है। जिसे हिंदू समाज कभी बर्दाश्त नहीं करेगी।आनेवाले समय में हिंदू समाज इनका सामूहिक विरोध करते हुए सबक सिखाने का कार्य करेगी।

दुर्भाग्यवश ये पूर्णिया सांसद के पद को सुशोभित करने के बजाय कलंकित कर रहे हैं। जल्द ही सांसद के बेतुका बयान के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करते हुए सामुहिक वहिष्कार किया जाएगा। विश्व हिंदू परिषद बजरंगदल हिंदू समाज का प्रतिनिधित्व करती है। विहिप की स्थापना हिंदू के मान बिंदुओं मठ- मंदिर, धर्म ग्रंथ, साधु -संतों मां बहनों, गंगा और गौमाता की रक्षा और संवर्धन के साथ साथ हिंदुओं को संगठित, संस्कारित और सबल बनाने के उद्देश्य से हुआ है। बजरंगदल सेवा सुरक्षा और संस्कार के ध्येय वाक्य के तहत कार्य करती है। विहिप किसी दुसरे धर्मों का विरोध नहीं करती है बल्कि अपने धर्म और संस्कृति में आई विकृतियों को दुर करने के लिए सर्वे भवन्तु सुखिन सर्वे सन्तू निरामया के साथ कार्य करती है। विहिप कोई राजनीतिक संगठन नहीं है बल्कि यह एक विश्वव्यापी और भारत का सबसे बड़ा सांस्कृतिक अंतर्राष्ट्रीय संगठन है। पूर्णिया सांसद पप्पू यादव अपने सनातन विरोधी और संगठन विरोधी बयान पर खेद व्यक्त करते हुए हिंदू समाज और विहिप बजरंगदल से क्षमा याचना करें अन्यथा उनके खिलाफ राज्यव्यापी आंदोलन किया जाएगा। पप्पू यादव के विवादित बयान पर आक्रोश व्यक्त करने वालों में विहिप बजरंगदल के मृत्युंजय महान, रंजन कुणाल, निलाभ रंजन झा, विनीत भदोरिया, मंतोष कुमार झा, मुकेश कुमार आदि प्रमुख हैं

सोने ने बनाया नया रिकॉर्ड, चांदी भी चमकी

नई दिल्ली

सोने के भाव आए दिन नया रिकॉर्ड बना रहे हैं। घरेलू और वैश्विक दोनों बाजार में गुरुवार को फिर सोने के वायदा भाव ने नया रिकॉर्ड बना लिया। घरेलू बाजार में इसके वायदा भाव 89,796 रुपये पर और वैश्विक बाजार में 3065.20 डॉलर के भाव पर ऑल टाइम हाई पर पहुंच गए।

चांदी की वायदा कीमतों में भी तेजी देखी जा रही है। सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अप्रैल कॉन्ट्रेक्ट 858 रुपये की तेजी के साथ 89,460 रुपये भाव पर खुला।

सोने का भाव 89,796 रुपये, चांदी फिर 1 लाख के पार

पिछला बंद भाव 88,602 रुपये था। इस समय यह 327 रुपये की तेजी के साथ 88,829 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 89,796 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 88,914 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया।

सोने के वायदा भाव ने 89,796 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत भी तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मार्च कॉन्ट्रेक्ट 575 रुपये की तेजी के साथ 1,00499 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 99,924 रुपये था। इस समय यह 572 रुपये की तेजी के साथ 1,00496 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 1,00651 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 1,00440 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। चांदी के वायदा भाव ने पिछले सप्ताह 1,01,999 रुपये किलो के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया था। वैश्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। कॉमेक्स पर सोना 3,058 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 3,041.20 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 16.50 डॉलर की तेजी के साथ 3,057.70 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। इसके भाव वायदा और हाजिर दोनों मार्केट में ऑल टाइम हाई पर पहुंच गए थे। इस समय इसने वायदा में 3065.20 और हाजिर में 3055 डॉलर के भाव पर उच्चतम स्तर छू लिया। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 34.42 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 34.20 डॉलर था। इस समय यह 0.25 डॉलर की तेजी के साथ 34.45 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

न्यूज ब्रीफ

गोल्ड ईटीएफ में बढ़ रही निवेशकों की रुचि, हुआ रिकॉर्ड निवेश

नई दिल्ली। सोने की कीमतों में लगातार तेजी के दौरान गोल्ड एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) में निवेशकों की दिलचस्पी देखी जा रही है। 14 मार्च 2025 को समाप्त सप्ताह में ग्लोबल गोल्ड ईटीएफ में 3.1 बिलियन डॉलर का नेट इनफ्लो दर्ज किया गया। यह लगातार सातवां हफ्ता था जब गोल्ड ईटीएफ में निवेश का प्रवाह बना रहा। नफ्लो की इस तेजी से गोल्ड ईटीएफ का एसेट अंडर मैनेजमेंट रिकॉर्ड 325.2 बिलियन डॉलर पर पहुंच गया। कुल गोल्ड होल्डिंग 3,394 टन दर्ज की गई, जो जुलाई 2023 के बाद का सबसे ऊंचा स्तर है। अमेरिका में बीते हफ्ते अमेरिकी गोल्ड फंड्स में 2.1 बिलियन डॉलर का इनफ्लो देखा गया। यूरोप में 0.7 बिलियन डॉलर का निवेश आया। एशियाई बाजारों में भी निवेशकों की दिलचस्पी दिखी, जहां 0.2 बिलियन डॉलर का इनफ्लो दर्ज किया गया। एशिया में चीन सबसे आगे रहा, जहां गोल्ड ईटीएफ में 153.1 मिलियन डॉलर का निवेश आया। इस महीने अब तक गोल्ड ईटीएफ में कुल 3.5 बिलियन डॉलरका निवेश आ चुका है। अगर महीने के दूसरे हिस्से में कोई बड़ी निकासी नहीं होती, तो मार्च लगातार चौथा महीना होगा जब गोल्ड ईटीएफ में नेट इनफ्लो देखा गया। विशेषज्ञों का मानना है कि वैश्विक स्तर पर बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और संभावित ट्रेड वॉर की आशंका के चलते गोल्ड को सेफ-हेवन एसेट के रूप में अपनाया जा रहा है। निवेशक अपने पोर्टफोलियो को सुरक्षित करने के लिए गोल्ड ईटीएफ का रुख कर रहे हैं।

रेनॉल्ट इंडिया अप्रैल से कीमतों में वृद्धि करेगी

नई दिल्ली। वाहन विनिर्माता रेनॉल्ट इंडिया ने अप्रैल से अपने सभी मॉडल की कीमतों में दो प्रतिशत तक की वृद्धि करने की घोषणा की है। यह वृद्धि विभिन्न संस्करण और मॉडल के लिए अलग-अलग होगी। प्रबंधक निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने इस निर्णय की जिम्मेदारी ली है और कहा कि कच्चे माल की लागत में वृद्धि के कारण मूल्यों में इस बढ़ोतरी को आवश्यक महसूस किया गया है। इस पहली मूल्य वृद्धि के बाद रेनॉल्ट इंडिया ने मारुति सुजुकी, हुंदई, टाटा मोटर्स, किआ इंडिया और होंडा कार्स के साथ एक लंबा सूचीबद्ध वाहन निर्माताओं के पंजे को भी जोड़ दिया है। यह निर्माताएं भी मई महीने से वाहनों की कीमतें बढ़ाने की योजना बना रही हैं। कंपनी का निर्णय उन्हें कठिनाई में डाल सकता है, लेकिन उन्होंने यह कदम अपने उच्च गुणवत्ता वाहनों की सपोर्ट सेवाएं और नवाचार से अपना रेंज बनाए रखने के लिए उठाया है। इस निर्णय के परिणामस्वरूप, ग्राहकों को वाहन की खरीद पर अब अधिक खर्च करना पड़ सकता है। हालांकि, सतर्क रहना और विभिन्न ऑप्शन की तुलना करना महत्वपूर्ण होगा।

इरेडा सतत बॉण्ड के जरिये 1,247 करोड़ जुटाएगी

नई दिल्ली। भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी लिमिटेड (इरेडा) ने भारत के हरित ऊर्जा बुनियादी ढांचे के विस्तार को समर्थन करने के लिए 1,247 करोड़ रुपये जुटाने के लिए अपना पहला सतत बॉण्ड जारी किया है। इस बॉण्ड को 8.40 प्रतिशत की वार्षिक कूपन दर पर जारी किया गया है। इसका उद्देश्य है हमारे पूंजी आधार को मजबूत करके नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के लिए वित्तपोषण बढ़ाना। इरेडा के चेयरमैन ने कहा कि स्थायी बॉण्ड के माध्यम से वे स्वच्छ और अधिक टिकाऊ भविष्य की ओर कदम बढ़ा सकेंगे। इस बीच, इरेडा को आयकर विभाग से 24.48 करोड़ रुपये का पुनर्भुगतान प्राप्त हुआ है, जो कुछ अस्वीकृतियों से संबंधित आंशिक राहत के लिए दिया गया है। यह बॉण्ड इरेडा के ऊर्जा परियोजनाओं को वित्तीय सहायता प्रदान करके भारतीय हरित ऊर्जा क्षेत्र को और भी मजबूत बनाने में मदद करेगा। यह कदम एक सुधारात्मक परिवर्तन का प्रतीक है जो हमारे देश के समृद्धि और स्वच्छता के लिए महत्वपूर्ण है।

भारत अपने शुल्क में काफी हद तक कटौती करेगा : ट्रंप

न्यूयॉर्क

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का कहना है कि भारत के वस्तुओं पर लगाए गए शुल्क कम कर सकता है। हालांकि, उन्होंने दो अप्रैल से भारत पर अमेरिकी शुल्क लगाने की भी चेतावनी दी है। ट्रंप ने अपने साक्षात्कार में एक न्यूज चैनल के साथ इस मुद्दे पर विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा, भारत दुनिया में सबसे अधिक शुल्क लगाने वाले देशों में से एक है। मेरा मानना है कि भारत संभवतः अपने शुल्कों में कटौती करने जा रहा है, लेकिन हम उनसे वही शुल्क वसूलेंगे जो वे हमसे वसूलते हैं।

ट्रंप ने भारत-पश्चिम एशिया-यूरोप-आर्थिक गलियारे (आईएमईसी) के माध्यम से व्यापारिक संबंधों की महत्वपूर्णता को मान्यता दी और उन्होंने भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ सहयोग की भावना व्यक्त की। हालांकि, इस विवादित मुद्दे पर अभी तक दोनों देशों के बीच कोई समझौता नहीं हुआ है। गौरतलब है कि ट्रंप ने इस महीने की शुरुआत में कहा था कि भारत अपने शुल्क में काफी कटौती करने पर सहमत हो गया है। उन्होंने अपना यह दावा भी दोहराया था कि अमेरिका पर भारत भारी शुल्क लगाता है, जिससे वहां उत्पाद बेचना मुश्किल हो जाता है। हालांकि, वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल ने 10 मार्च को नई दिल्ली में एक संसदीय समिति को बताया कि बातचीत अब भी जारी है और भारत तथा अमेरिका के बीच व्यापार शुल्क पर अभी तक कोई समझौता नहीं हुआ है।

अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया

वाशिंगटन। अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया है। फेड ने इंटरेस्ट रेट को 4.25-4.50 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखा। फेड चेयरमैन ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की टैरिफ पॉलिसी के बीच बढ़ती महंगाई के जोखिम को लेकर चेतावनी भी दी। जिरोम पॉवेल ने मुद्रास्फीति पर टैरिफ के प्रभाव का आकलन करने की चुनौती को स्वीकार किया, लेकिन सर्वे की ओर इशारा करते हुए कहा कि टैरिफ पहले से ही महंगाई की उम्मीदों को बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुद्रास्फीति में अब वृद्धि शुरू हो गई है। हालांकि, फेड के ब्याज दरों में बदलाव के बाद भी अमेरिकी शेयर बाजारों में तेजी देखने को मिली और इसकी वजह यह रही कि बढ़ती महंगाई पर चिंताओं के बावजूद, फेड के पॉलिसी मेकर अब भी 2025 में दरों में आधा प्रतिशत की कमी का अनुमान जता रहे हैं, जो इस वर्ष दो चौथाई अंकों की कटौती का संकेत देता है। अमेरिकी सूचकांक डाऊ जोन्स और नैस्डेक करीब डेढ़ फीसदी तक चढ़कर बंद हुए। अमेरिकी फेडरल रिजर्व के फैसले के बाद और यूएस मार्केट में आई तेजी से भारतीय शेयर बाजार पर भी इसका असर देखने को मिल सकता है।

दिल्ली के पेट्रोल पंप पर लगे खास डिवाइस

नई दिल्ली

अगर आप दिल्ली में रहते हैं और आपके पास पीयूसीसी सर्टिफिकेट नहीं है तो आपकी मुश्किलें बढ़ सकती हैं। दरअसल दिल्ली के पेट्रोल पंप पर अनोखे डिवाइस लगे हैं, जो पंप पर आने वाली हर गाड़ी को स्कैन करेंगे। पेट्रोल पम्प पर लगा कैमरा भी इस डिवाइस से कनेक्टेड होगा। इस दौरान यह डिवाइस इनफार्मेशन फेच करेगा और अगर गाड़ी का पीयूसी सर्टिफिकेट नहीं है तो स्पीकर से आवाज़ आएगी।

स्पीकर बजते ही पकड़ी जाएगी आपकी चोरी

इसके बाद जानकारी पोर्टल में आ जाएगी कि गाड़ी कितनी पुरानी है और पीयूसी है या नहीं दरअसल, यह सारी कवायद सरकार की उस फैसले के बाद शुरू हुई है जिसमें एक अप्रैल से वो तमाम गाड़ियां जो 15 साल पुरानी है उनको पेट्रोल पम्प से फ्यूल नहीं मिलेगा. उसी दिशा में डिवाइव्स लगाए जा रहे हैं।

पीयूसी सर्टिफिकेट यह सुनिश्चित करता है कि आपकी गाड़ी सड़क पर प्रदूषण फैलाने में योगदान नहीं कर रहा है और यह पर्यावरण के लिए सुरक्षित है। पीयूसी सर्टिफिकेट के लिए आप अपने वाहन को किसी भी अधिकृत प्रदूषण जांच केंद्र पर ले जाकर पीयूसी टेस्ट करा सकते हैं और से प्रमाण पत्र हासिल कर सकते हैं।

शाइन 100 का नया अपडेटेड वर्जन लॉन्च

नई दिल्ली। दोपहिया वाहन निर्माता कंपनी होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया (एचएमएसआई) ने अपनी लोकप्रिय एंट्री-लेवल बाइक शाइन 100 का नया अपडेटेड वर्जन लॉन्च कर दिया है। होंडा के सेल्स और मार्केटिंग डायरेक्टर योगेश माथुर ने बताया कि शाइन 100 लंबे समय से किफायती कीमत में शानदार गुणवत्ता और आराम प्रदान करने वाली बाइक रही है। इस नए अपग्रेड के जरिए कंपनी इसकी अपील को और बढ़ाने और उत्सर्जन मानकों का पालन सुनिश्चित करने के साथ-साथ इसके माइलेज और विश्वसनीयता को बरकरार रखने पर जोर दे रही है। नई होंडा शाइन 100 में 98.98सीसी का सिंगल-सिलेंडर, एयर-कूल्ड, फ्यूल-इंजेक्टेड इंजन दिया गया है, जो ओबीडी2बी उत्सर्जन मानकों के अनुरूप है। यह इंजन 7.28 बीएचपी की पावर और 8.04 एनएम का टॉर्क जेनरेट करता है। बाइक में 4-स्पीड गियरबॉक्स दिया गया है, जिससे स्मूथ परफॉर्मेंस मिलती है। डिजाइन की बात करें तो यह शाइन 125 से प्रेरित दिखती है, लेकिन इसमें नए बॉडी ग्राफिक्स जोड़े गए हैं। बाइक में ब्लैक्ड-आउट अलॉय व्हील्स, सिंगल-पीस सीट, स्लीक मफलर, एल्युमिनियम ग्रैब रेल और फ्रंट काउल दिए गए हैं। इसे मजबूत डायमंड-टाइप फ्रेम पर बनाया गया है, जिसमें टेलिस्कोपिक फ्रंट फोर्क्स और ट्विन रियर शॉक एब्जॉर्बर्स दिए गए हैं।

वेंकवूर ऑटो शो

वेंकवूर ऑटो शो में आये लोग पैगानी हुआरा रोडस्टर को देखते हुए। कवेंशन सेंटर में लगे इस शो में कई प्रकार के वाहनों की रेंज पेश की गयी। इसमें लक्जरी सुपरकार से लेकर इलेक्ट्रिक और हाइब्रिड मॉडल भी शामिल थे।

अप्रैल से मारुति सुजुकी विभिन्न मॉडलों की कीमतों में करेगी बढ़ोतरी

नई दिल्ली

कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया ने घोषणा की है कि अप्रैल 2025 से वह अपने विभिन्न मॉडलों की कीमतों में 4 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी करने जा रही है। मारुति सुजुकी पहले भी इनपुट लागत बढ़ने के चलते कारों के दाम बढ़ा चुकी है। इस बार भी कच्चे माल की कीमतों में वृद्धि और अन्य खर्चों में इजाफे के कारण कंपनी को यह फैसला लेना पड़ा है। अगर आप मारुति की कार खरीदने की सोच रहे हैं, तो मार्च 2025 तक बुकिंग कराना फायदेमंद हो सकता है, क्योंकि अप्रैल के बाद कारों की कीमतें बढ़ जाएंगी। मारुति सुजुकी भारतीय बाजार में शुरुआती स्तर की ऑल्टो के10 से लेकर प्रीमियम एमपीवी इनविक्टो तक के मॉडल बेचती है। कंपनी ने जनवरी 2025 में भी कीमतों में 32,500 रुपये तक की वृद्धि की थी। अब अप्रैल से यह बढ़ोतरी फिर से लागू होगी। वाहन उद्योग के जानकारों के अनुसार, ऑटो सेक्टर में बढ़ती महंगाई और अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे माल की कीमतों में उछाल के कारण कंपनियां लगातार कीमतें बढ़ाने को मजबूर हो रही हैं। मारुति सुजुकी कंपनी ने भी इस फैसले के पीछे उत्पादन लागत में बढ़ोतरी और मूल्य वृद्धि के दबाव को मुख्य कारण बताया है।

आरबीआई के कार्यकारी निदेशक बने इंद्रनील भट्टाचार्य

मुंबई

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने इंद्रनील भट्टाचार्य को कार्यकारी निदेशक (ईडी) नियुक्त करने की घोषणा की है। आरबीआई की ओर से जारी बयान के अनुसार कार्यकारी निदेशक के रूप में भट्टाचार्य आर्थिक एवं नीति अनुसंधान विभाग का कार्यभार संभालेंगे। भट्टाचार्य की नियुक्ति 19 मार्च से प्रभावी है। कार्यकारी निदेशक के रूप में पदोन्नति से पहले, भट्टाचार्य आरबीआई के मौद्रिक नीति विभाग में सलाहकार के रूप में कार्यरत थे। उन्होंने करीब तीन दशक की अवधि में मौद्रिक नीति विभाग, आर्थिक व नीति अनुसंधान विभाग और आरबीआई के अंतरराष्ट्रीय विभाग में मौद्रिक नीति, राजकोषीय नीति, बैंकिंग तथा अंतरराष्ट्रीय आर्थिक संबंधों के क्षेत्रों में काम किया है। उन्होंने कतर सेंट्रल बैंक (दोहा) कतर में गवर्नर के तकनीकी कार्यालय में पांच वर्ष (2009-14) तक आर्थिक विशेषज्ञ के रूप में भी काम किया है। केंद्रीय बैंक ने कहा कि मुख्य रूप से मौद्रिक सिद्धांत व नीति, वित्तीय बाजार, बाजार सूक्ष्म संरचना और राजकोषीय नीति में उनकी रुचि है।

पीटीसी इंडिया ने पीटीसी एनर्जी में अपनी हिस्सेदारी ओएनजीसी ग्रीन को बेची

नई दिल्ली। पीटीसी इंडिया ने कहा है कि उसने प्राप्त की शेष 254 करोड़ रुपये की राशि के साथ पूरी हिस्सेदारी का अधिकार प्राप्त करने के बाद पीटीसी एनर्जी में अपनी हिस्सेदारी को बेचने की घोषणा की है। ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉर्पोरेशन ग्रीन लिमिटेड से 925 करोड़ रुपये के साथ कुल 1,179 करोड़ रुपये प्राप्त करने के बाद, कंपनी ने 19 मार्च को पीटीसी एनर्जी लिमिटेड की 100 प्रतिशत हिस्सेदारी को बेचने की घोषणा की है। इस घटना ने शेयर बाजार को अचानक हलचल में डाल दिया है। अनुदान और निवेश कंपनी पीटीसी इंडिया के इस निर्णय ने बाजार में चर्चा का विषय बना दिया है। इसके साथ ही ओएनजीसी ग्रीन लिमिटेड के स्टॉक की कीमतों में भी भरपूर उतार-चढ़ाव देखने को मिला है। पीटीसी इंडिया ने बताया है कि इस पूरे सौदे का मुख्य उद्देश्य उनके वित्तीय लक्ष्यों को पूरा करना और कंपनी की वृद्धि में मदद करना है।

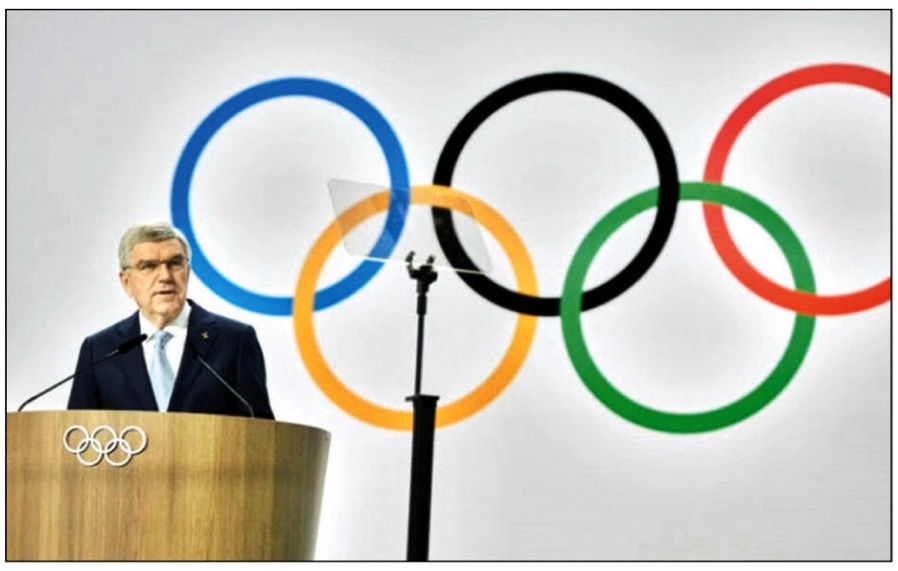

आईओसी के आजीवन मानद अध्यक्ष बने थॉमस बाक

कोस्टा नावारिनो, (ग्रीस)

अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के अध्यक्ष थॉमस बाक को बुधवार को आजीवन मानद अध्यक्ष नामित किया गया। यह ऐतिहासिक घोषणा 144वें आईओसी सत्र के पहले दिन हुई, जब बाक जून में 12 वर्षों के नेतृत्व के बाद पद से हटने की तैयारी कर रहे हैं।

ग्रीस के कोस्टा नावारिनो में आयोजित सत्र में आईओसी सदस्यों ने सर्वसम्मति से प्रस्ताव को मंजूरी दी और तालियों की गड़गड़ाहट के बीच इस सम्मान को स्वीकार करने के लिए बाक मंच की ओर बढ़े। 71 वर्षीय इस दिग्गज खेल प्रशासक ने भावुक होकर कहा, मैं इस महान सम्मान को गहरी विनम्रता के साथ स्वीकार करता हूँ। यह सिर्फ एक व्यक्ति की उपलब्धि नहीं है, बल्कि हम सभी की संयुक्त सफलता है। अगर हम ओलंपिक मूल्यों के प्रति एकजुट नहीं होते, तो शायद हम यहां तक नहीं पहुंच पाते। इसलिए, जो सम्मान आज मुझे दिया जा रहा है, मैं उसे आप सभी को समर्पित करता हूँ। ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता रहे बाक ने खेलों के अपने जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा, कई लोग कह सकते हैं कि पिछले 12 साल कठिन रहे, त्याग की आवश्यकता थी, लेकिन मैंने इसे कभी बलिदान नहीं समझा। एक एथलीट के रूप में मेरा सफर खत्म होने के बाद मुझे खेलों के प्रति अपना जुनून बनाए रखने का सौभाग्य मिला। मेरा ओलंपिक स्वर्ण पदक मेरी जिंदगी बदलने वाला क्षण था, और आईओसी अध्यक्ष के रूप में, मुझे दूसरों के जीवन को बदलने का अवसर मिला। 23 जून को, जो कि ओलंपिक दिवस भी है, बाक का कार्यकाल आधिकारिक रूप से समाप्त होगा और आईओसी अपना 10वां अध्यक्ष चुनेगा। बाक ने विश्वास जताया कि संगठन का भविष्य उवल रहेगा। उनके कार्यकाल में बदलाव या बदलाव के लिए तैयार रहो के सिद्धांत पर चलते हुए कई ऐतिहासिक सुधार किए गए। तीन प्रमुख रणनीतिक रोडमैप – ओलंपिक एजेंडा 2020 (2014), ओलंपिक एजेंडा 2020+5 (2021) और ओलंपिक एआई एजेंडा (2024) – लागू किए गए, जिसने ओलंपिक आंदोलन को नई दिशा दी। आईओसी सत्र के दौरान, ओलंपिक एजेंडा की उपलब्धियों पर भी चर्चा की गई, जिसने ओलंपिक खेलों को आयोजित करने, प्रस्तुत करने और सुधारने में क्रांतिकारी बदलाव लाए। इस सुधार की सफलता को दर्शाने के लिए 30 मिनट की डॉक्यूमेंट्री भी प्रस्तुत की गई, जिसमें खिलाड़ियों, अधिकारियों और हितधारकों की प्रतिक्रियाएं शामिल थीं। बाक ने कहा, हमने ओलंपिक इतिहास में सबसे व्यापक सुधार कार्यक्रम शुरू किया। यह सिर्फ आईओसी के लिए नहीं, बल्कि पूरे ओलंपिक आंदोलन के लिए था – सहयोग, आधुनिकीकरण और दृढ़ संकल्प की यात्रा। इन सुधारों ने 10 प्रमुख क्षेत्रों को प्रभावित किया, जिनमें एथलीट सशक्तिकरण, लैंगिक समानता, सतत विकास, वित्तीय स्थिरता और डिजिटलाइजेशन शामिल हैं।

न्यूज ब्रीफ

आईपीएल 2025 के पहले तीन मैचों के लिए राजस्थान रॉयल्स की कप्तानी करेंगे रियान पराग

नई दिल्ली। युवा बल्लेबाज रियान पराग इंडियन प्रीमियर लीग 2025 (आईपीएल 2025) के पहले तीन मैचों के लिए राजस्थान रॉयल्स की कप्तानी करेंगे, फ्रेंचाइजी ने गुरुवार को इसकी घोषणा की। राजस्थान के पूर्णकालिक कप्तान संजू सैमसन को बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ने विकेटकीपिंग के लिए मंजूरी नहीं दी है और वे केवल बल्लेबाज/इम्पैक्ट प्लेयर के रूप में खेलने के लिए उपलब्ध रहेंगे। आधिकारिक बयान में कहा गया है, संजू सैमसन, रॉयल्स सेट-अप का अभिन्न अंग हैं, जब तक उन्हें विकेटकीपिंग और फील्डिंग के लिए मंजूरी नहीं मिल जाती, तब तक वे बल्ले से अहम योगदान देंगे। पूरी तरह से फिट होने के बाद वे कप्तान के रूप में वापसी करेंगे। इंग्लैंड के खिलाफ भारत की पांच मैचों की टी20 सीरीज के दौरान जोफ्रा आर्चर की बाउंसर लगने से सैमसन की उंगली में चोट लग गई थी। चोट के बाद उन्होंने क्षतिग्रस्त उंगली के इलाज के लिए सर्जरी करवाई। 30 वर्षीय सैमसन ने बेंगलुरु के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में अपना पुनर्वास पूरा किया और सोमवार को रॉयल्स के पहले अभ्यास सत्र में भाग लिया। कप्तान के रूप में पराग का पहला काम 23 मार्च को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ एक मैच होगा, इसके बाद गुवाहाटी में कोलकाता नाइट राइडर्स और चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ दो घरेलू मैच होंगे।

स्विस ओपन 2024 में पीवी सिंधु लगातार तीसरी बार पहले दौर में हारीं

नई दिल्ली। स्विस ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारत की दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु का खराब फॉर्म जारी रहा। उन्हें बुधवार को पहले ही दौर में डेनमार्क की जूली जैकबसेन से 17-21, 19-21 से हार का सामना करना पड़ा। यह इस साल उनका लगातार तीसरा टूर्नामेंट है, जहां वे पहले दौर से आगे नहीं बढ़ सकीं। पुरुष एकल: राजावत और शंकर की शानदार जीत भारत के प्रियंशु राजावत (विश्व रैंक 35) ने स्विट्जरलैंड के टोबियास क्युएनजी को सिर्फ 29 मिनट में 21-10, 21-11 से हराया। अगले दौर में उनका मुकाबला फ्रांस के टोमा जूनियर पोपोव से होगा। एस शंकर मुथुस्वामी सुब्रमण्यम ने डेनमार्क के मैग्नस जोहानसेन को 21-5, 21-16 से हराकर शानदार प्रदर्शन किया। अब वे दूसरे दौर में दूसरी वरीयता प्राप्त डेनमार्क के एंडर्स एंटोनसन से भिड़ेंगे। हालांकि, भारत के किरण जॉर्ज को कड़े मुकाबले में डेनमार्क के रासमुस गेम्के से 21-18, 17-21, 10-21 से हार झेलनी पड़ी और वे टूर्नामेंट से बाहर हो गए। अन्य भारतीय परिणाम महिला एकल में अनुपमा उपाध्याय ने अनमोल खरब को 21-14, 21-13 से हराया। अगले दौर में उनका सामना चौथी वरीयता प्राप्त इंडोनेशिया की पुत्रि कुसुमा वारदानी से होगा। मिश्रित युगल में सतीश कुमार करुणाकरन और आद्या वारियाथ की जोड़ी ने अल्जीरिया के तनीना और कोसिला मामेरी को 21-15, 22-20 से हराया।

शाकिब अल हसन की गेंदबाजी एक्शन को मिली क्लीन चिट, महीनों की अनिश्चितता के बाद राहत

नई दिल्ली। बांग्लादेश के दिग्गज ऑलराउंडर शाकिब अल हसन को आखिरकार संदिग्ध गेंदबाजी एक्शन के मामले में क्लीन चिट मिल गई है। 37 वर्षीय शाकिब को इस मुद्दे को लेकर महीनों तक नकारात्मकता का सामना करना पड़ा, क्योंकि वह दो बार अपनी गेंदबाजी एक्शन की परीक्षा में असफल रहे थे। हालांकि, ताजा परीक्षण के नतीजे बताते हैं कि शाकिब ने आखिरकार अपने गेंदबाजी एक्शन को वैध साबित कर दिया है। यह खबर शाकिब के लिए बहुत बड़ी राहत लेकर आई है, क्योंकि उन्हें बांग्लादेश की चैंपियंस ट्रॉफी टीम में शामिल नहीं किया गया था। चयनकर्ताओं ने उन्हें केवल बल्लेबाज के रूप में टीम में लेने से इनकार कर दिया था। गेंदबाजी पर प्रतिबंध लगने के कारण वह उस आईसीसी टूर्नामेंट का हिस्सा नहीं बन सके, जिसे वह अपने अंतरराष्ट्रीय करियर का विदाई टूर्नामेंट मान रहे थे। शाकिब के लिए थर्ड टाइम लकी (तीसरी बार भाग्यशाली) वाली कहावत सही साबित हुई, क्योंकि इंग्लैंड में हुए उनके हालिया गेंदबाजी एक्शन टेस्ट में उन्होंने सफलता प्राप्त कर ली।

बीसीसीआई ने भारतीय क्रिकेट टीम को 58 करोड़ रुपये नकद पुरस्कार देने का किया ऐलान

नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में शानदार जीत दर्ज करने वाली भारतीय क्रिकेट टीम को 58 करोड़ रुपये के नकद पुरस्कार से सम्मानित करने की घोषणा की है। यह पुरस्कार खिलाड़ियों, कोचिंग स्टाफ, सपोर्ट स्टाफ और चयन समिति के सदस्यों को उनकी कड़ी मेहनत और समर्पण के लिए दिया जाएगा।

कप्तान रोहित शर्मा के नेतृत्व में भारतीय टीम ने टूर्नामेंट में जबरदस्त प्रदर्शन किया और चार शानदार जीत दर्ज करते हुए फाइनल तक का सफर तय किया। टीम ने अपने अभियान की शुरुआत बांग्लादेश के खिलाफ छह विकेट से जीत के साथ की, इसके बाद चिरप्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को भी छह विकेट से हराया। फिर न्यूजीलैंड के खिलाफ 44 रन से जीत दर्ज कर सेमीफाइनल में जगह बनाई और वहां ऑस्ट्रेलिया को चार विकेट से हराकर फाइनल में प्रवेश किया।

बीसीसीआई अध्यक्ष रोजर बिन्नी ने कहा, लगातार दो आईसीसी ट्रॉफी जीतना विशेष उपलब्धि है और यह पुरस्कार टीम इंडिया की समर्पण भावना और वैश्विक मंच पर उत्कृष्टता को दर्शाता है। यह केवल खिलाड़ियों की मेहनत का ही नहीं बल्कि उन सभी का सम्मान है, जो पर्दे के पीछे काम करते हैं। यह हमारी दूसरी आईसीसी ट्रॉफी है, इससे पहले हमने आईसीसी अंडर-19 महिला विश्व कप भी जीता था, जो हमारे देश में मजबूत क्रिकेटिंग ढांचे को दर्शाता है।

बीसीसीआई के सचिव देवजीत सैकिया ने कहा, बीसीसीआई को अपने खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ को यह पुरस्कार देने पर गर्व है। यह जीत भारतीय क्रिकेट की सफेदी गेंद प्रारूप में शीर्ष रैंकिंग को उचित ठहराती है। खिलाड़ियों की प्रतिबद्धता और समर्पण ने नए मानदंड स्थापित किए हैं, और हमें विश्वास है कि भारतीय क्रिकेट आने वाले वर्षों में भी नई ऊंचाइयों को छूता रहेगा।

बीसीसीआई के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने कहा, यह नकद पुरस्कार उन शानदार प्रदर्शन को सलाम है, जो टीम ने पूरे टूर्नामेंट में किए। खिलाड़ियों ने दबाव की परिस्थितियों में जबरदस्त संयम दिखाया और उनकी सफलता देशभर के युवा क्रिकेटरों के लिए प्रेरणा है। एक बार फिर टीम इंडिया ने दिखाया कि भारतीय क्रिकेट प्रतिभा, मानसिक दृढ़ता और विजयी मानसिकता की मजबूत नींव पर टिका है।

बीसीसीआई के कोषाध्यक्ष प्रभतेज भाटिया ने कहा, बीसीसीआई खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ की मेहनत और समर्पण को पहचानने में गर्व महसूस करता है। यह नकद पुरस्कार भारतीय क्रिकेट में उत्कृष्टता को प्रोत्साहित करने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। हम भारतीय क्रिकेट को विश्व मंच पर और मजबूत करने के लिए सर्वोत्तम संसाधन और बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराते रहेंगे। यह जीत हमारे क्रिकेट सिस्टम की मजबूती और हर स्तर पर उपलब्ध प्रतिभा को दर्शाती है।

ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर ग्रेस हैरिस ने सरे के साथ किया करार, महिला विटालिटी ब्लास्ट में खेलेंगी

नई दिल्ली

ऑस्ट्रेलिया की अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर ग्रेस हैरिस ने इंग्लैंड में होने वाले उद्घाटन महिला विटालिटी ब्लास्ट के लिए सरे के साथ करार किया है। 62 बार अपनी राष्ट्रीय टीम का प्रतिनिधित्व कर चुकीं हैरिस, सरे महिला टीम की पहली विदेशी खिलाड़ी बनी हैं। यह इंग्लैंड और वेल्स में महिला काउंटी क्रिकेट के नए पेशेवर युग में किसी भी टीम की पहली अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी का करार भी है।

महिला विटालिटी ब्लास्ट 2025 पहली बार पुरुष और महिला दोनों काउंटियों को एक साथ पेश करेगा। हैरिस सरे की ओर से 5 जून को हैंपशायर हॉक्स के खिलाफ द किआ ओवल में अपना पहला मैच खेलेंगी, जो पुरुषों की टीम के मुकाबले के साथ डबल-हेडर होगा।

विस्फोटक बल्लेबाजी और ऑफ स्पिन में माहिर हैं हैरिस

ग्रेस हैरिस अपनी आक्रामक बल्लेबाजी और चतुराई भरी ऑफ स्पिन गेंदबाजी के लिए जानी जाती हैं। वे दुनिया भर की कई फ्रेंचाइज़ी लीग्स में खेल चुकी हैं। उन्होंने अपने घरेलू क्लब ब्रिसबेन हीट के लिए महिला बिग बैश लीग में शानदार प्रदर्शन किया है। हाल ही में, उन्होंने विमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में यूपी वॉरियर्ज के लिए संयुक्त रूप से सर्वाधिक रन बनाए थे। इसके अलावा, वह द हंड्रेड में लंदन स्पिरिट का भी हिस्सा हैं।

हैरिस ने हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया का प्रतिनिधित्व किया था, जिसमें उनकी टीम ने इंग्लैंड को 16-0 से हराया था। ग्रेस हैरिस ने अपनी नई टीम के साथ जुड़ने पर खुशी जाहिर की। उन्होंने

कहा, मैं सरे टीम के साथ किआ ओवल में खेलने के लिए उत्साहित हूं। क्लब ने महिला क्रिकेट को लेकर मजबूत प्रतिबद्धता दिखाई है और टीम ने पूरे सर्दियों में कड़ी तैयारी की है। मैं इस टीम के लिए अपना योगदान देने और इस मौके का पूरा फायदा उठाने के लिए तैयार हूं।

सरे की डायरेक्टर ऑफ विमेंस क्रिकेट, एम्मा कैल्वर्ट ने कहा, हम बेहद रोमांचित हैं कि ग्रेस हमारी नव-व्यावसायिक सरे महिला टीम की पहली विदेशी खिलाड़ी बनी हैं। उनके पास अंतरराष्ट्रीय और फ्रेंचाइज़ी क्रिकेट का बेहतरीन अनुभव है, जो हमारी टीम के लिए मैदान के अंदर और बाहर दोनों जगह फायदेमंद होगा। वह उसी शैली की क्रिकेट खेलती हैं, जिसे हम अपनाना चाहते हैं और हम उन्हें तीन पंखों के साथ मैदान में देखने के लिए उत्सुक हैं।

27 जुलाई को होगा महिला विटालिटी ब्लास्ट का फाइनल

महिला टीम महिला विटालिटी ब्लास्ट के शीर्ष स्तर की आठ टीमों में शामिल होगी। ये सभी टीमें होम और अवे फॉर्मेट में 14 ग्रुप स्टेज मुकाबले खेलेंगी। शीर्ष तीन टीमें 27 जुलाई को किआ ओवल में होने वाले फाइनल्स डे में जगह बनाएंगी।

मियामी ओपन टेनिस

मियामी ओपन टेनिस में ऑस्ट्रेलिया के निक किरग्योस फोरहैंड शॉट लगाते हुए।

छेत्री की शानदार वापसी, भारत ने मालदीव को हराकर 489 दिनों बाद जीता फुटबॉल मैच

नई दिल्ली

भारत ने बुधवार को शिलांग के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में खेले गए फीफा इंटरनेशनल फ्रेंडली मैच में मालदीव को 3-0 से हराकर 15 महीने के अंतरराष्ट्रीय जीत के सूखे को समाप्त कर दिया। यह जीत नए स्पेनिश कोच मैनोलो मार्केज़ के नेतृत्व में भारत की पहली अंतरराष्ट्रीय जीत भी रही।

सीनियर डिफेंडर राहुल भेके (34) और प्लेयर ऑफ द मैच लिस्टन कोलासो (66) ने भारत के लिए बेहतरीन हेडर के जरिए गोल किए। हालांकि, सबसे बड़ा जश्न कप्तान सुनील छेत्री के लिए मनाया गया, जिन्होंने 76वें मिनट में कोलासो के बाएं फ्लैंक से आए क्रॉस को शानदार हेडर के जरिए नेट में डालकर अपना 95वां अंतरराष्ट्रीय गोल पूरा किया।

286 दिनों बाद छेत्री की वापसी, दर्शकों में दिखा उत्साह

यह मुकाबला शिलांग के जेएन स्टेडियम में पहली बार किसी सीनियर पुरुष

अंतरराष्ट्रीय मैच की मेजबानी कर रहा था, और स्टेडियम में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। भारत के दिग्गज स्ट्राइकर सुनील छेत्री ने 286 दिनों बाद टीम में वापसी की और अपना 152वां अंतरराष्ट्रीय मैच खेला।

मैच की शुरुआत से ही लिस्टन कोलासो, नाओरेम महेश सिंह और ब्रैंडन फर्नांडिस ने आक्रामक खेल दिखाया और मालदीव की रक्षा पंक्ति को चुनौती दी, लेकिन पहला गोल करने में टीम को समय लगा।

भेके और कोलासो के गोल से भारत को बढ़त मिली

34वें मिनट में ब्रैंडन फर्नांडिस के कॉर्नर पर राहुल भेके ने दमदार हेडर मारते हुए भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई। इसके बाद, भारत ने मालदीव को पूरी तरह दबाव में डाल दिया और दूसरे हाफ में कई मौके बनाए। 66वें मिनट में महेश सिंह के कॉर्नर पर लिस्टन कोलासो ने शानदार हेडर के साथ अपना पहला अंतरराष्ट्रीय गोल किया और स्कोर 2-0 कर दिया।

छेत्री ने शानदार गोल कर किया जीत पक्की

भारत के लिए अंतिम गोल 76वें मिनट में आया, जब सुनील छेत्री ने कोलासो के क्रॉस को हेडर के जरिए गोल में तब्दील कर दिया। 82वें मिनट में मैनोलो मार्केज़ ने छेत्री को सब्स्टीट्यूट कर इरफान यादवाड को मैदान पर भेजा। छेत्री जब मैदान से बाहर गए तो उन्हें दर्शकों से जबरदस्त सम्मान मिला। इस जीत के साथ भारत का आत्मविश्वास बढ़ा है और अब टीम 25 मार्च को इसी मैदान पर एएफसी एशियन कप 2027 क्वालिफायर्स में बांग्लादेश का सामना करेगी।

न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने वानखेड़े स्टेडियम में खेला क्रिकेट

मुंबई

न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने गुरुवार को मुंबई के ऐतिहासिक वानखेड़े स्टेडियम में कीवी स्पिनर एजाज पटेल, पूर्व बल्लेबाज रॉस टेलर और तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट के साथ क्रिकेट खेला। इस दौरान उन्होंने भारत और न्यूजीलैंड के बीच क्रिकेट संबंधों पर चर्चा की, जिनमें कई ऐतिहासिक लम्हे और रिकॉर्ड शामिल हैं।

लक्सन ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ तस्वीरें साझा कीं, जिनमें वह

वानखेड़े स्टेडियम में मौजूद नजर आ रहे हैं। इस दौरान न्यूजीलैंड के खिलाड़ी ट्रेंट बोल्ट, मिचेल सैंटनर और बेवन जैकब्स, मुंबई इंडियंस के लिए इंडियन प्रीमियर लीग के उद्घाटन मैच की तैयारी कर रहे थे। मुंबई इंडियंस 23 मार्च को चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ अपना पहला मुकाबला खेलेगी। लक्सन ने मजाकिया अंदाज में याद किया कि 2021 में इसी मैदान पर एजाज पटेल ने भारत के खिलाफ एक टेस्ट पारी में सभी 10 विकेट लेकर इतिहास रचा था, लेकिन वे खुद उन्हें आउट नहीं कर सके। उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा, भारत और न्यूजीलैंड को क्रिकेट से ज्यादा कुछ और नहीं जोड़ता। यहीं, वानखेड़े स्टेडियम में, एजाज पटेल ने टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में तीसरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया था। बस रिकॉर्ड के लिए बता दूं, उन्होंने मुझे आउट नहीं किया। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) के अध्यक्ष अजिंक्य नाइक ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष के रूप में, न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन का ऐतिहासिक वानखेड़े स्टेडियम में स्वागत करना मेरे लिए सम्मान की बात थी। इस दौरान हमने उन्हें मुंबई क्रिकेट की समृद्ध विरासत से अवगत कराया, जिसमें वानखेड़े स्टेडियम की भूमिका, महान भारतीय क्रिकेटरों का योगदान और 2011 विश्व कप जीत जैसी ऐतिहासिक उपलब्धियां शामिल हैं। भारत और न्यूजीलैंड के बीच गहरे क्रिकेट संबंधों को देखते हुए, यह गर्व का क्षण था कि हम मुंबई क्रिकेट की प्रतिभा और जुनून को दिखा सके।

दिल्ली के आधिकारिक दौरे के दौरान प्रधानमंत्री लक्सन ने क्रिकेट से जुड़ा एक दिलचस्प क्षण साझा किया। उन्होंने पूर्व कीवी क्रिकेटर रॉस टेलर के साथ स्थानीय बच्चों के साथ क्रिकेट खेला, जिससे दोनों देशों के बीच संबंधों को और मजबूती मिली।

लक्सन ने सोशल मीडिया पर ट्वीट किया, भारत और न्यूजीलैंड को क्रिकेट से ज्यादा कुछ और नहीं जोड़ता, जिससे दोनों देशों के बीच क्रिकेट के प्रति साझा प्रेम और गहरे संबंधों का पता चलता है।

हाल ही में भारत और न्यूजीलैंड दुबई में खेले गए आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के फाइनल में आमने-सामने थे, जहां भारतीय टीम ने कीवियों को हराकर खिताब जीता। हालांकि, इससे पहले न्यूजीलैंड ने भारत की घरेलू टेस्ट जीत की लय को तोड़ते हुए पिछले साल टेस्ट सीरीज में जीत हासिल की थी।

जिंक की कमी को न करें नजरअंदाज

शरीर के लगभग 300 एंजाइम इस पर रहते हैं निर्भर

आयरन या कैल्शियम की कमी की बात करने पर हमें स्वास्थ्य की अधिक चिंता होने लगती है, लेकिन जब कोई जिंक की कमी की बात करता है तो हम इतना अधिक ध्यान नहीं देते। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि इस महत्वपूर्ण खनिज की हल्की-सी कमी भी स्वास्थ्य संबंधी विभिन्न समस्याएं पैदा कर सकती हैं इसलिए जिंक का सेवन पर्याप्त मात्रा में करें। हमारे शरीर के 300 के लगभग एन्जाइम्स जिंक पर आधारित हैं, जिसका अर्थ है कि हमारा अच्छा स्वास्थ्य जिंक पर बहुत निर्भर करता है। आयरन के बाद हमारे शरीर की कोशिकाओं में जिंक सर्वाधिक मात्रा में पाया जाने वाला खनिज है। यह हमारी रोग-प्रतिरोधक प्रणाली, त्वचा के स्वास्थ्य तथा जख्मों के उपचार में बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसकी हल्की-सी कमी के चलते प्रतिरोधक क्षमता में कमी, त्वचा में कमजोरी, दृष्टि कम होना तथा अन्य कई समस्याएं पैदा हो जाती हैं।

क्या हैं इसके स्रोत...?

आपके लिए महत्वपूर्ण बात यह है कि आपको जिंक मिलता कहां से है। सप्लीमैंट्स के अतिरिक्त कई अन्य खाद्य हैं जिनमें जिंक मौजूद होता है जैसे पोल्ट्री उत्पाद, हरी पत्तेदार सब्जियां इत्यादि। शराब और कॉफी चूंकि मूत्रवर्धक होते हैं, जिसके चलते आपके शरीर से जिंक अधिक मात्रा में बाहर निकल जाता है। महत्वपूर्ण यह भी है कि जिंक का सेवन डॉक्टर द्वारा सुझाई गई मात्रा के अनुसार ही किया जाए, क्योंकि इसका अधिक इस्तेमाल आपके लिए टॉक्सिक हो सकता है। इसके कारण उबकाई आना, सिरदर्द, उल्टी आना तथा पेट का दर्द हो सकता है। नियमति तौर पर जिंक का अधिक सेवन बहुत ही घातक हो सकता है। इसके चलते आपके कुछ अंग काम करना बंद कर सकते हैं।

जांच और उपचार...

जिंक की कमी के उपचार में सबसे बड़ी चुनौती है इसके हल्के रूपों की जांच। हालांकि जिंक की कमी के गंभीर रूप की जांच हो सकती है पर हल्के रूप को कई बार नहीं जांचा जा सकता। सूखी त्वचा, आंखों से संबंधित समस्याएं, खुजली, डिप्रेशन, सूंघने और स्वाद लेने की शक्ति का अभाव जिंक की कमी का संकेत है। बच्चों में इसके लक्षण हैं डायरिया, घटिया विकास, सफेद नाखून तथा हाइपोपिगमैंटिड त्वचा। पुरुषों के लिए 16 मिग्रा प्रतिदिन, महिलाओं के लिए 15 मिग्रा प्रतिदिन और बच्चों के लिए 10 मिग्रा प्रतिदिन जिंक के सेवन का सुझाव दिया जाता है। जिन लोगों में जिंक की कमी है, उन्हें नियमित आधार पर सप्लीमेंट लेना चाहिए, क्योंकि भोजन के माध्यम से सिर्फ 20 से 40 प्रतिशत जिंक ही लिया जा सकता है।

अयोध्या की राजकुमारी कोरिया की रानी...

पिछले दिनों यूपी के सीएम अखिलेश यादव से दक्षिण कोरिया के एक दल ने लखनऊ में मुलाकात की। इस मौके पर सीएम ने विदेशी मेहमानों का सम्मान करते हुए अयोध्या की राजकुमारी सुरीरत्ना नी हुह वांग ओक अयुता के अयोध्या के सरयू तट पर स्थित स्मारक को भव्य बनाने की घोषणा की। वास्तव में क्या है पूरा मामला, कौन थीं राजकुमारी हुह वांग-ओक और उनका अयोध्या और दक्षिण कोरिया से क्या संबंध है, यही जानने की कोशिश है यह आलेख।

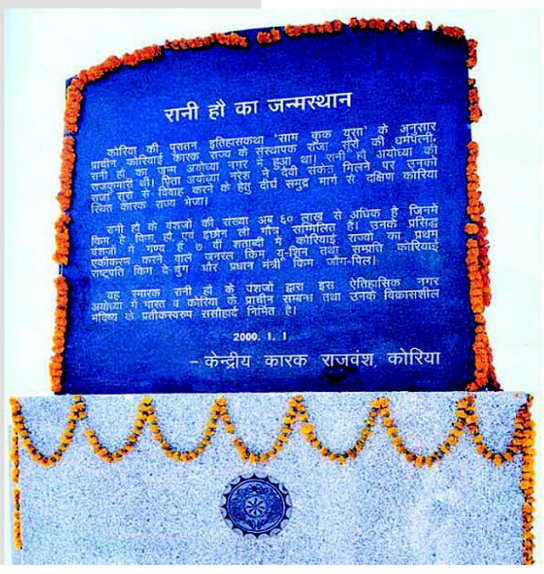

राजकुमार राम और अयोध्या से उनके 14 साल के वनवास की कथा हजारों साल से भारतीय किंवदंतियों का हिस्सा रही है, लेकिन बीते डेढ़ दशकों में इस पवित्र शहर से एक और शाही व्यक्ति के बाहरी दुनिया में जाने की बात लोगों की जुबान पर चढ़ रही है। दक्षिण कोरिया वालों का मानना है कि करीब दो हजार वर्ष पूर्व अयोध्या की 16 वर्षीय राजकुमारी हुह वांग-ओक से उनके राजा का विवाह हुआ था। मान्यताओं के अनुसार राजकुमारी समुद्र के रास्ते कोरिया पहुंची थीं। कोरिया के किम किम सुरो से उनका विवाह होने के बाद राजकुमारी का नाम हुह वांग-ओक रख दिया गया था। किम सुरो को कोरियन गणराज्य के करक का संस्थापक माना जाता है। इस समय किम उप नाम के साठ लाख से अधिक लोग कोरिया में हैं। अयोध्या की राजकुमारी को किम उप नाम वालों का पूर्वज माना जाता है। कोरियन इतिहासकार समकुक सागी ने अपनी किताब में अयोध्या और कोरिया के रिश्तों का व्यापक पैमाने पर जिक्र किया है। हालांकि उन्होंने राजकुमारी के विवाह पूर्व नाम का कहीं जिक्र नहीं किया है। अयोध्या में उनका स्मारक है तो किम हे में उनकी याद में विशाल स्तूप विद्यमान है।

वहां की मान्यताओं के अनुसार राजकुमार की याद में बना स्तूप का पत्थर अयोध्या से भेजा गया था। किम हे के मेयर सांग यूं बोक ने सन 2000 में अयोध्या में स्मारक का उद्घाटन किया था। सन 2001 में अयोध्या और किम हे शहर को विकसित करने के सम्बन्ध में अनुबंध भी हुआ था। कोरिया में महारानी राजकुमारी ''हो'' के स्मारक की बड़ी मान्यता है। वहां राजकुमारी ''हो'' की पूजा की जाती है। कोरिया सरकार प्रतिवर्ष मार्च में अयोध्या में स्थापित महारानी ''हो'' के स्मारक पर वार्षिक समारोह करती चली आ रही है।

कोरिया का इतिहास

कोरिया के इतिहास में कहा गया है कि अयोध्या से दो हजार साल पहले अयोध्या की राजकुमारी सुरीरत्ना नी हुह वांग ओक अयुता (अयोध्या) से दक्षिण कोरिया के ग्योंगसांग प्रांत के किमहये शहर आई थीं, लेकिन वे कभी अयोध्या नहीं लौटीं। चीनी भाषा में दर्ज दस्तावेज सामगुक युसा में कहा गया है कि ईश्वर ने अयोध्या की राजकुमारी के पिता को स्वप्न में आकर यह निर्देश दिया था कि वे अपनी बेटी को उनके भाई के साथ राजा सुरो से विवाह करने के लिए किमहये शहर भेजें। आज कोरिया में कारक गोत्र के तकरीबन साठ लाख लोग खुद को राजा सुरो और अयोध्या की राजकुमारी के वंश का बताते हैं। इस पर यकीन रखने वाले लोगों की संख्या दक्षिण कोरिया की आबादी के दसवें हिस्से से भी ज्यादा है। दक्षिण कोरिया के पूर्व राष्ट्रपति किम डेई जंग और पूर्व प्रधानमंत्री हियो जियोंग और जोंग पिल किम इस वंश से आते थे। इस वंश के लोगों ने उन पत्थरों को संभाल कर रखा है जिनके बारे में माना जाता है कि अयोध्या की राजकुमारी अपनी समुद्र यात्रा के दौरान नाव को संतुलित रखने के लिए साथ लाई थीं। किमहये शहर में इस राजकुमारी की प्रतिमा भी है।

सबसे पवित्र रानी

भारत में इस बात पर कई लोगों को हैरत है कि यहां के इतिहास में अयोध्या की किसी राजकुमारी के कोरिया जाने की बात पर खामोशी है। हालांकि उत्तर प्रदेश के पर्यटन विभाग के एक ब्रोशर में कोरिया की रानी का जिक्र है। इस बात के कोई ऐतिहासिक प्रमाण नहीं हैं कि राजकुमारी राम के पिता राजा दशरथ की वंशज थीं। वैसे तो कोरिया के इतिहास में अनेक महारानियां हुई, परन्तु सभी महारानियों में सुरीरत्ना को ही सबसे अधिक आदरणीय और पवित्र माना गया, जिसका एक कारण उनका भगवान राम की नगरी अयोध्या से जुड़ा होना भी बताया जाता है।

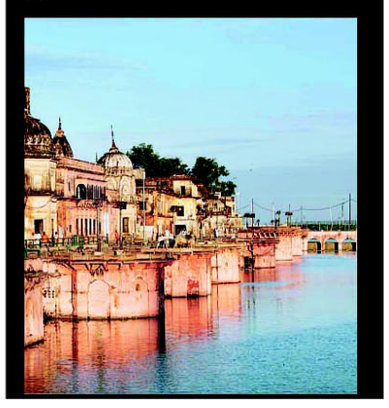

अयोध्या से अपनापन

अयोध्या और किमहये शहर का अपनापन साल 2001 से ही शुरू हुआ है। कारक वंश के लोगों का एक समूह हर साल मार्च के दौरान इस राजकुमारी की मातृभूमि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करने अयोध्या आता है। उन लोगों ने सरयू नदी के किनारे अपनी राजकुमारी की याद में एक पार्क भी बनवाया है। वक्त-वक्त पर अयोध्या के कुछ प्रमुख लोग किमहये शहर की यात्रा भी करने लगे हैं। अयोध्या के पूर्व राजपरिवार के सदस्य बिमलेंद्र मोहन प्रताप मिश्र यहां आने वाले कारक वंश के लोगों की मेहमाननवाजी करते रहे हैं और वे पिछले कुछ सालों में कई बार दक्षिण कोरिया भी जाते रहे हैं। यह और बात है कि उनके परिवार का इतिहास कुछ सौ साल पुराना ही है। बिमलेंद्र मोहन प्रताप मिश्र 1999-2000 के दौरान कोरिया सरकार के मेहमान रह चुके हैं। तब बिमलेंद्र ने कुछ कोरियाई विद्वानों से इस कहानी के बारे में पहली पहली बार सुना ही था और इसके कुछ महीने बाद ही उन्हें राजकुमारी की कोरिया यात्रा से जुड़े एक श्रद्धांजलि कार्यक्रम के सिलसिले में कोरिया आने का न्यौता मिला।

ये प्राणी अभी भी रहस्य हैं...

हमारी इस विशाल पृथ्वी पर रहस्यमयी, विचित्र और भयानक प्राणीयों को देखे जाने के बारे मे अक्सर चर्चा होती रहती है । क्या वास्तव में ऐसे प्राणियों का इस धरती पर कभी अस्तीत्व था? या फिर ये लोगो कि महज कल्पना का एक हिस्सा थी। हम इस बारे मे यकीनन कुछ भी नही कह सकते। सत्य चाहे जो कुछ भी हो इतना तो तय है कि ये प्राणी कौतुहल और खौफ का कारण रहे थे। इन रहस्यमयी, विचित्र और भयानक प्राणीयों के ऊपर कई टीवी सीरियल और हॉलीवुड फिल्में बन चुकि है, साथ ही बुक्स और नोवल्स भी लीखी जा चुकी हैं। आज हम आपको ऐसे ही रहस्यमयी, विचित्र और भयानक प्राणीयों के बारे मे बता रहे हैं।

लिजार्डमैन

रहस्यमयी, विचित्र और भयानक प्राणीयों कि लिस्ट मे पहला नाम है अमेरिका का 'लिजार्डमैन' । साउथ कैरोलिना की ली काउंटी के स्वाम्पलैंड क्षेत्र में इसे 29 जून 1988 को देखा गया। हरी त्वचा वाले इस विचित्र प्राणी की लंबाई 7 फीट 2 इंच लंबी थी। रिपोर्ट्स के अनुसार लिजार्डमैन हर पैर में तीन अंगूठे और हर हाथ में तीन उंगलियां थीं। वह दीवारों और सीलिंग पर चढ़ जाता था। लिजार्डमैन का पहला किस्सा 29 जून 1988 को सुनने में आया। 17 साल के क्रिस्टोफर डेविस ने रात दो बजे काम से लौटते समय उसे देखा था। इसके अगले महीने लिजार्डमैन को देखने कि कई लोगों ने शिका यत की।

जर्सी डेविल

डरावने प्राणी 'जर्सी डेविल' के बारे में 1800 से लेकर 20 वीं सदी तक तरह-तरह की बातें कही जाती रहीं है । इसे न्यू जर्सी के दक्षिणी क्षेत्र में देवदार वृक्ष वाले जंगल में देखा गया था। जर्सी डेविल के बारे में कहा जाता था कि उसके दो पैर, चमगादड़ की तरह पंख और घोड़े की तरह मुंह था। वह अजीब तरह की आवाज निकालता था। न्यू जर्सी और उसके आसपास के इलाके में इस प्राणी के देखने का दावा बहुत से लोगों ने किया।

फ्लैटवुड मॉन्स्टर

फ्लैटवुड मॉन्स्टर भी किसी पारलौकिक प्राणी की तरह दिखाई देता था। इसे वेस्ट वर्जीनिया की ब्राक्सटॉन काउंटी के फ्लैटवुड कस्बे में 12 सितंबर 1952 को देखा गया था। रिपोर्ट्स के अनुसार वह 10 फीट लंबा था और उसका चेहरा लाल रंग का था। उसका विचित्र चेहरा था और उसकी आंखें इंसानों जैसी नहीं थीं। ऐसा लगता था वह गहरे रंग की स्कर्ट पहने हुए है। उसके या तो हाथ थे ही नही या फिर बहुत छोटे थे जिनके अन्त मे बड़ी बड़ी उंगलियां थी।

डोवर डीमन

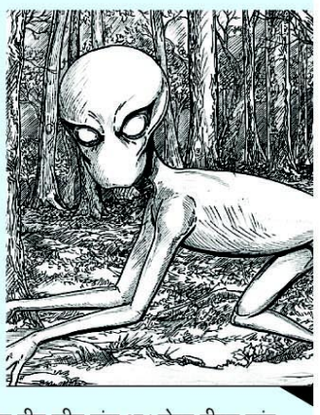

यह विचित्र और डरावना प्राणी अमेरिका में दिखाई दिया। मैसाचुसेट्स के डोवर टाउन में यह 1977 में 21 अप्रैल और 22 अप्रैल को दिखाई दिया। इसके विचित्र रूप को लेकर अनुमान लगाए जाते रहे कि यह एलियन था या फिर कोई प्रयोग का हिस्सा। वह हाईब्रिड एलियन भी हो सकता था। डोवर डीमन का सिर बड़ा था और आंखें ऑरेंज कलर की और हाथ-पैर पतले दिखाई दे रहे थे। बताया जाता है कि यह बिना बालों का था। इसमें फेशियल फीचर्स बहुत कम थे। यह विचित्र प्राणी लगभग तीन फीट लंबा था। डोवर डीमन सांप की तरह फुफकारता और बाज की तरह चीखता था। वैज्ञानिकों का मानना है कि यह किसी दूसरे ग्रह से आया होगा या फिर बॉयोलॉजिकल कारणों से कोई धरती के ही किसी जीव का आकार बदल गया होगा।

देश के साथ-साथ विदेशों में भी अच्छे अवसर

बैंकिंग के स्वाद में छिपा बेहतर भविष्य

बैंकिंग दुनिया के सबसे पुराने व्यवसायों में से एक है, लेकिन समय के साथ इसके स्वरूप व तकनीक में काफी परिवर्तन आया है । आजकल पूरी दुनिया में लोग बेंक की हुई चीजों का बहुत बड़े स्तर पर प्रयोग करते हैं । ऐसे में एक प्रोफेशनल बेकर की डिमांड भी काफी बढ़ी है। यदि आपको भी खाना बनाना पसंद है तो आप एक बेकर के रूप में अपना उज्ज्वल भविष्य देख सकते हैं।

स्टडी सेंटर्स...

- नेशनल काउंसिल फॉर होटल मैनेजमेंट एंड कैटरिंग टैक्नोलॉजी, नोएडा
- एलबीआईआई एचएम, पीतमपुरा, दिल्ली
- दिल्ली पैरामेडिकल एंड मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट, दिल्ली

स्किल्स...

वैसे तो इस क्षेत्र में कॅरियर बनाने के लिए किसी विशेष योग्यता की आवश्यकता नहीं है बस आपको बैकिंग, आइसंग व डैकोरेटिंग की जानकारी होनी चाहिए, लेकिन अगर आप चाहें तो अपने स्किल्स में निखार लाने के लिए बेकिंग व कन्फैक्शनरी में शॉर्ट टर्म या डिप्लोमा कोर्स कर सकते हैं। इस कोर्स की अवधि 4 से 6 महीने हो सकती है तथा आप 10वीं व 12वीं के बाद यह कोर्स आसानी से कर सकते हैं। कोर्स के दौरान छात्रों को न्यूट्रिशन, फूड सर्विस, बैकिंग के सिद्धांतों, सैनिटेशन, बैकिंग के दौरान काम आने वाली मशीनरी को चलाने आदि के बारे में विस्तार से समझाया जाता है। कोर्स में छात्रों को बैकिंग की बेसिक जानकारी के साथ-साथ एडवांस ट्रेनिंग दी जाती है। इसमें उन्हें इंडस्ट्रीयल इक्विपमेंट के जरिए सारी सामग्री को मिक्स करना व बेक करना सिखाया जाता है। इस ट्रेनिंग के जरिए छात्र सिर्फ बैकिंग के दम पर अपना भविष्य उज्ज्वल बना सकते हैं।

अपॉर्चुनिटी...

आप इस क्षेत्र में किसी होटल, बेकरी शॉप, केटरर आदि के जरिए कदम रख सकते हैं। वैसे आप बेकरी मैन्युफैक्चरिंग कंपनी के साथ भी जुड़ सकते हैं। आप खुद की बेकरी शॉप भी खोल सकते हैं। यदि आपके अंदर बेकिंग का हुनर लाजवाब है तो आप विदेश में भी नौकरी तलाश सकते हैं। वैसे शुरुआत में 10 से 15 हजार आसानी से मिल जाते हैं। एक अनुभवी बेकर की आमदनी 35 से 50 हजार रुपए प्रतिमाह हो सकती है।

क्रिएटिव होना भी जरूरी...

एक बेकर के लिए बेहद जरूरी है कि उसे भोजन व उससे संबंधित सामग्री से बेहद प्यार हो। इसके अतिरिक्त वह बेकरी प्रॉडक्ट्स और उसकी सामग्री से परिचित हो। उसे सिर्फ खाना पकाना ही नहीं आता हो बल्कि अपनी क्रिएटिविटी के बलबूते वह उसे एक नया रूप देने में सक्षम हो।

उच्च वसायुक्त आहार से खुद को रखें दूर

स्वभाव में बदलाव ला सकता है भोजन

अत्यधिक वसायुक्त भोजन आपके मस्तिष्क के स्वास्थ्य पर भी असर डालता है, जिसके चलते आपके स्वभाव में भी बदलाव आ सकता हैं। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार एक अध्ययन में यह बात सामने आई हैं कि यह बदलाव घबराहट, स्मृतिलोप और बर्ताव में दोहराव के रूप में हो सकता है। एक शोध सेप ता चला है कि जो लोग मोटे न हों उन्हें भी उच्च वसायुक्त आहार से बचना चाहिए।

मनुष्य और सूक्ष्मजीवों के बीच सहजीवी संबंध होते हैं बाधित

शोधकर्ताओं के अनुसार, उच्च वसायुक्त भोजन के कारण उदर में पाए जाने वाले जीवाणुओं में परिवर्तन के कारण स्वास्थ्य एवं बर्ताव में इस तरह का हल्का सा परिवर्तन पैदा होता है। बॉयोलॉजिकल साइकियाट्री के संपादक जॉन क्रिस्टल का कहना है, इस शोध पत्र के अनुसार उच्च वसायुक्त आहार के कारण मनुष्यों एवं सूक्ष्मजीवों के बीच सहजीवी संबंध के बाधित होने के कारण हमारे मस्तिष्क के स्वास्थ्य पर असर पड़ता है। अमेरिका के लूसियाना स्टेट विश्वविद्यालय के अनुसंधानकर्ताओं ने इस बात की जांच की कि क्या मोटापा से जुड़े सूक्ष्मजीवी बर्ताव में भी परिवर्तन लाते हैं और यह मोटापा न होने की सूरत में भी क्या संभव है। यह प्रयोग चूहे पर किया गया।

टीवी देखने से बढ़ता है मधुमेह का खतरा

टीवी के सामने बिताया जाने वाला हर एक घंटा मधुमेह के रोग होने के खतरे को 3 प्रतिशत तक बढ़ाता है। वर्ष 2002 में हुए एक शोध में भाग लेने वाले प्रतिभागियों के डाटा का शोधार्थियों ने इस अध्ययन में प्रयोग किया। इस शोध में 1996 से 1999 के बीच 3234 मोटापे से ग्रस्त 25 साल से ज्यादा उम्र के अमेरिकी वयस्कों को शामिल किया गया था। ताजा अध्ययन एक जर्नल में प्रकाशित हुआ है। इसके मुताबिक टीवी देखने में बिताए गए हर एक घंटे से मुधमेह के बढ़ने के खतरे में लगभग 3.4 प्रतिशत तक की वृद्धि देखी गई।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**